@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 19 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 211 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अरुंधति रॉय और पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करेगी दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 18 जून। लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर के एक पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में दिल्ली पुलिस अगले सप्ताह आरोप पत्र दाखिल कर सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रॉय और कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन पर 21 अक्टूबर, 2010 को एलटीजी ऑडिटोरियम, कॉपरनिकस मार्ग में आजादी-द ओनली वे के बैनर तले आयोजित एक सम्मेलन में कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के लिए मामला दर्ज किया गया था। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट नई दिल्ली की अदालत के आदेश के बाद कश्मीर के एक सामाजिक कार्यकर्ता सुशील पंडित की शिकायत पर तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में मामले को आगे की जांच के लिए दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच को स्थानांतरित कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, क्राइम ब्रांच ने एक हजार पेज से ज्यादा की चार्जशीट तैयार की है, जिसमें रॉय और हुसैन के खिलाफ कई वीडियो और फॉरेंसिक सबूतों के आधार पर केस दर्ज किया गया है। सूत्रों ने कहा कि पुलिस ने छह से अधिक प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों का हवाला दिया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो पर फोरेंसिक रिपोर्ट भी जांच के हिस्से के रूप में दी की गई है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शुक्रवार को उनके खिलाफ यूएपीए की धारा 45 (1) के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी थी।

पीएम मोदी ने जारी की किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 जून। पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त आज जारी हुई। इसके अलावा जिन किसानों ने योजना में आवेदन करते समय गलत जानकारी दर्ज की थी उनके खाते में भी 17वीं किस्त के पैसे नहीं आए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त जारी होने के बाद कई किसान काफी परेशान दिख रहे हैं उनके खाते में 17वीं किस्त के पैसे नहीं आए हैं। किस्त के पैसे न आने की मुख्य वजह योजना में ई-केवाईसी और भूलेखों का सत्यापन नहीं कराना है। देश में ऐसे गरीब किसानों की संख्या काफी अधिक है, जिन्हें उम्र के एक पड़ाव पर आने के बाद आर्थिक स्तर पर कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। किसानों की इसी समस्या को देखते हुए केंद्र सरकार पीएम किसान मानधन योजना का संचालन कर रही है। पीएम किसान मानधन योजना में किसानों को आवेदन करने के बाद एक निश्चित मात्रा में कुछ राशि का निवेश हर महीने करना होता है। यह निवेश किसानों को 60 की उम्र होने तक करना होता है। 60 की उम्र के बाद किसानों को हर महीने तीन हजार रुपये की पेंशन मिलती है। पीएम किसान सम्मान निधि के साथ पीएम किसान मानधन योजना का भी उठाएं लाभ भारत सरकार देश में गरीब

किसानों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पीएम किसान मानधन योजना का संचालन भी कर रही है। अगर आप पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ उठा रहे हैं, तो आप इस स्कीम में भी आवेदन कर सकते हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पोस्ट पर कही ये बात आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने आज उत्तर प्रदेश के वाराणसी से पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त के तहत 9.26 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसानों के खातों में ?20,000 करोड़ से अधिक की राशि हस्तांतरित की। लंबे समय से किसानों को था 17वीं किस्त का इंतजार पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 16वीं किस्त 28 फरवरी को जारी हुई थी उसके बाद से देशभर के करोड़ों किसान 17वीं किस्त का इंतजार कर रहे थे। आज 17वीं किस्त जारी होने के बाद उनका यह इंतजार खत्म हो गया है। दशाश्वमेध घाट पर आयोजित गंगा आरती में होंगे शामिल पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त को जारी करने के बाद शाम 7 बजे के करीब पीएम मोदी दशाश्वमेध घाट पर आयोजित गंगा आरती में शामिल होंगे। पीएम मोदी किसानों को संबोधित कर रहे हैं किस्त जारी करने के बाद और कृषि सखियों के रूप में ट्रेनिंग प्राप्त स्वयं सहायता समूह को सर्टिफिकेट जारी करने के बाद किसानों को संबोधित कर रहे हैं। अपने किसान भाई-बहनों का जीवन आसान बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री भुजबल ने की जाति जनगणना की मांग

नई दिल्ली, 18 जून। अनशन पर बैठे आंदोलनकारियों के सरकारी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद वरिष्ठ ओबीसी नेता ने स्पष्ट किया कि मराठों को ओबीसी आरक्षण नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि राज्य में जातीय जनगणना की जानी चाहिए। 13 जून से दो ओबीसी कार्यकर्ता लक्ष्मण हेक और नवनाथ वाघमारे अनशन पर बैठे हुए हैं। सोमवार को सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने दोनों से मुलाकात की। उन्होंने दोनों से अनशन खत्म करने का आग्रह किया, साथ की पानी पीने के लिए अनुरोध किया। लेकिन दोनों आंदोलनकारियों ने इससे इंकार कर दिया। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे मराठों के लिए आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इससे ओबीसी कोटा प्रभावित नहीं होना चाहिए। वहीं वरिष्ठ ओबीसी नेता और महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय के लिए कोटे से आरक्षण नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि राज्य में जाति जनगणना की अपनी मांग दोहराई। भुजबल ने कहा, मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे से आरक्षण नहीं दिया जा सकता। हम ऐसा नहीं कह रहे हैं, लेकिन आरक्षण को लेकर पिछले चार आयोग ने यही कहा है। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे नकार दिया है। राज्य मंत्री ने मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे के विरोध का हवाला देते हुए कहा कि अब फिर से ओबीसी (कोटा) से आरक्षण की मांग हो रही है।

नशे के व्यापार में शामिल पुलिसकर्मी तुरंत होगा बर्खास्तः मुख्यमंत्री मान

तेजिन्दर कौर बब्बर

चंडीगढ़, 18 जून। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों और तस्करों के बीच गठजोड़ को तोड़ने के लिए सख्त कदमों की घोषणा की। मान ने कहा कि जो भी पुलिस अधिकारी नशीली दवाओं के व्यापार में शामिल पाया जाएगा, उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा और तस्करों की संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। मान ने राज्य भर में बड़े पैमाने पर निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों के तबादले की भी घोषणा की और कहा कि विभाग को मजबूत करने के लिए 10,000 और पुलिस कर्मियों की भर्ती की जाएगी। चंडीगढ़ में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि पुलिस विभाग में जल्द ही सुधार देखने को मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव के दौरान पंजाब में भारी मात्रा में ड्रग्स और नकदी जब्त की गई। उन्होंने कहा कि हमें सुराग मिला कि ये कहां से आए थे और उनका गंतव्य क्या था।

हमारे पास पूरी जानकारी है। मान ने कहा कि जिस दिन आदर्श आचार संहिता समाप्त हुई, मैंने पुलिस महानिदेशक को फोन किया और नशीली दवाओं के खतरे पर कार्रवाई करने को कहा। मान ने कहा कि ऐसे आरोप हैं कि अधिकारी 10 साल से अधिक समय से एक ही पुलिस स्टेशन में काम कर रहे हैं और वहां पक्षपात चल रहा है। सीएम ने कहा कि निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों और ड्रग तस्करों के बीच एक सांठगांठ थी, इसलिए राज्य पुलिस प्रमुख से पुलिस स्टेशन में तैनात अधिकारियों को तुरंत स्थानांतरित करने के लिए कहा गया है। उन्होंने साफ किया कि अगर कोई पुलिस अधिकारी ड्रग्स की बिक्री में शामिल पाया गया तो इसे पाप के रूप में देखा जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। बाद में उससे पूछताछ की जाएगी ताकि पता लगाया जा सके कि यह कब से चल रहा था। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई भी ड्रग तस्कर पकड़ा जाएगा तो उसकी संपत्ति पकड़े जाने के एक सप्ताह के भीतर कुर्क कर ली जाएगी। मान ने कहा कि पंजाब में दस हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती की जाएगी। 2002 में पंजाब पुलिस कर्मियों की संख्या 80-81 हजार थी और आज भी उतनी ही है।

सीबीआई को सौंपे फैजान की मौत की जांचः हिमंत बिस्व सरमा

नई दिल्ली, 18 जून। असम के रहने वाले छात्र फैजान अहमद की मौत के मामले में नई फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखा है। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर के छात्र फैजान अहमद की हत्या के केस को सीबीआई को सौंपने की मांग की है। नई फॉरेंसिक रिपोर्ट के मुताबिक छात्र ने आत्महत्या नहीं की थी। या तो उसे गोली मारी गई थी या किसी वस्तु से हमला किया गया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने अपने पत्र में लिखा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर हुए दूसरे फॉरेंसिक रिपोर्ट में फैजान अहमद के गर्दन के ऊपरी बायीं हिस्से पर गोली का घाव और गर्दन के दाहिने हिस्से पर चाकू से हमले का घाव है। उन्होंने आगे लिखा, नए फोरेंसिक रिपोर्ट से चौंकाने वाले निष्कर्षों के मद्देनजर, यह जरूरी है कि इस जघन्य अपराध के दोषियों के साथ-साथ अपराध को छिपाने में शामिल लोगों को सजा मिले। अपने पत्र में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आगे लिखा कि इससे मृतक को न्याय मिलेगा और शोक संतप्त माता-पिता को राहत मिलेगी। उन्होंने लिखा, कृपया अपराध की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच के लिए मामले को सीबीआई को सौंप दें। बता दें कि इससे पहले उन्होंने अक्टूबर 2022 में ममता बनर्जी को पत्र लिखकर छात्र की अप्राकृतिक मौत की गहन जांच का अनुरोध किया था। इससे पहले फैजान अहमद की मौत को आत्महत्या का मामला करार देकर उसे दफन कर दिया गया था। और कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर कब्र से शव निकलवाया गया और फिर से पोस्टमार्टम कराया गया।

गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी की जमीन सिख समाज को दें वापसः राकेश टिकैत

कौमी संवाददाता

हरिद्वार, 18 जून। भाकियू टिकैत गुट के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा, जब सिख समाज की ओर से गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी होने के पुख्ता सबूत दिए जा रहे हैं तो समाज को गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी बनाने के लिए जमीन वापस दे दी जाए। अगर वहां नहीं दे सकते हैं तो टिकैत घाट के सामने गुरुद्वारा बनाने के लिए जमीन दे दी जाए। कहा, जब अयोध्या में कब्जाई जमीन को वापस दिया जा सकता है। अब मथुरा में वापसी की बात है तो इनको भी जमीन दे दी जाए। यहां लंगर चलेगा और समाजसेवा की जाएगी। धर्मनगरी में चल रहे चिंतन शिविर (किसान महाकुंभ) के समापन पर टिकैत ने कहा, देशभर में किसानों के ट्रेनिंग सेंटर बनाए जाएंगे। इन सेंटरों पर किसानों को संगठन की मजबूती और किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। कहा, पहले चरण में 25 सेंटर बनाए जाएंगे, लेकिन इनका लक्ष्य 100 रखा गया है। कहा, संगठन को बदनाम करने

की अलग-अलग साजिशें चल रही हैं, इनसे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सावधान रहने की जरूरत है। टिकैत ने केंद्र सरकार को अपाहिज बताया। किसानों के बने नए-नए संगठनों को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, अभी तो बहुत संगठन बनेंगे। सरकार किसान संगठनों को तोड़ने पर लगी हुई है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि अगला युद्ध ट्रैक्टरों और वाहनों का होगा, इसलिए ट्रैक्टर प्रमुख बना लिए जाएं। समापन पर यूनियन की ओर से 26 मांगों का ज्ञापन राष्ट्रपति को भेजा गया। इस मौके पर गढ़वाल मंडल अध्यक्ष संजय चौधरी, जिलाध्यक्ष विजय शास्त्री, सुब्बा सिंह ढिल्लो, अरविंद राठी, सुरेंद्र सिंह, रवि चौधरी आदि मौजूद रहे।

किरण-श्रुति चौधरी का इस्तीफा

चंडीगढ़, 18 जून। विधानसभा चुनाव शुरू होने से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगने वाला है। लोकसभा चुनाव में बेटी को टिकट नहीं मिलने के बाद से पार्टी के खिलाफ मुखर कांग्रेस विधायक किरण चौधरी व उनकी बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने सभी समर्थकों को दिल्ली में पहुंचने के निर्देश दिए हैं। वह दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा में शामिल होंगी। इस दौरान सीएम नायब सिंह सैनी व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रह सकते हैं। किरण अपनी बेटी श्रुति के लिए भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस से टिकट मांग रही थी, मगर पार्टी ने उनकी जगह महेंद्रगढ़ से कांग्रेस विधायक राव दान सिंह को टिकट दिया। हालांकि चुनाव में उनकी हार हुई। उसके बाद राव दान सिंह ने बिना नाम लिए चौधरी पर भितरघात का आरोप लगाया था। वहीं , किरण इसका विरोध जताते हुए कहा कि यदि टिकट सही से बंटी होती तो कांग्रेस यहां से चुनाव जीत सकती थी।

देश के नौ राज्यों में भीषण गर्मी का अलर्ट

नई दिल्ली, 18 जून। देशभर के कई राज्यों में भीषण गर्मी का कहर जारी है। अभी भी कई राज्यों के लोगों को तपती गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली। यहां तक कि इस बार पहाड़ी राज्य भी गर्मी से तप रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी और लू का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा जम्मू, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, बिहार और झारखंड में भी लू से लोगों को राहत नहीं मिलने वाली। देश की राजधानी दिल्ली में आज सुबह 8.30 बजे 38.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। दिल्ली के आयानगर में सोमवार को सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया था, जो कि 46.4 डिग्री सेल्सियस था। सोमवार को आईएमडी ने दिल्ली और इससे सटे राज्यों में लू की स्थिति जारी रहने का रेड अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग ने 19 जून को भी दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के अनुसार 18 जून और 19 जून को बिहार और झारखंड राज्यों में पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिल सकता है। अरब सागर से चलने वाली दक्षिण-पश्चिमी हवाओं की वजह से मौसम में नमी देखने को मिलेगी और इस कारण हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों को भी थोड़ी राहत मिल सकती है। पंजाब और हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में आसमान में बादल छाए रहेंगे और शाम को बारिश की संभावना भी है। आईएमडी की मौसम वैज्ञानिक सोमा सेन का कहना है कि 19 जून से पंजाब और हरियाणा में लू से राहत मिलने की उम्मीद है। आईएमडी की वैज्ञानिक सोमा सेन ने आगे बताया कि देशभर में अत्यधिक गर्मी के बीच हिमाचल प्रदेश जैसा पहाड़ी राज्य भी अछूता नहीं रहा। हिमाचल के कुछ इलाकों में अगले दो दिनों तक गर्मी को लू को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा राज्य की कुछ जगहों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य मौसम विभाग के वैज्ञानिक हेमराज वर्मा का कहना है कि हिमाचल प्रदेश के मंडी, ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और सिरमौर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों पर सुप्रीम कोर्ट का एनटीए-केंद्र को नोटिस

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 18 जून। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से कई तीखे सवाल किए। अदालत ने कहा कि अगर नीट परीक्षा में 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई है तो उससे निपटा जाना चाहिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और इस मामले में जवाब दाखिल करने को कहा है। मेडिकल की इस परीक्षा के लिए छात्र-छात्राओं की मेहनत पर बात करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस याचिका को विरोधात्मक भाव से नहीं देखा जाना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने कहा कि हम इन परीक्षाओं की तैयारियों में बच्चों की मेहनत से अवगत हैं। कोर्ट ने कहा कि मान लीजिए कि इस सिस्टम से धोखाधड़ी कर के कोई व्यक्ति डॉक्टर बन जाए। ऐसा शख्स

समाज के लिए नुकसानदेह है। बेंच ने कहा कि परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हुए आपको मजबूती से खड़ा होना होगा। अगर कोई गलती हुई है तो उसे माना जाना चाहिए और बताना चाहिए कि क्या कार्रवाई की जा रही है। इससे आपके प्रदर्शन पर आत्मविश्वास पैदा होता है। अधिकारियों की तरफ से समय पर कदम उठाने पर जोर देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इन याचिकाओं पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ आठ जुलाई को सुनवाई होगी। इनमें वे याचिकाएं भी शामिल हैं जिनमें परीक्षा को नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। कोर्ट ने कहा कि एनटीए और केंद्र इन नई याचिकाओं पर भी दो सप्ताह के अंदर अपने जवाब दाखिल करें। इस बीच जब कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पक्ष रख रहे एक अधिवक्ता ने परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न से संबंधित मुद्दा उठाया तो बेंच ने कहा कि एनटीए और केंद्र इस पर जवाब देंगे। कोर्ट ने कहा, ''पहले हम आपकी दलीलों का मकसद समझ लें। इन मामलों में हम शाम तक बैठने को तैयार हैं।''

पहली बार चुनाव मैदान में उतरेंगी प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 18 जून। आखिरकार समय आ ही गया..राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी पहली बार चुनावी मैदान में बतौर प्रत्याशी ताल ठोकेंगीं। ये पहली बार होगा, जब अपने राजनीतिक जीवन में प्रियंका गांधी कोई चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस के थिंक टैंक ने तय कर दिया है कि राहुल गांधी वायनाड लोकसभा सीट छोड़ेंगे और प्रियंका गांधी यहां से चुनाव लड़ेंगी। प्रियंका गांधी का सियासी सफर कैसा रहा? निराशा से निकलकर किस तरह से उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में आशा की किरण जलाई? वर्ष 2019 से 2024 का सियासी घटनाक्रम कैसा रहा और कैसे प्रियंका गांधी ने कांग्रेस के अंदरखाने विश्वास की अलख जलाई? आइए इस रिपोर्ट में जानते हैं। 2019 के आम चुनाव में प्रियंका गांधी को कांग्रेस ने महासचिव बनाया और पूर्वी उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हार गए थे। इसके बाद वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव हुए तो प्रियंका गांधी के हाथ एक बार फिर से निराशा आई, कांग्रेस महज दो सीटों पर सिमट गई। ऐसा लगने लगा था कि प्रियंका उत्तर प्रदेश की राजनीति को अलविदा कह देंगी। सब दिन न होत एक समाना ...समय बदला और 2024 में लोकसभा चुनाव का बिगुल बजा। दूसरे चरण में वायनाड में मतदान संपन्न हुआ तो कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली से अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार का जिम्मा अपने कंधों पर लिया। इस दौरान प्रियंका कांग्रेस की स्टार प्रचारक बनकर उभरीं। प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार भी जबरदस्त तरीके से किया। रायबरेली में ही पंडित जवाहर लाल नेहरू को याद किया तो प्रधानमंत्री मोदी के मंगलसूत्र वाले बयान पर भी निशाना साधा। जनता से पूछा कि क्या कांग्रेस ने 55 वर्षों में किसी का सोना या मंगलसूत्र छीना? नतीजा ये रहा कि अमेठी से केएल शर्मा तो रायबरेली से राहुल गांधी को जीत हासिल हुई, वो भी बड़े अंतर के साथ। रायबरेली में राहुल गांधी चुनाव जीते लेकिन बहुत हद तक इस जीत का श्रेय प्रियंका गांधी के प्रचार अभियान को भी जाता है। यह कहने में भी कोई गुरेज नहीं कि प्रियंका गांधी ने सुस्त पड़ती दिख रही कांग्रेस में ईंधन भरने का काम किया। अब प्रियंका गांधी के लोकसभा चुनाव लड़ने का समय भी आ चुका है। वैसे कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश पहले भी इस बात का संकेत दे चुके हैं कि प्रियंका के संसद पहुंचने के विकल्प खुले हैं।

प्रियंका को सिंहासन सौंपने का ड्रामा कर रहे राहुल गांधीः राधिका खेड़ा

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 18 जून। कांग्रेस अब तक प्रियंका गांधी को सीधे चुनावी राजनीति में उतारने से बचती रही थी। परिवारवाद के आरोपों से बचने के लिए ही पार्टी ने अब तक यह तरीका अपनाया था। लेकिन जैसे ही कांग्रेस ने वायनाड से राहुल गांधी के इस्तीफा देने और इसी सीट पर उपचुनाव में प्रियंका गांधी को उतारने की घोषणा की, भाजपा हमलावर हो गई। पार्टी ने इसे परिवार का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। भाजपा नेता राधिका खेड़ा ने राहुल गांधी के द्वारा वायनाड की लोकसभा सीट प्रियंका गांधी के लिए छोड़ने को सिंहासन सौंपने का ड्रामा करार दिया है। राधिका खेड़ा ने इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए अमर उजाला से कहा कि कांग्रेस ने आज तक केवल परिवारवाद की राजनीति को प्रश्रय दिया है। जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा-राजीव और सोनिया गांधी तक यह परंपरा जारी रही है। राहुल गांधी के द्वारा वायनाड की लोकसभा सीट प्रियंका गांधी के लिए छोड़ना बिल्कुल उसी तरह है, जैसे कि प्राचीन काल में कोई राजा अपना सिंहासन अपने उत्तराधिकारी को सौंपता था। खेड़ा ने कहा कि देश में अब लोकतंत्र आ गया है, लेकिन गांधी परिवार अब भी एक राजपरिवार की तरह व्यवहार कर रहा है और अपना उत्तराधिकार अपने ही परिवार के किसी दूसरे सदस्य को सौंप रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में यह कतई स्वीकार्य नहीं है। खेड़ा ने कहा कि इसके पहले जब सोनिया गांधी ने रायबरेली की सीट छोड़ी थी, तब भी उन्होंने इसी तरह के संकेत दिए थे जैसे वे अपना सिंहासन अपने बेटे के लिए खाली कर रही हैं। अब राहुल गांधी ने भी उसी परंपरा को निभाया है और अपनी दूसरी सीट अपनी बहन के लिए छोड़ दिया है। भाजपा नेता ने कहा कि यह उन कांग्रेस कार्यकर्ताओं का अपमान है जो लंबे समय तक पार्टी के लिए काम करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी को कांग्रेस में एक भी कार्यकर्ता ऐसा नहीं मिला जो वायनाड की सीट से चुनाव लड़ता। यदि राहुल गांधी किसी सामान्य कार्यकर्ता को चुनाव लड़वाते, तो ज्यादा बेहतर होता। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई राधिका खेड़ा ने कहा कि सोनिया गांधी

राज्यसभा से सदस्य हैं। यदि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों लोकसभा में पहुंचते हैं, तो एक ही परिवार के सदस्य मां, बेटा-बेटी सभी संसद में होंगे। क्या कांग्रेस का कोई दूसरा कार्यकर्ता या नेता नहीं है, जो संसद जा सके। यह देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ-साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का भी अपमान है। इससे यह भी पता चलता है कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को अपनी ही कार्यकर्ताओं पर कोई भरोसा नहीं है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष नेता विश्वविजय सिंह ने अमर उजाला से कहा कि प्रियंका गांधी के वायनाड से चुनाव लड़ने को परिवारवाद नहीं कहा जा सकता। किसी भी पार्टी में कोई भी कार्यकर्ता 15-20 साल तक काम कर लेता है, तो वह लोकसभा-विधानसभा चुनाव का टिकट पाने वालों की श्रेणी में आ जाता है। प्रियंका गांधी ने 1996 के चुनाव में ही पार्टी के लिए प्रचार करना शुरू कर दिया था। वे लगभग 25 साल से पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता के तौर पर काम कर रही हैं। उन्होंने लंबे समय तक जनता, महिलाओं के लिए संघर्ष किया है। कई राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनवाने में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में पांच आतंकवादी ढेर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में पांच आतंकवादी मारे गये।पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर कबायली जिले में अभियान शुरू किया। बयान में कहा गया है कि अभियान के दौरान, सैनिकों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर प्रभावी ढंग से कब्ज़ा कर लिया और पांच आतंकवादियों को मार गिराया। आईएसपीआर ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किये गये।

अर्जेंटीना में डेंगू के 508,000 से अधिक मामले

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना में इस साल अब तक डेंगू के 508,000 से अधिक मामले सामने आए हैं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.29 गुना अधिक है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष के पहले 23 सप्ताहों में डेंगू के 508,867 मामले सामने आए, जो 2023 के 31वें सप्ताह में डेंगू की लहर के बाद से दर्ज किए गए कुल 526,030 मामलों का 96.7 प्रतिशत है।मध्य क्षेत्र में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए, जो कुल मामलों का 61.6 प्रतिशत है, इसके बाद उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में 23.1 प्रतिशत और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 13.1 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए। दक्षिण अमेरिकी देश के 24 जिलों में से 19 में डेंगू फैल रहा है और इस मौसम में कुल 366 मौतें हुई हैं। मंत्रालय ने डेंगू से निपटने के लिये 15 से 39 वर्ष की आयु के लोगों के लिये टीकाकरण अभियान की घोषणा की है।

इक्वाडोर में भूस्खलन से आठ लोगों की मौत

क्विटो। इक्वाडोर के मध्य तुंगुरहुआ प्रांत में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में आठ लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गये। इक्वाडोर के राष्ट्रीय जोखिम प्रबंधन सचिवालय ने बताया कि रविवार को भूस्खलन के कारण रिसॉर्ट शहर बानोस डी अगुआ सांता में सड़क मार्ग बंद हो गया और यहां स्थित घरों को नुकसान पहुंचा।इक्वाडोर के परिवहन एवं लोक निर्माण मंत्री रॉबर्टो लुके ने एक्स पर लिखा,हम राहत प्रयासों में मदद के लिए समन्वय कर रहे हैं और अधिक मशीनरी तैनात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के कारण तीन पनबिजली संयंत्रों का संचालन भी बाधित हुआ है।

चीन में भारी बारिश के कारण चार लोगों की मौत, दो लापता

फुझाउ। चीन के फुजियान प्रांत के वुपिंग काउंटी में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गयी और दो अन्य लापता हो गये। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि 16 जून से शुरू हुई मूसलाधार बारिश से वुपिंग काउंटी के लोंगयान शहर में सोमवार अपराह्न तक कुल 47,800 लोग प्रभावित हुए हैं। शांगहांग काउंटी के कई शहरों में लंबे समय तक भारी बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो गयीं और संचार एवं बिजली आपूर्ति में आंशिक व्यवधान हुआ।

गाजा में इज़रायली सेना के हमले में आठ फ़िलिस्तीनी व्यापारी मारे गए

एजेंसी

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायल की ओर से किये गये हमले में सड़क के किनारे वाणिज्यिक ट्रकों का इंतजार कर रहे कम से कम आठ फिलिस्तीनी व्यापारी मारे गए।

गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के सूत्रों ने यह जानकारी दी है, लेकिन किसी भी आधिकारिक फिलिस्तीनी स्रोत ने आगे कोई विवरण नहीं दिया है। अभी तक, इजरायली सेना ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजरायल की ओर से गाजा पट्टी में किये जा रहे हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या सोमवार तक 37,347 हो गई, जबकि 85,372 लोग घायल हुए हैं।

वहीं, इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी में उसका अभियान जारी है। आईडीएफ ने कहा, आईडीएफ सैनिक राफा के क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर लक्षित अभियान जारी रखे हुए हैं। आईडीएफ सैनिकों ने कई हथियार पाए और विस्फोटकों से लैस कई संरचनाओं पर हमला किया, जो बलों के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। बयान में कहा गया, पिछले दिनों सैनिकों ने नजदीकी मुठभेड़ में सशस्त्र आतंकवादियों को मार गिराया। इसके अलावा, सैनिकों के लिए खतरा बने और हमास द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कई सैन्य ढांचे नष्ट कर दिए गए।

इटली के तट पर नाव दुर्घटनाओं में 11 मरे, 60 लापता

एजेंसी

रोम। इटली के तटों के पास दो नाव दुर्घटनाओं में कम से कम 11 प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि 66 अन्य लापता हैं।

इटली के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि इटली के तटों के पास प्रवासियों की दो नौकाओं के दुर्घटनाग्रस्त होने के कुछ घंटों बाद देर रात तक भूमध्य सागर में इटली के तट रक्षक द्वारा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दक्षिणी इटली में कैलाब्रिया के तट से लगभग 120 मील (193 किमी) दूर संकट में एक लकड़ी की नाव की खोज के बाद क्षेत्र में एक व्यापारी जहाज ने एसओएस कॉल किया, जिसके बाद प्रारंभिक बचाव कार्य शुरू किया गया। व्यापारी जहाज़ ने 12 लोगों को बचाया और इतालवी तट रक्षक जहाज़ के आने तक उनकी सहायता की। तट रक्षक के अनुसार, गंभीर चिकित्सा स्थितियों के कारण एक महिला की जहाज़ से उतरने के तुरंत बाद मृत्यु हो गई।

तट रक्षक ने एक बयान में कहा, नौका दुर्घटना के बाद लापता लोगों की तलाश जारी है। तट रक्षक ने बताया कि कि दो इतालवी गश्ती नौकाएँ और एक एटीआर42 विमान वर्तमान में तलाश अभियान में शामिल हैं, और जल्द ही चिकित्सा टीमों के साथ एक और गश्ती जहाज़ क्षेत्र में उनके साथ शामिल हो जाएगा। सोमवार शाम तक कोई भी जीवित व्यक्ति नहीं मिला है।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में चिकित्सा विभाग के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि 66 लोगों के मारे जाने की आशंका है, जिनमें 26 नाबालिग भी शामिल हैं। जीवित बचे लोगों के बयान के अनुसार, यह नाव पिछले सप्ताह तुर्की से रवाना हुई थी, जिसमें इराक, सीरिया, ईरान और अफगानिस्तान से प्रवासी और शरणार्थी सवार थे।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रभावशाली 'वार कैबिनेट' को किया भंग

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइली अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उस प्रभावशाली 'वार कैबिनेट' (युद्ध मंत्रिमंडल) को भंग कर दिया है, जिसे गाजा में युद्ध का संचालन करने का काम सौंपा गया था। अधिकारियों के मुताबिक, विपक्षी नेता बेनी गैंट्ज़ के सरकार से बाहर चले जाने के बाद इस 'वार कैबिनेट' को भंग कर दिया गया।

बेनी गैंट्ज़ हमास के खिलाफ युद्ध के शुरुआती दिनों में इजराइल की गठबंधन सरकार में शामिल हुए थे। गैंट्ज़ ने मांग की थी कि नेतन्याहू की सरकार में अति-दक्षिणपंथी सांसदों को दरकिनार करने के लिए एक छोटा मंत्रिमंडल बनाया जाए। गेंट्ज़, नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट इसके सदस्य थे और उन्होंने पूरे युद्ध के दौरान मिलकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इजराइली अधिकारियों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर यह बात कही, क्योंकि उन्हें मीडिया के साथ इस बदलाव पर चर्चा करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि आगे चलकर नेतन्याहू संवेदनशील मुद्दों पर अपनी सरकार के कुछ सदस्यों के साथ छोटी-छोटी बैठकें करेंगे। नेतन्याहू के पुराने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी गैंट्ज़, दक्षिणी इजराइल पर सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद एकजुटता दिखाने के लिए सरकार में शामिल हुए थे।

उन्होंने नेतन्याहू के युद्ध से निपटने के तरीके पर निराशा जताते हुए इस महीने की शुरुआत में सरकार से इस्तीफा दे दिया था। आलोचकों का कहना है कि नेतन्याहू के युद्धकालीन निर्णय उनकी सरकार के अतिराष्ट्रवादियों से प्रभावित हैं, जो बंधकों की रिहाई के बदले युद्ध विराम लाने वाले समझौते का विरोध करते हैं। उन्होंने गाजा पट्टी से फलस्तीनियों के स्वैच्छिक प्रवास और इस क्षेत्र पर फिर से कब्जा करने के लिए समर्थन व्यक्त किया है। नेतन्याहू ने इन आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि वह देश के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हैं।

पार्क में गोलीबारी में दो बच्चों समेत आठ लोग घायल

एजेंसी

दक्षिण कोरिया। मंगलवार को दक्षिण कोरिया के सैनिकों की तरफ से सीमा पार करने पर चेतावनी देते हुए फायरिंग की है। समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरियाई सैनिकों द्वारा सीमा के पास भारी सुरक्षा वाली सैन्य सीमांकन रेखा का उल्लंघन किया गया। जिसके बाद दक्षिण कोरिया की तरफ से चेतावनी दी गई। जानकारी के मुताबिक दर्जनों उत्तर कोरियाई सैनिकों ने आज सैन्य सीमांकन रेखा पार की और जब दक्षिण कोरिया ने चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई तो पीछे गट गए।

20-30 उत्तर कोरियाई सैनिक ने पार की रेखा

दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार सुबह लगभग 8:30 बजे करीब 20-30 उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सैन्य सीमांकन रेखा को पार किया। ये घटना इस महीने की दूसरी घटना है, जब उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पार किया। आज की घटना के दौरान दक्षिण कोरियाई सैनिकों ने पहले चेतावनी दी फिर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई। जिसके बाद उत्तर कोरियाई सैनिक पीछे हटने पर मजबूर हुए। हालांकि इसके बाद मौके पर कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं देखी गई। बता दें कि सैन्य सीमांकन रेखा दोनों देशों को विभाजित करती है।

पहले भी हुई थी सीमा पार की कोशिश

पिछले 10 दिनों में दूसरी घटना है जब उत्तर कोरिया के सैनिकों ने सीमा पार करने कोशिश की है। इससे पहले करीब 7 दिन पहले भी उत्तर कोरिया के करीब 20-30 सैनिकों ने डीमिलिट्रलाइज्ड जोन पर दोनों देशों की सीमा को पार किया था। जिसके बाद वॉर्निंग देने के लिए साउथ कोरिया की सेना ने फायरिंग की थी। इस दौरान नॉर्थ कोरिया के सैनिक वापस लौट गए थे।

पाकिस्तान सरकार ने इमरान खान की पार्टी को चेताया, राष्ट्र विरोधी गतिविधि बंद करें

एजेंसी

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी से 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियां एवं दुष्प्रचार' को बंद करने की अपील करते हुए सरकार ने चेतावनी दी है कि वह मित्र देशों के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) विदेशों में जिस तरह पाकिस्तान विरोधी गतिविधि चला रही है, पूर्व में वैसी कोई मिसाल नहीं मिलती। उन्होंने कहा, पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश है और किसी दूसरे देश से वह निर्देश नहीं लेता। हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद से विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामीकारक अभियान शुरू हो गया है, जिसने पाकिस्तान विरोधी दुष्प्रचार को बढ़ावा दिया है। मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने दूसरे देशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान को बढ़ावा देने के लिए लामबंदी करने वालों और जनसंपर्क कंपनियों को काम पर रखा है। इसके साथ ही पार्टी को चेतावनी दी कि सरकार मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर देश विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। खबर में कहा गया है कि प्रवक्ता ने पीटीआई से आग्रह किया कि वह अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और दुष्प्रचार को छोड़ दे तथा वैश्विक मंचों पर देश के हितों को नुकसान पहुंचाने के बजाय समाधान पर विचार करने के लिए राजनीतिक मुद्दों पर सरकार के साथ बातचीत करे।

न्यूजीलैंड में उड़ान के दौरान विमान के इंजन में लग गई आग, यात्रियों में मची खलबली

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में एक यात्री विमान के इंजन में आग लगने के बाद हवाई जहाज को एक हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। विमान के इंजन में आग लगने से यात्रियों में खलबली मच गई। अग्निशमन विभाग ने यह जानकारी दी।

ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न के लिए उड़ान भरने वाले वर्जिन ऑस्ट्रेलिया बोइंग 737-800 जेट विमान को आग लगने के कारण मार्ग बदलना पड़ा और हवाई जहाज को न्यूजीलैंड के इन्वरकार्गिल शहर में उतारा गया।

न्यूजीलैंड के अग्निशमन एवं आपात विभाग के पाली पर्यवेक्षक लिन क्रॉसन ने बताया कि क्वीन्सटाउन से उड़ान भरने के करीब 50 मिनट बाद विमान को इन्वरकार्गिल उतारा गया, जहां दमकल की गाड़ियों ने आग बुझाई। क्वीन्सटाउन हवाई अड्डे की प्रवक्ता कैथरीन निंड ने बताया कि इंजन में आग लगने का कारण और विमान में सवार यात्रियों की संख्या का तुरंत पता नहीं चल पाया है। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने ईमेल के जरिए बयान जारी कर बताया कि यह दुर्घटना संभवतः पक्षी के टकरा जाने के कारण हुई होगी।

चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने ऑस्ट्रेलिया के साथ मतभेदों का उचित समाधान निकालने पर जताई सहमति

एजेंसी

मेलबर्न। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ दोनों देशों के बीच मतभेदों का 'उचित तरीके से समाधान निकालने' पर सहमति जताई है। ऑस्ट्रेलिया और चीन ऐसे दौर से उबर रहे हैं, जिसमें मंत्रियों के बीच संपर्क पर प्रतिबंध था और व्यापार बाधाओं के कारण ऑस्ट्रेलियाई निर्यातकों को प्रति वर्ष 20 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का नुकसान हो रहा था।

ली कियांग, अल्बनीज और दोनों देशों के वरिष्ठ मंत्रियों ने ऑस्ट्रेलिया के संसद भवन में मुलाकात की और व्यापार बाधाओं, अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच संघर्ष तथा सहित कई जटिल मुद्दों पर चर्चा की। ली शनिवार को एडिलेड और रविवार को राष्ट्रीय राजधानी कैनबरा पहुंचे। यह सात वर्षों में किसी चीनी प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रेलिया की पहली आधिकारिक यात्रा है। ली, राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बाद चीन के सबसे वरिष्ठ नेता हैं।

ली ने मुलाकात के बाद संवाददाताओं को बताया, 'द्विपक्षीय संबंध सतत सुधार और विकास के सही रास्ते पर हैं।' ली ने कहा, 'हमने कुछ मतभेदों और असहमतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप इन मतभेदों को उचित तरीके से सुलझाने पर सहमति बनी है। ' अल्बनीज ने चर्चा को 'रचनात्मक' करार दिया। अल्बनीज ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया इस बात की वकालत करता है कि हम सभी को क्षेत्रीय संतुलन को बढ़ावा देने के लिए इस तरह मिलकर काम करना चाहिए, जहां कोई भी देश हावी न हो और किसी भी देश का वर्चस्व न हो। उन्होंने कहा, 'मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि अलग-अलग इतिहास, राजनीतिक व्यवस्था और मूल्यों वाले राष्ट्रों के रूप में, जहां तक संभव होगा हम चीन के साथ सहयोग करेंगे, जहां आवश्यक होगा असहमति जाहिर करेंगे और राष्ट्र हित में फैसले लेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में नौ साल तक कंजर्वेटिव सरकार के सत्ता में रहने के बाद 2022 में अल्बनीज की मध्य-वामपंथी लेबर पार्टी के सत्ता में आने के समय से से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

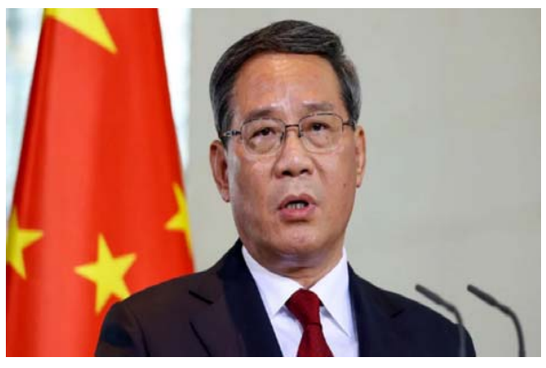

चारा खाने पर काट दिया ऊंट का पैर, छह आरोपी गिरफ्तार, दुबई से कृत्रिम पैर मंगाने की तैयारी

एजेंसी

वेलिंगटन। घटना बीते सप्ताह की है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के संघर जिले के मुंड जमराव गांव में ऊंट का दाहिना पैर काटने के बाद रुस्तम शार और उसके पांच नौकरों ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर पोस्ट होने के बाद पशु अधिकार संगठनों और लोगों ने जमकर विरोध किया। आलोचना और विरोध के बीच लोगों ने सरकारी से जमींदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। ऊंट के मालिक किसान सूमर बेहन ने मामले की जानकारी तब तक पुलिस को नहीं दी जब कि मामला सोशल मीडिया पर प्रकाश में नहीं आया, जब तक विरोध शुरू नहीं हो गया। विरोध शुरू होन के बाद अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह के निर्देश पर आश्रय स्थल का दौरा किया गया। उसके बाद पशुधन सचिव काजिम जाटो ने बताया, 'ऊंट को तुरंत कराची में व्यापक आपदा प्रतिक्रिया सेवा (सीडीआरएस) पशु आश्रय स्थल में ले जाया गया। ऊंट के लिए दुबई से कृत्रिम पैर मंगवाया गया है।

सचिव ने बताया कि सिंध सरकार ने पशु के उपचार का खर्च उठाने का वादा किया है। वहीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी दुबई से ऊंट के लिए कृत्रिम पैर की व्यवस्था कर रहे हैं। जाटोई ने कहा कि ऊंट का पैर ठीक हो रहा है। उसके उपचार में अगले चरण के लिए मंगलवार को उसका एक्स-रे किया जाएगा। सीडीआरएस बेनजी निदेशक सारा जहांगीर ने कहा कि आश्रय स्थल के कर्मचारियों ने ऊंट को प्यार से कैमी नाम दिया गया। उसको संक्रमण का खतरा लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा, ÷वह स्थिर है, लेकिन उसका पैर संक्रमित है।÷ 'उपचार में ड्रेसिंग, एंटीबायोटिक्स और IV द्रव लगाना शामिल है। संक्रमण को दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि किसान ने अपराधी की पहचान करने और उसके खिलाफ आरोप लगाने से इनकार कर दिया। इसलिए राज्य की ओर से छह अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

ड्रैगन ने की जी7 की आलोचना, शिखर सम्मेलन के नेताओं पर लगाया चीन को बदनाम करने का आरोप

एजेंसी

बीजिंग।चीन ने इटली में हुए जी 7 शिखर सम्मेलन की आलोचना की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने जी 7 देशों पर ड्रैगन (चीन) से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल कर चीन को ही बदनाम करने का आरोप लगाया। जी7 शिखर सम्मेलन में चीन के बयान को लेकर लिन जियान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। लिन जियान ने कहा, जी 7 सम्मेलन में नेताओं ने चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल निंदा करने और चीन पर हमला करने के लिए किया। उन्हीं झूठे आरोपों का इस्तेमाल किया गया, जिसका कोई आधार नहीं है। यह केवल झूठ से भरे हुए हैं। उन्होंने जी 7 की आलोचना करते हुए कहा, यह दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इन सात देशों में दुनिया की केवल 10 प्रतिशत आबादी रहती है। इन सभी तो एक साथ लाया जाए तो भी ये वैश्विक आर्थिक विकास में चीन से कम योगदान देते हैं।चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, जी 7 लंबे समय से अपने लक्ष्य से भटका हुआ है। यह अमेरिका और पश्चिमी देशों के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए एक राजनीतिक टूल बन गया है। यह अपने नियम और फैसले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर अंतरराष्ट्रीय नियम के उद्देश्य और सिद्धांत से ऊपर रखता है। लिन जियान ने जी-7 पर सैन्य युद्धाभ्यास और क्षेत्रीय हस्तक्षेप के माध्यम से तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। विशेष ग्रुप बनाकर विभिन्न गुटों को भड़काता है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करती है।

पूर्व पीएम थकसिन पर चलेगा शाही परिवार को बदनाम करने का केस, 2006 में तख्तापलट से हुए थे बाहर

एजेंसी

मेलबर्न। 18 साल पहले थाईलैंड की राजनीति से बेदखल किए पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिनावात्रा आज भी देश में एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती है। दरअसल थकसिन शिनावात्रा को थाईलैंड का सबसे सफल चुना हुआ नेता माना जाता है। तख्तापलट के जरिए सत्ता से बाहर किए जाने के बाद उनपर प्रतिबंध भी लगाया गया था। वहीं थकसिन ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया था।

थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने का आरोप

पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा पर थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने के आरोप में मंगलवार को औपचारिक रूप से केस दर्ज कराया गया है। जो देश की राजनीति को अस्थिर करने वाले कई अदालती मामलों में से एक है। अटॉर्नी जनरल कार्यालय के प्रवक्ता प्रयुथ बेजरागुना ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि थकसिन ने सुबह नौ बजे से कुछ मिनट पहले अभियोजकों के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अभियोग प्रक्रिया पूरी की गई। माना जा रहा है कि थकसिन एक कार में सवार होकर बैंकॉक के अपराध न्यायालय पहुंचे।

न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने को तैयार शिवनात्रा

हालांकि, थकसिन शिवनात्रा ने इस दौरान संवाददाताओं से नहीं मिले और ये भी स्पष्ट नहीं है कि वो न्यायालय गए थे या पास के अभियोजक कार्यालय में गए। उनके वकील विन्यात चैतमोंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि थकसिन न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं और उन्होंने जमानत पर रिहाई के लिए अर्जी भी तैयार कर ली है। थाईलैंड में राजतंत्र को बदनाम करने के लिए बनाए गए कानून के तहत किसी भी शख्स को तीन से 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। इस कानून को लेसे मैजेस्टे के नाम से जाना जाता है और ये दुनिया के इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। फिलहाल थाईलैंड में सरकार के आलोचकों को सजा देने के लिए इस कानून का इस्तेमाल काफी बढ़ रहा है।18 साल पहले थाईलैंड की राजनीति से बेदखल किए पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिवनात्रा आज भी देश में एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती है। दरअसल थकसिन शिनावात्रा को थाईलैंड का सबसे सफल चुना हुआ नेता माना जाता है।

भारत-अमेरिका शिखर सम्मेलन की दूसरी बैठक में विचार मंथन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने रणनीतिक प्रौद्योगिकी पर अपनी साझीदारी को हिन्द प्रशांत क्षेत्र के भविष्य की सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण करार दिया है और ऐसी तकनीक के संयुक्त विकास तथा उत्पादन के साथ-साथ प्रौद्योगिकी की सुरक्षा एवं व्यापार की नीति पर भी विचार मंथन किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन की संयुक्त रूप से अध्यक्षता में यहां हैदराबाद हाउस में क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी पर पहल (आईसीईटी) पर भारत-अमेरिका शिखर सम्मेलन की दूसरी बैठक में यह विचार मंथन हुआ। बैठक के बाद एक संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि जनवरी 2023 में आईसीईटी के लॉन्च के बाद से, भारत और अमेरिका ने अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर, उन्नत दूरसंचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा सहित प्रमुख प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग को गहरा करने और विस्तारित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। वक्तव्य में कहा गया कि हमारा काम यह सुनिश्चित करने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करना है कि प्रौद्योगिकी को हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और सार्वभौमिक मानवाधिकारों के सम्मान के अनुरूप

डिजाइन, विकसित और क्रियान्वित किया जाए, साथ ही साथ यह मान्यता भी दी जाए कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के भविष्य की सुरक्षा और समृद्धि भारत-अमेरिका की साझीदारी की मजबूती पर निर्भर करेगी। वक्तव्य में कहा गया कि दूसरी आईसीईटी बैठक के दौरान, दोनों एनएसए ने हमारी रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझीदारी के अगले चरण के लिए दृष्टिकोण निर्धारित किया और हमारे सहयोग को प्राथमिकता वाले महत्वपूर्ण और उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करके सह-उत्पादन, सह-विकास और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) के प्रयासों पर बल देने की अपनी प्रतिबद्धता रेखांकित की। उन्होंने कहा कि हम एवं दुनिया भर में हमारे साझीदार समान विचारधारा वाले देशों के साथ नवाचार और समन्वय बढ़ाने में अग्रणी बने हुए हैं। भारतीय और अमेरिकी लोगों के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और लागत-प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करें। दोनों पक्षों ने सुरक्षा टूलकिट और संवेदनशील एवं दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों के असुरक्षित हाथों में जाने से रोकने के लिये कडे सुरक्षा उपायों का संकल्प लिया। उन्होंने आने वाले महीनों में द्विपक्षीय रणनीतिक व्यापार, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग में लंबे समय से चली आ रही बाधाओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की भी प्रतिबद्धता जताई। भारत और अमेरिका के विचारशील नेतृत्व द्वारा एकजुट होकर दोनों देशों के उद्योग समूहों एवं सीईओ को रणनीतिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहभागिता और निजी निवेश के लिए एक साथ आने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

प्रधान ने बालासाहब देवरस को अर्पित की श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सरसंघचालक बालासाहब देवरस की पुण्यतिथि के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री प्रधान ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के तृतीय सरसंघचालक परम श्रद्धेय बालासाहब देवरस जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्रोत्थान, समाज के उत्कर्ष और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए खुद को खपा देने वाले बालासाहब जी का जीवन और उनके संस्कार वर्तमान और भावी पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा व जनकल्याण के लिए प्रेरित करता रहेगा।'

बेटी की पिता ने की हत्या, गिरफ्तार

नई दिल्ली। कंझावला इलाके में जब सभी लोग फादर्स डे मना रहे थे, उसी दिन दिल्ली में एक पिता ने अपनी बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी। दरअसल रविवार रात करीब नौ बजे कंझावला इलाके में युवती की बेरहमी से हत्या किए जाने के मामले में खुलासा हुआ है। सामने आया कि हत्या करने वाला कोई और नहीं, बल्कि युवती का पिता ही था। घटना को लेकर पीसीआर कॉल मिलने के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो वहां करीब 22 वर्षीय युवती को मृत अवस्था में पाया, जिसके गले और पेट में गहरे चोट के निशान थे। पुलिस ने युवती के शव को संजय गांधी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया और मामले की जांच शुरू की। मामले को सुलझाने के लिए स्पेशल स्टाफ और कंझावला थाने की टीम गठित की गई। जिन्होंने सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और टेक्निकल सर्विलांस का भी सहारा लिया। जांच के दौरान सामने आया कि युवती को उसका पिता कैब से लेकर कंझावला आया था, जहां उसने बेटी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी थी।

रोहिणी जिले के डीसीपी डॉ गुरइकबाल सिंह सिद्धू ने बताया कि आरोपित पिता को पुलिस ने विभिन्न इलाकों से छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान नंद किशोर के रूप में की गई है, प्रेम नगर, किराड़ी में रहता था और कांच की फिटिंग का काम करता है। युवती परिवार की मर्जी के खिलाफ अपनी पसंद के लड़के से शादी करना चाहती थी और इसी बात से नाराज पिता ने उसकी हत्या कर दी। फिलहाल आरोपित की गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि मामले में और किस-किस की भूमिका है।

क्राइम ब्रांच ने फरार आरोपित को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। अरोपित तीन साल पहले एम्स अस्पताल से फरार हो गया था। पुलिस हिरासत से करीब तीन साल पहले फरार हुए इस आरोपित को दिल्ली की एक कोर्ट ने भगोड़ा भी घोषित कर दिया था अब उसको क्राइम ब्रांच की टीम ने सेंट स्टीफन अस्पताल के पास से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान 42 साल के राधे श्याम के रूप में की गई है जिसके खिलाफ बलात्कार, धोखाधड़ी-जालसाजी और पुलिस हिरासत से भागने समेत पांच मामले दर्ज हैं। डीसीपी संजय कुमार सेन के मुताबिक आरोपित राधे श्याम 8 सितंबर 2021 को एम्स अस्पताल में ग्रेटर कैलाश पुलिसकर्मियों की हिरासत से फरार हो गया था। इसके खिलाफ हौज खास थाने, ग्रेटर कैलाश और कमला मार्केट थानों में पहले से एफआईआर दर्ज हैं जिस पर कोर्ट ने उसको भगोड़ा घोषित किया था। इसके फरार होने के बाद क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन और किडनैपिंग सेल की टीम लगातार तलाशी में जुटी हुई थी। इसको लेकर एसीपी/एईकेसी के इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह और सुशील कुमार की देखरेख में एसआई श्याम बिहारी शरण के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। पुलिस टीम को भगोड़ा आरोपित के बारे में कुछ इनपुट हासिल हुआ। इस पर काम करते हुए टीम ने तीस हजारी के पास सेंट स्टीफन अस्पताल के गेट नंबर 3 के पास से आरोपित को दबोच लिया।

भरभरा कर गिर गई मस्जिद

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के चूड़ीवाला इलाके में दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। जहां सड़क धंसने की वजह से एक मस्जिद अचानक भरभराकर गिर गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कुछ लोग मस्जिद से दूर खड़े होकर उसका वीडियो बना रहे हैं। तभी अचानक मस्जिद गिर जाती है, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच जाती है। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार करीब 10 साल पहले इस मस्जिद को बनाया गया था और ये संगमरमर की मस्जिद के नाम से जानी जाती थी। आज सुबह पुलिस को यह सूचना मिली कि मस्जिद के सामने सड़क धंस गई है। इसके बाद पुलिस ने आस-पास की दुकानों को खाली करवाया, जिससे बड़ा हादसा होने से रोका जा सके। दोपहर मस्जिद के सामने लोगों की भीड़ लगी थी। तभी अचानक ये मस्जिद भरभराकर गिर गई। गनीमत ये रही कि इसकी जद में कोई नहीं आया क्योंकि पुलिस ने पहले से ही आस-पास के इलाके को खाली करवा लिया था। अब पुलिस और प्रशासन इस बात की जांच में जुटा है कि सड़क कै धंसी।

सुलिवन ने मोदी से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी पर पहल (आईसीईटी) पर भारत-अमेरिका शिखर सम्मेलन की दूसरी बैठक में शामिल होने के लिए भारत की यात्रा पर आए श्री सुलिवन ने प्रधानमंत्री को द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों -विशेष रूप से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, दूरसंचार, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष जैसे महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों (आईसीईटी) पर पहल में प्रगति के बारे में जानकारी दी।

श्री मोदी ने भारत एवं अमेरिका के बीच सभी क्षेत्रों में बढ़ती द्विपक्षीय साझीदारी की गति और पैमाने और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों के मेल पर संतोष

व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने जी-7 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति जोसेफ आर बाइडेन के साथ अपनी सकारात्मक बातचीत को याद किया। प्रधानमंत्री ने वैश्विक कल्याण के लिए व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझीदारी को मजबूत करने तथा नए कार्यकाल में इसे और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भाजपा ने की महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड, जम्मू-कश्मीर के लिए चुनाव प्रभारियों की नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है।

पार्टी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चार राज्यों महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू कश्मीर के लिए प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है।

पार्टी के मुताबिक केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को महाराष्ट्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि श्री अश्विनी वैष्णव को सह प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह से हरियाणा के लिए श्री धर्मेंद्र प्रधान को प्रभारी और श्री विप्लव कुमार देव को सह

प्रभारी बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को झारखंड का प्रभारी बनाया गया है, जबकि श्री हिमंत विश्व शर्मा को सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए श्री जी किशन रेड्डी को प्रभारी नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा के पिछले चुनाव अक्टूबर 2019 में कराये गये थे, जबकि झारखंड में उसी साल नवंबर-दिसंबर में चुनाव

हुए थे। महाराष्ट्र में विस की 288, हरियाणा में 90 और झारखंड में 81 सीटें हैं। जम्मू-कश्मीर से संबंधित संविधान के अनुच्छे 370 और 35 ए को निरस्त किए जाने और राज्य को लद्दाख और जम्मू-कश्मीर नाम से दो केंद्र शासित प्रदेश में तब्दील किये जाने के बाद पहली बार विस चुनाव होने वाले हैं।

राहुल ने वायनाड सीट छोड़ी

वहां से प्रियंका लडेंगी चुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट छोड़ने की घोषणा की और कहा कि वहां से पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ेंगी।

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के आवास पर पार्टी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, श्री गांधी, श्रीमती? वाड्रा और पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल उपस्थित थे। श्री गांधी ने पार्टी अध्यक्ष खड़गे और श्रीमती वाड्रा की उपस्थिति में मीडिया के समक्ष यह घोषणा करते हुए कहा कि उनके लिए यह निर्णय कोई आसान निर्णय नहीं

है। उन्होंने कहा कि उनका रायबरेली और वायनाड दोनों निर्वाचन क्षेत्र से भावानात्मक रिश्ता है और वह वायनाड का दौरा करते रहेंगे।

श्रीमती वाड्रा ने इस निर्णय पर खुशी जतायी है। श्री गांधी 18वीं लोकसभा के चुनाव में उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड सीट, दोनों जगहों पर चुनाव लड़े थे और दोनों सीटों पर विजयी हुए। नियम के अनुसार किसी व्यक्ति को एक समय में लोकसभा में किसी एक सीट का ही प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सकता है।

उन्होंने कहा, मेरा रायबरेली और वायनाड से भावनात्मक जुड़ाव है, पिछले पांच सालों से मैं वायनाड का सांसद था और वायनाड के सभी लोगों, हर पार्टी के लोगों ने प्यार दिया उसके लिए मैं दिल से धन्यवाद करता हूं और पूरी जिंदगी उसको याद रखूंगा।

मोदी ने सिरिल रामफोसा को पुन: राष्ट्रपति चुने जाने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार दूसरी बार दक्षिण अफ्रीका का राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर सिरिल रामफोसा को बधाई दी और भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई।

दक्षिण अफ्रीका में दो सप्ताह पहले हुए आम चुनाव में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) को 40 प्रतिशत मत हासिल हुए, इसके बावजूद देश की संसद ने पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए सिरिल रामफोसा को राष्ट्रपति चुन लिया। माना जा रहा है कि रामफोसा शपथ ग्रहण के बाद अपने नए मंत्रिमंडल की घोषणा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक

पोस्ट में कहा, ''दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में पुनर्निर्वाचित होने पर सिरिल रामाफोसा को मैं हार्दिक बधाई देता हूं। मैं भारत-दक्षिण अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए आपके साथ काम करने की आशा करता हूं।''

राहुल गांधी ने रेल हादसा पर दुख जताया, सरकार को दोषी ठहराया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में हुये रेल हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा है कि यह दुर्घटना 'मोदी सरकार के कुप्रबंधन और उपेक्षा का नतीजा है।'

श्री गांधी ने सरकार से मांग की है कि इस दुर्घटना से पीड़ित परिवारों को पूरी क्षतिपूर्ति का भुगतान तुरंत दिया जाना चाहिये। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष तथा वायनाड और रायबरेली लोक सभा क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ÷पश्चिम बंगाल में कंचनजंघा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने से कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शोकाकुल परिजनों को मैं अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं।'

उन्होंने इसी पोस्ट में लिखा, 'सरकार को सभी पीड़ितों या उनके परिवारों को तुरंत पूरा मुआवजा देना चाहिए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि राहत और बचाव प्रयासों में

हर संभव सहायता प्रदान करें। विगत 10 वर्षों में रेल दुर्घटनाओं में हुई वृद्धि सीधा-सीधा मोदी सरकार के कुप्रबंधन और उपेक्षा का नतीजा है, जिसमें आए दिन यात्रियों के जान-माल का नुकसान होता है। आज की दुर्घटना इसी वास्तविकता का एक और उदाहरण है- एक ज़िम्मेदार विपक्ष के रूप में हम इस भयावह नजरंदाज़ी पर सवाल उठाते रहेंगे और मोदी सरकार को इन दुर्घटनाओं पर जवाबदेह बना कर रहेंगे। गौरतलब है कि अगरतला से न्यूजलपाईगुड़ी आ रही कंचनजंघा एक्सप्रेस को एक कंटेनर मालगाड़ी ने पीछे से तेज रफ्तार से टक्कर मार दी, जिसमें आठ लोगों की मृत्यु हो गयी और करीब 25 लोग घायल हुये हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दुर्घटना में मारे गये यात्रियों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल तथा मामूली रूप से घायल यात्रियों को क्रमशः 2.5-2.5 लाख रुपये और 50-50 हजार रुपये की बढ़ी हुयी अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

टी/ए 912 के अनुसार लोको पायलट को सामान्य गति से रेड सिग्नल पार करना अनिवार्य नहीं

नई दिल्ली। रेलवे ने कंचनजंगा एक्सप्रेस से टकराने वाली मालगाड़ी के लोको पायलट को टी/ए 912 नामक लिखित प्राधिकरण जारी किये जाने के संबंध में स्पष्टीकरण दिया है और कहा है कि यह कहना उचित नहीं है कि टी/ए 912 के अनुसार लोको पायलट को सामान्य गति से रेड सिग्नल पार करना अनिवार्य है।

रेलवे ने कहा, ÷रेलवे नियमों के अनुसार जब किसी लोको पायलट को टी/ए 912 नामक लिखित प्राधिकरण दिया जाता है और उसे रेड सिग्नल पार करना होता है तो उसे 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सिग्नल के पास जाना होता है। साथ ही ट्रेन को सिग्नल के पीछे जितना संभव हो सके उतना करीब लाना होता है। सिग्नल पर दिन के समय 01 मिनट और रात के समय 02 मिनट तक रुकना होता है और फिर 10 किमी प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ना होता है।

रेलवे के अनुसार सिग्नल पार करने के बाद लोको पायलट को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी ट्रेन और पिछली ट्रेन या लाइन पर किसी भी अवरोध के बीच कम से कम 150 मीटर या दो स्पष्ट ओएचई स्पैन की दूरी बनी रहे।

रेलवे ने कहा कि यह कहना गलत है कि टी/ए 912 के अनुसार लोको पायलट को सामान्य गति से रेड सिग्नल पार करना अनिवार्य है।

उल्लेखनीय है कि कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना के संबंध में एक मीडिया ने खबर प्रकाशित की थी कि दुर्घटना में मालगाड़ी के चालक की कोई गलती नहीं थी। रिपोर्ट में रेलवे के सूत्र के हवाले से दावा किया गया था कि रानीपात्रा के स्टेशन मास्टर द्वारा मालगाड़ी के चालक को टीए 912 नामक एक लिखित प्राधिकरण जारी किया गया था, जिसमें उसे सभी लाल सिग्नल पार करने का अधिकार दिया गया था।

दिल्ली में जल संकट पर सड़कों पर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली में गहराते जल संकट को लेकर भाजपा ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा इस जल संकट को केजरीवाल सरकार की लापरवाही और जल बोर्ड का भ्रष्टाचार करार दे रही है। इसी कड़ी में भाजपा के सभी सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने कहा, केजरीवाल सरकार की लापरवाही के कारण दिल्ली में पानी की किल्लत हो रही है। भाजपा जनता की आवाज बनकर सड़कों पर उतरी है। दिल्ली की भ्रष्ट केजरीवाल सरकार की वजह से पानी की कमी हुई है। मोती नगर विधानसभा क्षेत्र में नई दिल्ली से भाजपा नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्य बांसुरी स्वराज के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर अरविंद केजरीवाल की इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। यही नहीं भाजपा के सभी सातों सांसद अपने-अपने क्षेत्र में विधायकों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं लक्ष्मी नगर चौक पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दुर्गापुरी चौक पर सांसद मनोज तिवारी, संगम विहार में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, द्वारका में कमलजीत सहरावत, करोल बाग में योगेंद्र चंदोलिया, चांदनी चौक में प्रवीण शंकर कपूर प्रदर्शन में मौजूद रहे।

Name Change
I RAJESH KUMAR S/o RAMPHAL, Residing VPO: Rurkee, Rohtak - 124401 have changed my minor son name from DEV to DEV ATTRI for all future purposes.

Name Change
I, Navneet W/o Rakesh Kumar R/o RZG-85 Dev Kunj,Palam Delhi-110045 Have Change My Name From Navneet To Navneet Solanki For All Purpose

Name Change
I Mona Bajpai, W/O. Sharad Bajpai, Add.90/89 B, 3rd floor , block 90, Malviya Nagar new delhi-110017, have changed my name to Brij Bala Bajpai for all future purposes

Name Change
I, RITIKA W/o RAJESH KUMAR Residing VPO: Rurkee, Rohtak - 124401 have changed my name from RITIKA to KAVITA for all future purposes

Name Change
I, SANTOSH GOUCHWAL W/O SUKHBIR SINGH GOUCHWAL residing at H NO-23 HAUZ KHAS VILLAGE, DELHI -110016 have changed my name SANTOSH GOUCHWAL for all future purposes

Name Change
I MOHAMMAD KAYYUM S/O AHMAD HASAN R/O H.N0-1346 KHALAPAR, NAI ABADI, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH,-251002 INDIA HAVE CHANGE MY NAME TO QAYYUM FOR ALL PURPOSE.

Name Change
I, KAUSHAL KUMAR S/O BRIJESH KUMAR YADAV RESIDENT OF HOUSE NO.1479, GALI NO.21, BABA SURDAS COLONY, TILPAT, AMAR NAGAR, FARIDABAD, (HARYANA) have changed my name from KAUSHAL KUMAR TO KAUSHAL KUMAR YADAV for all future purpose.

Name Change
I, SUKHBIR S/O RAM KISHAN residing at H NO-23 HAUZ KHAS VILLAGE, DELHI -110016 have changed my name to SUKHBIR SINGH GOUCHWAL for all future purposes

Name Change
I Rachna D/O Nirmal Kumar house no 65 1st floor G- block Delhi - 110089 have changed My Name To Rachna Goyal For all Future Purposes.

Name Change
I Savita Gupta W/o Umesh Gupta R/o H .No 1289, Huda, Sector -12, Panipat 132103, Haryana . Have Changed the Name of Minor son Hitansh Gupta age 12 years old and he shall hereafter be known as Harshwardhan Gupta.

Name Change
I, SANTOSH DEVI W/o PREET MOHANDER Residing H.No. 998, Rajiv Gandhi Stadium Road, New Vishal Nagar, Rohtak - 124001 have changed my name from SANTOSH DEVI to SANTOSH for all future purposes

Name Change
I Saurabh Jain S/o Pradeep Jain R/o 302 Street No -8 Palam colony, South West Delhi - 110045 Have changed the name of minor son Yiransh aged 2 years Old and He shall Hereafter be known as Yiransh Jain.

Name Change
I hitherto known as SRSWATI KUMARI alias GITA DEVI D/O RAMDARASH MATHO , W/O NAVAL KISHOR MAHTO parmanent adress- ward-3,kothai Rae, SITAMARHI, D.kala, BIHAR,843315, Present adress -43A/1, Ground floor , munirka village, new Delhi-110067 have changed my name and shall hereafter be known as GITA DEVI.

Name Change
I, SUKHBIR GOUCHWAL S/O RAM KISHAN residing at H NO-23 HAUZ KHAS VILLAGE, DELHI -110016 have changed my name to SUKHBIR SINGH GOUCHWAL for all future purposes

Name Change
I, HARISH S/O NATHPAL HONDA RESIDENT OF HOUSE NO.384, GALI NO.20, BABA SURDAS COLONY, TILPAT, FARIDABAD, (HARYANA) have changed my name from HARISH TO HARISH HONDA for all future purpose.

Name Change
I Amit S/O Somnath Gaba R/O D - 5/153, Sangam Vihar, South Delhi - 110062 . Have Changed My Name To Amit Gaba For All Future Purposes.

Name Change
I, RAJESH S/o RAMPHAL Residing VPO: Rurkee, Rohtak - 124401 have changed my name from RAJESH to RAJESH KUMAR for all future purposes

Name Change
It is for general information that I, MOHD SALEEM KHAN S/o MOHD YASEEN KHAN R/o H.No. C-32, Gali No-7, Chauhan Banger, Garhi Mendu, North East Delhi-110053 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as SAALIM and KHUSHNUMA in my minor son namely SAMEER KHAN aged 13 years in his school record. The actual name of mine and my wife are MOHD SALEEM KHAN and KHUSHNUMA BEGUM respectively.

PUBLIC NOTICE
It is for the general public information that my Client TEJ PAL S/O SH. BANGALI R/O 407, AMBEDKAR BASTI, R.K.PURAM, SECTOR-1, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110022, PRESENLTY AT VILLAGE & POST VAZIDPUR, TEHSIL BARAUT, DISTRICT BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250611, has debarred, disown and break down all the relationship from his son namely NARENDER KUMAR GAHLOT, from all our moveable and immoveable properties either self acquired or ancestral situated all over India due to theirs misconduct, disobedience and misbehavior attitude. My client will not be responsible in future for his acts or deeds which was done by him.
SUNIL KUMAR TOMER Advocate
Chamber No.396, Patiala House Courts, New Delhi-110001

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिले कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में रिक्त हुई राज्यसभा की एक सीट के लिए लॉबिंग शुरू हो गई है। भाजपा ने इस सीट से अभी किसी प्रत्याशी का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात हुई। उसके बाद सूबे के सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हरियाणा में कांग्रेस के कोटे से राज्यसभा की एक सीट खाली हुई है। इस सीट पर पहले दीपेंद्र हुड्डा राज्य सभा के सदस्य थे। दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद यह सीट रिक्त हुई है। विधानसभा में विधायकों की संख्या के अनुसार अब यह सीट भाजपा के खाते में जाएगी। भाजपा में राज्य सभा सदस्य बनने के कई दावेदार हैं। सबसे पहले कुलदीप बिश्नोई का नाम आगे आया है। कुलदीप बिश्नोई लोकसभा चुनाव के दौरान हिसार सीट से प्रबल दावेदार थे। भाजपा ने उनकी बजाय इस सीट से रणजीत चौटाला को चुनाव मैदान में उतार दिया था। रणजीत चौटाला को टिकट मिलने से कुलदीप बिश्नोई तथा उनके विधायक बेटे भव्य बिश्नोई लगातार नाराज चल रहे हैं। अब राज्यसभा चुनाव का बिगुल बजते ही कुलदीप बिश्नोई सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने अपनी पत्नी एवं पूर्व विधायक रेणुका बिश्नोई के साथ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात की।

खेल विश्वविद्यालय के अधीन रहेगा राई स्पोर्टस स्कूल

चंडीगढ़। हरियाणा के प्रतिष्ठित मोतीलाल नेहरू खेल विद्यालय में वेब सीरीज शूटिंग के विवाद पर सरकार ने फैसला किया है कि खेल विद्यालय राई को हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक नियंत्रण में रखा जाएगा। एसयूएच के कुलपति अशोक कुमार को इस विद्यालय में प्रशासनिक नियंत्रक बना दिया गया है। सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। मोतीलाल नेहरू स्पोर्टस स्कूल पिछले काफी समय से एक विवादित वेब सीरीज की शूटिंग और छात्रों की संख्या में भारी कमी के कारण सुर्खियों में है। जिसके चलते सरकार ने यह फैसला लिया है। कुलपति सभी प्रशासनिक मामलों में स्कूल के प्रिंसिपल के रिपोर्टिंग और नियंत्रण अधिकारी होंगे। सरकार ने अपने आदेश में कहा गया है कि कुलपति के पास एमएनएसएस के प्रिंसिपल की सभी छुट्टियां, दौरा कार्यक्रम मंजूर करने और प्रिंसिपल की एसीआर दर्ज करने का अधिकार होगा।

राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने एचसीएस भर्ती पर सरकार को घेरा

कैथल। हरियाणा के कैथल पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एचसीएस भर्ती पर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने एचसीएस भर्ती में एससी-बीसी वर्ग के युवाओं को वंचित रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लगता है राज्य के बाहर के कैंडिडेट को भर्ती करने के लिए कुछ गड़बड़ी की गई है। सुरजेवाला ने कैथल में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2023 में एचसीएस भर्ती में 121 पदों पर नियुक्ति का विज्ञापन दिया। इसमें 87 हजार अभ्यर्थियों ने अप्लाई किया। इसके बाद 1,706 अभ्यर्थियों ने एचसीएस मेन एग्ज़ाम पास किया। इसके बाद 275 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। सुरजेवाला ने कहा कि 14 जून को उपरोक्त 275 अभ्यर्थियों के अंक जारी कर दिए गए, पर आज तक सिलेक्ट हुए एचसीएस अधिकारियों की सूची व संख्या नहीं बताई जा रही।

मजबूती से प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों से लड़ेगी की चुनाव

सिरसा। जेजेपी जल्द प्रदेश में अपना मजबूत संगठन तैयार करेगी। हरियाणा में एक सप्ताह के अंदर कार्यकारिणी का गठन कर लिया जाएगा। यह संगठन प्रदेश की भविष्य की लड़ाई लडने में पूर्ण रूप से सक्षम होगा। संगठन को प्रभावी बनाने के लिए निष्ठावान व मेहनती कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाएगा। यह बात जेजेपी के पूर्व प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने यहां कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए कही।

दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के विरोध के चलते हरियाणा में जननायक जनता पार्टी को नुकसान पहुंचा है यही कारण रहा है कि इन चुनावों में भाजपा के साथ- साथ जननायक जनता पार्टी को भी विरोध झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए जेजेपी पूरी तरह से तैयार है और जेजेपी नेता व कार्यकर्ता प्रदेशस्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। चौटाला ने कहा कि किसी वजह से कोई नाराज कार्यकर्ता है तो उन्हें मान-सम्मान के साथ उनकी गलतफेमियां दूर करके उन्हें मनाया जाएगा।

हरियाणा में स्थापित होगी 800 मेगावाट की अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर यूनिट : मुख्यमंत्री नायब सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश ने बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर एक अन्य महत्वपूर्ण कदम बढ़ा लिया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने राजीव गाँधी थर्मल पावर प्लांट, खेदड़, हिसार में 7250 करोड रुपए की लागत से 800 मेगावाट की अतिरिक्त अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर यूनिट स्थापित करने की घोषणा की। इससे हरियाणा प्रदेश बिजली उत्पादन के मामले में शीघ्र ही आत्मनिर्भर हो सकेगा।

'मुफ्त बिजली योजना' के तहत आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में हरियाणा में अतिरिक्त अनुदान स्कीम का आरंभ करते हुए उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

बिजली का मंथली मिनिमम चार्ज खत्म, जितनी यूनिट की खपत-उतना ही होगा बिल

मुख्यमंत्री ने एक अन्य महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बिजली का मंथली मिनिमम चार्ज खत्म करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब से प्रदेश के लोग बिजली की जितनी यूनिट खर्च करेंगे उतना ही बिल आएगा ताकि बिजली उपभोक्ताओं को राहत प्रदान की जा सके।

सोलर रूफ टॉप प्लांट का सारा खर्च डबल इंजन सरकार करेगी वहन

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोगों को 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के शुभारंभ अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि इस योजना से 1,80,000 रुपए से कम आय वाले गरीब परिवारों को रूफ टॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए

?60,000 की सब्सिडी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगुवाई में केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी जबकि ?50,000 की सब्सिडी राज्य सरकार प्रदान करेगी। हालांकि योजना के तहत रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने पर ?1,10,000 खर्चा आएगा लेकिन उपभोक्ता को अपने जेब से कुछ भी खर्च नहीं करना पड़ेगा। इसी प्रकार, 1,80,000 रुपए से 3 लाख रुपए तक की आय वाले परिवारों को केंद्र सरकार द्वारा ?60,000 सब्सिडी और 20,000 की सब्सिडी राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना को शुरू करने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2024 को अयोध्या की पवित्र भूमि से लिया गया था। आज इस योजना को हरियाणा प्रदेश में अमलीजामा पहनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस योजना के माध्यम से एक करोड़ घरों पर सोलर रूफ टॉप प्लांट स्थापित करने का निर्णय लिया है और यह योजना पहले आओ-पहले पाओ के सिद्धांत पर है अर्थात जो पात्र व्यक्ति योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर पहले रजिस्टर्ड करेगा उसे योजना का लाभ सबसे पहले मिलेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की सोच है कि पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का उदय कैसे हो, उसे किस प्रकार मजबूत बनाया जाए। पिछले 10 वर्षों में नरेंद्र मोदी जी ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब को सशक्त बनाकर उन्हें गरीबी से बाहर निकालने का काम किया है।

इस दौरान 25 करोड़ गरीब परिवारों को योजनाबद्ध तरीके से गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। आज से प्रदेश में शुरू की गई 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के माध्यम से भी गरीब व्यक्ति को मजबूत करने का कार्य नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया है। प्रधानमंत्री की इस परिकल्पना को शत प्रतिशत धरातल पर उतारने का काम यह डबल इंजन की सरकार कर रही है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी : नायब सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश के अंदर लोगों ने मन बना लिया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी।मुख्यमंत्री नायब सिंह आज कुरुक्षेत्र में आयोजित एक समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व हरियाणा में साढे 9 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने जबरदस्त काम किए है। योजनाबद्ध तरीके से आमजन के हितों को सुरक्षित करते हुए उन्हें मजबूत करने का काम किया है। आज प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है कि हरियाणा में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस से ज्यादा वोट हासिल किए है। पिछले लोकसभा चुनाव की अपेक्षा इस लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का वोट प्रतिशत बढ़ा है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने झूठ बोलकर लोगों के बीच यह भ्रम फैलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते है तो संविधान और आरक्षण को समाप्त कर देंगे। उन्होंने संविधान और आरक्षण के नाम पर झूठा भ्रम फैलाकर वोट हासिल करने का काम किया है। नायब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में संविधान के अनुरूप देश को चलाने का काम किया और देश को निरंतर आगे ले जा रहे है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने योग्य युवाओं को नौकरी से वंचित रखा, नौकरियों के नाम पर भ्रष्टाचार का बोल बाला रखा। किसानों की जो जमीन थी उसे कौड़ियों के भाव खरीद कर उद्योगपतियों को दिया। वर्तमान सरकार ने योग्य उम्मीदवारों को उनकी योग्यता अनुरूप बिना खर्ची बिना पर्ची व सिफारिश के नौकरी उपलब्ध करवाई। नौकरी के नाम पर जो मंडिया सजती थी उसे बंद करने का काम किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि वे श्वेत पत्र जारी करें कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कितनी नौकरियां कैसे दी है वह सबके सामने है। भाजपा ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में बिना पर्ची खर्ची के कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा नौकरियां देने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा आगामी 90 दिन की रूप रेखा तैयार कर ली गई है। इन 90 दिनों में आमजन के लिए हर रोज कोई ना कोई नई योजना या अन्य लोकहित के कार्य करते हुए उन्हें मजबूत करने का काम किया जाएगा। करनाल लोकसभा व विधानसभा में कमल का फूल खिलाने के लिए उन्होंने वहां की जनता का विशेष तौर पर आभार भी व्यक्त किया।

भाजपा ने विस चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री प्रधान को बनाया हरियाणा का प्रभारी

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए अपनी कमर कसना शुरू कर दिया है। देश के अन्य चार राज्यों के साथ हरियाणा में भी प्रभारी व सह प्रभारी की तैनाती कर दी है। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के इंचार्ज की जिम्मेदारी केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सौंपी गई है। प्रधान के साथ त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद बिप्लब कुमार देव को चुनाव सह-प्रभारी लगाया है।

देश में हरियाणा, महाराष्ट्र व झारखंड के साथ ही जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव जल्द होने वाले हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने चारों राज्यों में प्रभारी व सह प्रभारियों की नियुक्तियां कर दी हैं। हरियाणा राज्य में विधानसभा चुनाव के प्रभारी के रूप में केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नियुक्त किया है। इसके साथ ही त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद बिप्लब कुमार देव को राज्य में चुनाव के लिए सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। हरियाणा मामलों के प्रभारी बिप्लब कुमार देव पहले की तरह बने रहेंगे। भाजपा हाईकमान ने लोकसभा चुनाव के दौरान हरियाणा में चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी राजस्थान में भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया को सौंपी थी। भाजपा नेताओं की मानें तो पूनिया ने हरियाणा में चुनाव प्रभारी रहते हुए अच्छा काम किया। वे राजस्थान में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष भी रहे हैं। उनके साथ सुरेंद्र नागर को सह-प्रभारी बनाया गया था। अब विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने प्रभारी व सह-प्रभारी के लिए नये चेहरों को नियुक्त किया है।

बिप्लब कुमार देव बने रहेंगे पार्टी के प्रभारी

भूपेंद्र हुड्डा ने दिया धोखा, किरण-शैलजा ने पीठ में घोंपा छुरा : सतपाल सांगवान

एजेंसी

चरखी दादरी । हरियाणा की हुड्डा सरकार में मंत्री रह चुके और हाल में भी भाजपा का दामन थामने वाले सतपाल सांगवान ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस नेता किरण चौधरी और कुमारी शैलजा को निशाने पर लिया है। सतपाल सांगवान ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनके साथ धोखा किया। वहीं, किरण चौधरी और कुमारी शैलजा ने पीठ में छुरा घोंपने का काम किया। इसके बावजूद भी मैंने राजनीति में कभी हार नहीं मानी और अपनी वर्कर मीटिंग कर जलवा दिखाकर यह साबित कर दिया कि क्षेत्र में उनका जनाधार खिसका नहीं है। यही वजह है कि मैंने भाजपा का दामन थामकर क्षेत्र में विकास को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि चाहे फांसी लगवा दें, लेकिन सच्चाई ये है कि भूपेंद्र हुड्डा

दोस्ती का कच्चा नेता निकले। 2009 में भूपेंद्र हुड्डा की सरकार बनाने में हम पांच विधायकों ने अहम भूमिका निभाई थी और सरकार भी सही चली। उन विधायकों को हुड्डा ने टिकट देने की गारंटी दी थी लेकिन बाद में काट दिया। किरण चौधरी और कुमारी शैलजा पर चुनाव में टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि दादरी से ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया जो अपनी जमानत भी नहीं बचा पाया। दादरी में वर्कर मीटिंग कर मैंने अपने जनाधार का जलवा दिखाया था, इसके बाद भी भूपेंद्र हुड्डा ने मुझे इग्नोर किया तो मैं भाजपा में शामिल हो गया। किरण चौधरी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैं उन्हें हरियाणा की राजनीति में लेकर आया था। इसके बाद भी उन्होंने साथ नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा कि बुढ़ापे में भी मैंने हार नहीं मानी और जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर हूं, जनता चाहेगी तो विधानसभा का चुनाव लडूंगा।

एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए दो से तीन साल की इंटर्नशिप जरूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। विदेशों से एमबीबीएस की पढ़ाई करके लौटे हरियाणा के छात्रों को अब दो से तीन साल की इंटर्नशिप करने के बाद ही उन्हें डाक्टर का दर्जा मिल सकेगा। हरियाणा सरकार ने नेशनल मेडिकल कमीशन के इन आदेशों को राज्य में लागू कर दिया है। हरियाणा मेडिकल काउंसिल की ओर से जारी आदेश के मुताबिक बिना दो से तीन साल की इंटर्नशिप के विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई कर लौटे छात्रों को डाक्टर नहीं माना जा सकेगा। हरियाणा में मेडिकल की पढ़ाई बहुत अधिक महंगी है। इसे लेकर पिछले दिनों राज्य में बड़ा आंदोलन भी हो चुका है। इसलिए हरियाणा समेत देश के विभिन्न राज्यों से छात्र एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए रूस, चीन, यूक्रेन, किर्गिस्तान, फिलीपींस, जार्जिया, इजरायल और पोलैंड जाते हैं। इन देशों में पौने तीन लाख से 18 लाख रुपये तक में एमबीबीएस की पढ़ाई हो जाती है जबकि हरियाणा में औसत 15 से 20 लाख रुपये वार्षिक का खर्च आता है।भारत में पढ़ने वाले इंडियन मेडिकल ग्रेजुएट्स (आइएमजी) को फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (एफएमजीइ) की परीक्षा नहीं देनी होती। साथ ही उनकी इंटर्नशिप का पीरियड सिर्फ एक साल का होता है। भारत के बाहर से एमबीबीएस कर लौटे छात्रों को फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स यानी एफएमजी कहा जाता है। उन्हें लेकर नेशनल मेडिकल कमीशन ने पब्लिक नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि कई एफएमजी गलत तरीके से ऑनलाइन कक्षाओं के लिए अपने मूल विश्वविद्यालयों से कंपेनसेटरी सर्टिफिकेट ले रहे हैं। यह पेशा बहुमूल्य मानव जीवन से जुड़ा है, इसलिए उनके जीवन को कम दक्ष लोगों के हाथों में दांव पर नहीं लगाया जा सकता। इसलिए अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड (यूजीएमइबी) ने निर्णय लिया है कि अब से ऑफलाइन प्रैक्टिकल्स या क्लीनिकल ट्रेनिंग की जगह ऑनलाइन क्लासेज करके हासिल किए गए सर्टिफिकेट को स्वीकार नहीं किया जाएगा। नेशनल मेडिकल कमीशन की तर्ज पर ठीक ऐसे ही आदेश हरियाणा मेडिकल काउंसिल ने जारी किए हैं, जिसमें कहा गया है कि जिन फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स ने अपने पाठ्यक्रम पूरा करने के दौरान किसी भी अवधि के लिए अपनी कक्षाओं में आनलाइन भाग लिया है, उन्हें एफएमजी परीक्षा पास करने और उसके बाद दो से तीन साल की अवधि के लिए अनिवार्य रोटेटिंग मेडिकल इंटर्नशिप यानी सीआरएमआई से गुजरना जरूरी है।

ई-स्वास्थ्य धाम एप से होगी चारधाम तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य की देखभाल

एजेंसी

जींद। चारधाम यात्रा पर देश व दुनिया से आने वाले तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य की देखभाल अब ई-स्वास्थ्य धाम करेगा। उत्तराखंड सरकार की ओर से पवित्र चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य की देखभाल और निगरानी प्रणालियों में सुधार के लिए ई-स्वास्थ्य धाम नाम से एप की शुरुआत की है। यह एप एक विशेष ऑनलाइन टूल हैए जिसे यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य स्थिति को ट्रैक करने के लिए लांच किया गया है।

ई-स्वास्थ्य धाम एप वर्तमान में चार धाम पंजीकरण पोर्टल से निर्बाध रूप से जुड़ा हुआ है। प्रत्येक भक्त को इस एप पर पंजीकरण करना और अपना मेडिकल रिकॉर्ड अपलोड करना जरूरी है। उत्तराखंड का स्वास्थ्य विभाग पूरी तीर्थ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भलाई सुनिश्चित करने के लिए ऑन साइट स्वास्थ्य जांच सुविधा प्रदान करेगा। चार धाम यात्रा के पंजीकरण पोर्टल पर इस एप को रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से यात्रा मार्ग पर जगह.जगह स्वास्थ्य परीक्षण केंद्र बनाए गए हैंए जहां 50 वर्ष से अधिक आयु के श्रद्धालुओं की जांच

उत्तराखंड का स्वास्थ्य विभाग पूरी तीर्थ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भलाई सुनिश्चित करने के लिए ऑन साइट स्वास्थ्य जांच सुविधा प्रदान करेगा।

अनिवार्य की गई है। यदि श्रद्धालुओं की तरफ से अपनी बिल्कुल सही मेडिकल हिस्ट्री पंजीकरण के दौरान उपलब्ध कराई जाती है तो इससे प्रशासन को आपातकालीन स्थिति में श्रद्धालुओं को चिकित्सकीय सहायता पहुंचाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा यहां आने वाले श्रद्धालुओं को ठीक तथा सही समय पर इलाज भी मिल सकेगा तथा प्रशासन को भी अपने चिकित्सा संसाधनों को बेहतरीन प्रबंधन करने में आसानी

पहुंचाने के लिए एप को लगातार अपडेट भी किया जाएगा ताकि समय समय पर ठीक और अच्छी सुविधा यात्रियों को मिलती रहे। चार धाम यात्रा पर आने वाले सभी तीर्थ यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण लगातार किया जा रहा है ताकि किसी भी आपातकाल में यहां आने वाले तीर्थ यात्रियों को सही और समय पर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इसके लिए ये एप काफी सुविधाजनक हो सकता है।

ड्रग फ्री भारत, ड्रग फ्री हरियाणा पुलिस ने लोगों को किया जागरूक

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा पुलिस ने ड्रग फ्री भारत, ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत जागरूकता के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। पुलिस महानिदेशक हरियाणा शत्रुजीत कपूर के आदेशानुसार और पुलिस आयुक्त सोनीपत के निर्देशानुसार, यह अभियान 12 जून से 26 जून तक चलाया जा रहा है। बरोदा और राई थाना के थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर आमजन को नशामुक्ति का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि 12 से 26 जून तक नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत लोगों को नशीली दवाओं और पदार्थों के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के खतरों से बचाना और उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना है।नशा व्यक्ति के जीवन को बर्बाद कर देता है। परिवार प्रभावित होता है। यह अभियान युवाओं को खेलों से जोड़कर उन्हें आपराधिक गतिविधियों से दूर रखने में भी मदद करेगा। सभी से अपील की गई कि नशे का कारोबार करने वालों की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7419410578 पर या निकटतम थाने में दें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी और पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

चेयरमैन व उपायुक्त ने लिया योग दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा

एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप स्टेडियम में 21 जून को होने वाले राज्य स्तरीय 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के भव्य आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य ने जिला प्रशासन के अधिकारी व सभी सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों से बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए।

उपायुक्त ने हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य को अवगत करवाया कि विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों के शारीरिक शिक्षकों, खेल विभाग के योग शिक्षकों, अधिकारी, कर्मचारियों, एनसीसी कैडेट, एनएसएस स्वयंसेवक, विद्यार्थियों, जनसाधारण आदि को योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी कड़ी में 19 जून को राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए पायलट रिहर्सल आयोजित की जाएगी।उन्होंने बताया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय दिवस का कार्यक्रम गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप स्टेडियम के साथ-साथ मौसम खराब होने की स्थिति में द्वितीय विकल्प के रूप में कन्वेंशन संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम स्वयं तथा समाज के लिए योग रखा गया है।

हाल, फ्लेमिंगो टूरिस्ट रिजॉर्ट में भी आयोजित किया जाएगा। समारोह स्थल पर बड़ी-बड़ी एलईडी से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। कार्यक्रम में इंटरनेट की निर्बाध आपूर्ति रहे इसके लिए दो लीज लाइन भी लगाई जाएंगी।

उपायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि इस आयोजन की सफलता के लिए सभी अधिकारी समाज की विभिन्न संस्थाओं के साथ तालमेल स्थापित कर कार्य करें। आयुष विभाग हिसार द्वारा व जिले की सभी योग हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य ने बताया कि इस बार सरकार ने किसानों, दिव्यांगों, महिलाओं, सामाजिक संगठनों, व्यायाम शालाओं के योग साधकों, आयुष योग सहायकों की समुचित भागीदारी के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अपनी-अपनी विभागीय तैयारी समय रहते पूरा करना सुनिश्चित करें ताकि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस स्वास्थ्य सुधार की दिशा में सार्थक रूप से प्रेरणादायी और अनुकरणीय रहे।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष ने अधिकारियों की ली बैठक

एजेंसी

कैथल। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने कैथल का दौरा किया और लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कैथल में हाल ही में हुए एक सिख व्यक्ति पर हमले की निंदा की और पीड़ित व्यक्ति से भी मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को सभी समाज के लोगों के साथ समय-समय पर सद्भावना बैठक करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज में असहिष्णुता को बढ़ावा देती हैं और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आयोग ने घटना के तुरंत बाद हरियाणा के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस मामले की जांच करने और रिपोर्ट सबमिट करने के निर्देश दे दिए थे। उन्होंने जिला अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि ऐसे कदम उठाए जाएं। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो।उन्होंने सिख समाज के लोगों के साथ भी बैठक की और उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि राजनीति से ऊपर उठकर समाज की भलाई के लिए काम करें। इकबाल सिंह लालपुरा ने पुलिस विभाग से इस केस के बारे में अपडेट लिया। एसपी उपासना ने केस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में तुरंत एफआईआर करते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और डीएसपी की अगुवाई में एसआईटी भी इस मामले में जांच कर रही है। इस मौके पर एसपी उपासना, एडीसी सी.जया श्रद्धा, एसडीएम ब्रह्म प्रकाश, डीएसपी गुरविंद्र सिंह, सीएमओ डॉ. रेनु चावला, ईओ कुलदीप मलिक, एलडीएम एस.के. नंदा, कुशलपाल, रमणीक सिंह मान, शिव शंकर पाहवा, सुखविंद्र सिंह मौजूद रहे।

एयर इंडिया ने यात्री के खाने में 'ब्लेड' जैसी धातु का टुकड़ा मिलने की घटना की पुष्टि की

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया की अंतरराष्ट्रीय उड़ान में एक पैसेंजर के खाने में ब्लेड मिली। एयरलाइन ने एक यात्री को बेंगलुरु-सैन फ्रांसिस्को उड़ान के दौरान भोजन में कथित तौर पर ब्लेड जैसी धातु का टुकड़ा मिलने की पुष्टि घटना के एक हफ्ते के बाद की है।

एयरलाइन ने यात्री के खाने में 'ब्लेड' जैसी धातु होने की पुष्टि करते हुए कहा कि यह वस्तु उसके खानपान साझेदार की सुविधाओं में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन से आई थी। पैसेंजर ने खुद एक्स पोस्ट पर इस घटना के फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी थी। इस पोस्ट के बाद एयर इंडिया ने इसकी जांच के बाद बयान जारी कर पैसेंजर के खाने में ब्लेड मिलने की बात को स्वीकार किया और माफी मांगी है। उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया एयरलाइन की लंबी दूरी की उड़ानों में परोसे गए भोजन से जुड़ी यह दूसरी घटना है। इससे पहले शनिवार को एयरलाइन की नई दिल्ली-नेवार्क उड़ान के 'बिजनेस क्लास' के एक यात्री ने आरोप लगाया था कि उसे ''कच्चा'' भोजन परोसा और विमान की सीट गंदी थीं।

जिंदल स्टेनलेस ने क्रोमनी स्टील्स का किया पूर्ण अधिग्रहण

एजेंसी

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील निर्माता कंपनी जिंदल स्टेनलेस ने बेहतर समन्वय और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में क्रोमेनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड (सीएसपीएल) में शेष 46 प्रतिशत हिस्सेदारी का भी अधिग्रहण कर लिया है। अब यह कंपनी पूरी तरह से जिंदल स्टेनलेस की इकाई हो गयी है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस कदम से सीएसपीएल जिंदल स्टेनलेस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई है। इस अधिग्रहण में कुल 278 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है, जिसमें इक्विटी हस्तांतरण और शेयरधारकों के ऋण का भुगतान शामिल है। जिंदल स्टेनलेस ने पहले अप्रत्यक्ष अधिग्रहण सौदे के माध्यम से सीएसपीएल में 54 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी।

'निचले स्लैब के लोगों को आयकर में मिले राहत'; सीआईआई अध्यक्ष बोले- जारी रहे सरलीकरण की प्रक्रिया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के नए अध्यक्ष संजीव पुरी का मानना है कि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में निचले स्लैब के लोगों को आयकर में राहत मिलनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि महंगाई अब भी उच्च स्तर पर है। सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण मई में थोक महंगाई लगातार तीसरे महीने बढ़कर 15 महीने के उच्च स्तर 2.61 फीसदी पर पहुंच गई।?अच्छे मानसून की उम्मीद के कारण इस वर्ष खुदरा महंगाई की दर 4.5 फीसदी के आसपास रहने की उम्मीद है। पुरानी व्यवस्था में कर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपये तक की आय पर लागू होती है। नई व्यवस्था में यह 3 लाख रुपये तक की आय पर है। पुरी ने कहा, हमारा सुझाव है कि कर के मोर्चे पर सरलीकरण की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और दरों की बहुलता में कुछ परिचालन कठिनाइयां हैं। इनका सरलीकरण जरूरी है। पुरी ने कहा, सीमा शुल्क के मोर्चे पर हमें त्रिस्तरीय संरचना की ओर बढ़ना चाहिए। सबसे निचले स्तर पर प्राथमिक, बीच में मध्यवर्ती और फिर तैयार माल एवं कुछ समय की अवधि में अपवादों के साथ मध्यम दरें होनी चाहिए।

महिंद्रा लाइफस्पेस का 2027-28 तक 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य

नई दिल्ली। रियल्टी कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड ने मांग में तेजी के दम पर वित्त वर्ष 2027-28 तक अपनी आवासीय परिसंपत्तियों एवं औद्योगिक क्षेत्र की सालाना बिक्री को 8,000-10,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। मुंबई स्थित रियल एस्टेट कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में 2,698 करोड़ रुपये मूल्य की इकाइयों की बिक्री की थी जो वित्त वर्ष 2022-23 में 2,2668 करोड़ रुपये थी। महिंद्रा लाइफस्पेस ने एक निवेशक चर्चा के दौरान अपनी प्रस्तुति में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2027-28 तक अपनी इकाइयों की बिक्री का मूल्य 8,000-10,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य आवासीय इकाइयों और औद्योगिक पार्क में बिक्री से संबंधित है। महिंद्रा समूह की रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस जमीनें खरीदने के अलावा भूस्वामियों के साथ साझेदारी में आवासीय परियोजनाओं को विकसित कर रही है। इसके अलावा यह औद्योगिक पार्क के विकास से भी जुड़ी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ हल्की गिरावट के साथ 97.89 करोड़ रुपये रहा था। इसके एक साल पहले उसका शुद्ध लाभ 101.43 करोड़ रुपये रहा था।

आरबीआई ने गाजीपुर स्थित पूर्वांचल सहकारी बैंक का लाइसेंस किया रद्द

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित पूर्वांचल सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं होने के कारण यह कदम उठाया है। इस फैसले के बाद अब पूर्वांचल सहकारी बैंक के खाता धारक पैसा नहीं निकाल पाएंगे।

रिजर्व बैंक ने जारी एक बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के पंजीयक को बैंक को बंद करने को कहा है। साथ ही एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने को कहा गया है। आरबीआई के मुताबिक परिसमापन के तहत प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से केवल पांच लाख रुपये तक की अपनी जमा राशि पाने का हकदार होगा। आरबीआई ने कहा कि पूर्वांचल सहकारी बैंक के आंकड़ों के मुताबिक लगभग 99.51 फीसदी जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी

पूरी जमा राशि पाने के हकदार हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि डीआईसीजीसी ने 30 मई, 2024 तक बैंक के संबंधित जमाकर्ताओं से प्राप्त इच्छा के आधार पर कुल बीमाकृत जमा का 12.63 करोड़ रुपये का भुगतान पहले ही कर दिया है। उल्लेखनीय है कि पूर्वांचल सहकारी बैंक लिमिटेड की स्थापना 1989 में हुई थी। बैंक की जिला मुख्यालय स्थित मुख्य शाखा, शास्त्री नगर, कचहरी, महराजगंज, जंगीपुर, सैदपुर, शहीद नगर में हैं। बैंक नियामक को जांच में गंभीर वित्तीय अनियमितता मिली थी।

अमूल ने आइसक्रम से कनखजूरा मिलने की शिकायत के बाद जांच के लिए उत्पाद वापस मांगा

नई दिल्ली। अब अमूल के आइसक्रीम में कनखजूरा निकलने का मामला सामने आया है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद कंपनी ने नोएडा में रहने वाले उस महिला ग्राहक से आइसक्रीम का टब वापस करने का अनुरोध किया है, ताकि उसकी गहन जांच की जा सके। महिला ने दावा किया था कि उसे आइसक्रीम से कनखजूरा मिला है।

अमूल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा है कि वो इस मामले की पूरी जांच कराना चाहती हैं। नोएडा में महिला ग्राहक को हुई असुविधा पर खेद व्यक्त किया है। अमूल ब्रांड के तहत दुग्ध उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने अपने स्तर से जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि वह भारत और वैश्विक बाजारों में बेहतर गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। इस बीच नोएडा के खाद्य सुरक्षा विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि नोएडा में एक महिला ने दावा किया है कि उसने एक 'इंस्टेंट डिलीवरी एप' के जरिए आइसक्रीम मंगवाई थी, जिसके अंदर उसे एक कनखजूरा मिला है। दरअसल नोएडा निवासी दीपा देवी नाम की ग्राहक ने 15 जून को अपने बच्चों के लिए ब्लिंकिट से ऑनलाइन आइसक्रीम आर्डर की थी। उन्होंने अमूल कंपनी का वानिला मैजिक फ्लेवर आइस्क्रीम 195 रुपये की मंगवाई थी। आर्डर आने के बाद जब उन्होंने उसे खोलकर देखा तो उसके अंदर कनखजूरा रेंगता हुआ दिखाई दिया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय वित्त मंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यहां केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। हालांकि, इस

मुलाकात की विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिली है। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नाथ ब्लॉक कार्यालय में केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की है। ऐसा माना जा रहा है कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य राजस्थान को केंद्रीय बजट और योजनाओं में ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त कराना है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। इसका क्षेत्रफल 342,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक है। देश का 10.4 फीसदी भू-भाग राजस्थान में है, जो भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमी भाग में स्थित है।

भूटान में 570 मेगावट का हरित जलविद्युत संयंत्र लगाएगा अडाणी समूह

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी सूमह भूटान में 570 मेगावाट का हरित जलविद्युत संयंत्र लगाएगा। समूह के चेयमैन गौतम अडाणी ने 16 जून को थिम्पू में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे से मुलाकात की है। इस मुलाकात के उन्होंने भूटान के चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के ग्रीन हाइड्रो प्लांट के निर्माण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

गौतम अडाणी ने एक्स पर जारी बयान में कहा है कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे के साथ मुलाकात बहुत ही रोमांचक रही। चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के हरित जलविद्युत संयंत्र के लिए ड्रक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि भूटान के प्रधानमंत्री राजा के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे हैं और पूरे राज्य में व्यापक बुनियादी ढांचे की पहल कर रहे हैं। अडाणी ने लिखा है कि भूटान में हाइड्रो और अन्य बुनियादी ढांचे पर मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। कार्बन नेगेटिव नेशन के लिए इन पहलों और ग्रीन एनर्जी मैनेजमेंट पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं। गौरतलब है कि पिछले महीने श्रीलंका की सरकार ने गौतम अडाणी की अगुवाई वाली रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी के साथ देश में विंड पॉवर स्टेशन डेवलप करने की मंजूरी दी थी।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 83 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.27 डॉलर यानी 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 82.35 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.28 डॉलर यानी 0.36 फीसदी लुढ़ककर 78.14 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर बिक्री कर (केएसटी) में संशोधन किया था। इससे राज्य में पेट्रोल 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल 3.02 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। हालांकि, देश के अन्य शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

एफटीए के कारण यूएई से सोने और चांदी का आयात 210 फीसदी बढ़ा

एजेंसी

मुंबई । मुक्त कारोबार समझौते (एफटीए) के कारण भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोने-चांदी का आयात 2023-24 में 210 फीसदी बढ़कर 10.7 अरब डॉलर पहुंच गया।?2022-23 में यह 3.5 अरब डॉलर था।

सोने-चांदी के आयात में तेज वृद्धि मुख्य रूप से दोनों देशों के व्यापक इकनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) के तहत भारत की ओर से यूएई को दी गई शुल्क रियायतों की वजह से हुई है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, सोने और चांदी का आयात घटाने के लिए समझौते के तहत रियायती सीमा शुल्क दरों

में बदलाव की जरूरत है। भारत चांदी के आयात पर सात फीसदी सीमा शुल्क रियायत और 160 मीट्रिक टन सोने पर एक फीसदी रियायत देता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, भारत में सोने, चांदी और जूलरी पर 15 फीसदी का उच्च आयात शुल्क लगता है, जिसे घटाकर पांच फीसदी करना चाहिए।

कारोबारी घरानों में झगड़ों के बीच एकजुटता से आगे बढ़ रहा एस्सार समूह, दिवालिया कार्रवाई से उबरा

एजेंसी

नई दिल्ली। कारोबारी घरानों में मालिकाना हक को लेकर संस्थापकों में सार्वजनिक झगड़ों के बीच रुइया परिवार के नियंत्रण वाला एस्सार समूह एकजुटता से आगे बढ़ रहा है। रुइया परिवार की तीन पीढ़ियां संस्थापक भाई शशि व रवि रुइया, उनके बच्चे और पोते-पोतियां एक ही छत के नीचे रहकर संयुक्त रूप से कारोबारी साम्राज्य चलाते हैं।

पहली पीढ़ी के उद्यमी शशि व रवि रुइया ने 1969 में ऊर्जा, धातु, बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में कारोबार करने वाले समूह की स्थापना की थी। समूह के निवेश पोर्टफोलियो का प्रबंधन करने वाली एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने कहा, मजबूत पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए यह सुनिश्चित करना

जरूरी है कि परिवार के हर सदस्य को अपनी बात कहने और आगे बढ़ने का अवसर मिले। उन्होंने कहा, पारिवारिक परंपरा तेजी से खत्म हो रही है, लेकिन हमने इसे अब तक बनाए रखा है।

नए सिरे से खुद को खड़ा कर रहा समूह

दिवालिया कार्रवाई से उबरकर करीब दो लाख करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने के बाद एस्सार समूह अब खुद को नए सिरे से खड़ा कर रहा है। समूह का राजस्व 15 अरब डॉलर है। रुइया ने कहा, समूह की कर पूर्व आय के संदर्भ में हमारा 'रन रेट' एक अरब डॉलर है। समूह का वर्तमान मूल्यांकन करीब 8 अरब डॉलर है। समूह की 14 कंपनियां हैं, जिनमें निवेश बढ़ाया जा रहा है। इनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय हैं।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कैशलेस भुगतान में तेज उछाल, छह साल में 20.4फीसदी से बढ़कर 58.1 फीसदी हुआ

एजेंसी

जयपुर । भारत में बीते छह वर्षों में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कैशलेस भुगतान में तेज उछाल देखा गया है। 2018 में यह 20.4 फीसदी था और 2024 में बढ़कर 58.1 फीसदी हो गया। आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी ग्लोबलडेटा ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

नकद हस्तांतरण के अलावा अन्य भुगतान विकल्पों में यूपीआई, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड शामिल हैं। रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि वैकल्पिक भुगतान में उछाल के लिए मोबाइल वॉलेट का व्यापक इस्तेमाल जिम्मेदार है। यह यूपीआई द्वारा संचालित होता है और क्यूआर कोड को स्कैन करके रियल टाइम में मोबाइल भुगतान की सुविधा प्रदान करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया-प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र में मोबाइल और डिजिटल वॉलेट जैसे भुगतान मंचों ने नकद और बैंक हस्तांतरण (ट्रांसफर) के पारंपरिक तरीकों को पूरी तरीके से बदल दिया है। रिपोर्ट में आगे इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि इस तरह के वैकल्पिक भुगतान मंच चीन और भारत जैसे देशों में पहले लोकप्रिय हैं और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में भी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

चीन पूरे एशिया प्रशांत क्षेत्र में कुल कैशलेस भुगतान का करीब दो-तिहाई हिस्से का नेतृत्व करता है। हालांकि, भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। साल 2018 से भारत में वैकल्पिक भुगतान के मंचों के इस्तेमाल में वृद्धि हुई है। कंपनी की रिपोर्ट से पता चलता है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी जा रही है।

रिपोर्ट में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र के भीतर चीन और भारत में अन्य देशों की तुलना में वैकल्पिक भुगतान के मंचों को अपनाने की दर अधिक है। कंपनी के वित्तीय सेवा उपभोक्ता सर्वेक्षण-2023 के मुताबिक, चीन में 65 फीसदी से ज्यादा कैशलेस भुगतान के लिए वैकल्पिक मंच जिम्मेदार हैं, जो वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा ई-कॉमर्स बाजार है। 2018 में 53.4 फीसदी भुगतान के लिए जिम्मेदार था।

आईपीओ से दिसंबर तक 75,000 करोड़ जुटा सकती हैं 65 कंपनिया

एजेंसी

मुंबई । शेयर बाजार की तेजी के बीच इस साल दिसंबर तक 65 कंपनियां आईपीओ से 75,000 करोड़ रुपये तक जुटा सकती हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, कई बड़ी कंपनियां इस साल बाजार में उतरने की तैयारी में हैं। सिर्फ पांच कंपनियां ही 40-45 हजार करोड़ रुपये तक जुटा सकती हैं।

बाजार के जानकारों के मुताबिक, अगले कुछ महीनों में 30 कंपनियां प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 50,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही हैं। इसमें से 24 कंपनियां 30,000 करोड़ रुपये के लिए बाजार में उतर सकती हैं। इस साल में जनवरी से अब तक 31 कंपनियों ने 28,523 करोड़ रुपये आईपीओ के जरिये जुटाए हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि चुनाव के बाद मोदी सरकार के लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने के साथ घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों का मजबूत विश्वास दिख रहा है। इससे आने वाले महीनों में आईपीओ की लहर और तेज हो जाएगी।

फर्स्ट क्राई ने दोबारा जमा कराया मसौदा

फर्स्ट क्राई 1,816 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास दोबारा मसौदा जमा कराया है। वारी एनर्जी के साथ वन मोबिक्विक 700 करोड़ के लिए मसौदा जमा करा चुकी है। अलाइड ब्लेंडर्स को 1,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पिछले माह व फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक को के पास मसौदा जमा करा चुकी है।

इन कंपनियों के आने हैं इश्यू

फर्स्ट क्राई, फिनकेयर स्मॉल बैंक, एनएसडीएल, अफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, वारी एनर्जी, आशीर्वाद माइक्रोफाइनेंस समेत कई?कंपनियों के आईपीओ कुछ महीनों में आने वाले हैं। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार, स्टेनली लाइफ स्टाइल, वन मोबिक्विक, एमक्योर फार्मा, अलाइड ब्लेंडर्स, शिवा फार्माकेम और बंसल वायर इंडस्ट्रीज भी रकम जुटाने की तैयारी में हैं। रेखा झुनझुनवाला समर्थित बाजार स्टाइल रिटेल और हल्दीराम भी इश्यू ला सकती हैं।

30-35 कंपनियां मंजूरी के इंतजार में

इस साल जिन 65 कंपनियों के बाजार में उतरने की उम्मीद है, उनमें 25-30 को सेबी की मंजूरी मिल चुकी है। 30-35 कंपनियां अब भी मंजूरी के इंतजार में हैं। मसौदा जमा कराने के 2-4 महीने के बीच में सेबी की मंजूरी मिलती है। मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के दौरान आईपीओ बाजार में बड़ा उछाल देखने को मिलेगा, जो चुनाव के बाद निरंतरता व निवेशकों के विश्वास को बढ़ावा देने वाली अनुकूल स्थितियों से प्रेरित होगा। आईपीओ की तेजी विभिन्न क्षेत्रों की भागीदारी के साथ मजबूत गतिविधि का संकेत देती है।

दो महीने में जुड़े 81 लाख निवेशक, फोलियो की संख्या बढ़कर 18.6 करोड़ हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग में चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों अप्रैल और मई में 81 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। लगातार वितरण प्रयासों और वितरण नेटवर्क के मजबूत होने के कारण ऐसा हुआ है। ज्यादातर निवेश 40 साल तक की उम्र के लोग कर रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, मई अंत में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या बढ़कर 18.6 करोड़ पहुंच गई।?मार्च अंत में यह 17.78 करोड़ थी। मई में 45 लाख फोलियो की बढ़त हुई। अप्रैल में 36.11 लाख फोलियो जोड़े गए थे। कुल 81 लाख फोलियो में 61.25 लाख इक्विटी केंद्रित स्कीमों में खुले हैं। इससे इक्विटी स्कीमों के कुल फोलियो की संख्या 12.89 करोड़ की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। म्यूचुअल फंड हाउस में कुल फोलियो में 69 फीसदी हिस्सा इन्हीं स्कीमों का है।

आंकड़ों के अनुसार, 2023 में हर माह औसत 22.3 लाख फोलियो जोड़े गए थे। इस साल यह दोगुना से भी ज्यादा बढ़ गया है। म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए अधिकांश नए निवेशक डिजिटल चैनलों का रास्ता अपना रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में फोलियो में उछाल जेन-वाई और जेन-जेड निवेशकों के कारण हुआ है। जेन वाई का मतलब 1981 से 1996 के बीच और जेन जेड का मतलब 1997 से 2012 के बीच पैदा होने वालों से है।

छोटे शहरों के निवेशकों का पसंदीदा बन रहा पैसिव फंड; बेंचमार्क के साथ मिलकर देते हैं रिटर्न

एजेंसी

मुंबई । पैसिव फंड के प्रदर्शन ने पिछले एक साल में निवेशकों को तेजी से आकर्षित किया है। वित्त वर्ष 2023-24 में पैसिव फंड ने लगभग 35 फीसदी का औसत रिटर्न दिया है। यही कारण है कि एक्सचेंज ट्रेडेड फंड यानी ईटीएफ का एयूएम इसी दौरान 5.07 लाख करोड़ से बढ़कर 6.95 लाख करोड़ रुपये हो गया है। दूसरे स्तर के छोटे शहरों से पैसिव फंड निवेशकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। पैसिव फंड बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करते हैं और उसके प्रदर्शन की नकल करने की कोशिश करते हैं। पैसिवली मैनेज किए जाने वाले फंड में पैसिव इंडेक्स फंड, ईटीएफ में निवेश करने वाले फंड ऑफ फंड शामिल होते हैं। पैसिव फंड बेंचमार्क का पालन करते हैं। बेंचमार्क के साथ मिलकर रिटर्न देने का लक्ष्य रखते हैं। उदाहरण के तौर पर निफ्टी 50 इंडेक्स, निफ्टी मिडकैप 150 ईटीएफ आदि शामिल हैं। पैसिव फंड युवाओं के लिए बेहतर एंट्री पॉइंट्स हैं, जो सक्रिय रूप से चुनने के बजाय बाजार के रुझानों का पालन करते हैं। पैसिव निवेश निवेशक को दोहरा लाभ उठाने का मौका देता है। पहला, यह कुछ कारकों के आधार पर सही स्टॉक चुनता है।

दूसरा, यह उन्हें इंडेक्स फंड फॉर्मेट में रखता है। इस प्रकार के स्मार्ट बीटा सूचकांकों में निवेश काफी लोकप्रिय हो रहा है, क्योंकि निवेशकों को कम लागत का लाभ मिल रहा है। म्यूचुअल फंड हाउस ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देने के लिए निफ्टी 50 इंडेक्स को अलग नजरिये से देखना शुरू कर दिया है।

जापान में बरपा Flesh Eating Bacteria का कहर, इलाज न होने पर मात्र 48 घंटों में जा सकती है जान

जापान में कोविड-19 के सुरक्षा नियमों को कम करते ही Flesh Eating Bacteria के मामले तेजी से बढ़ने (STSS Spreading In Japan) लगे हैं। इस बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी इतनी खतरनाक है कि वह महज दो दिनों में व्यक्ति को स्वर्ग का दरवाजा दिखा सकती है। इसलिए इस बीमारी के लक्षणों और बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी होना जरूरी है। आइए जानें।

कोविड-19 वायरस के बाद अब एक ऐसा बैक्टीरिया सामने आया है, जो मानवता पर कहर बरपा सकता है। हम बात कर रहे हैं जापान में फैल रहे फ्लैश ईटिंग बैक्टीरिया (Flesh Eating Bacteria) की। आपको बता दें कि इस बैक्टीरिया का नाम ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस (Group A Streptococcus) है। इसके संक्रमण की वजह से स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (Streptococcal To&ic Shock Syndrome) (STSS) नाम की एक बेहद गंभीर बीमारी हो सकती है, जो जानलेवा है।

जापान में यह बीमारी (STSS Bacteria in Japan) कोविड-19 के रेस्ट्रिक्शन्स को कम करने के बाद तेजी से फैलने लगी है। यह बीमारी इसलिए इतनी खतरनाक मानी जा रही है, क्योंकि इसकी वजह से मरीज की 48 घंटे, यानी दो दिन के भीतर मौत हो सकती है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फेक्शियस डिजीज के मुताबिक, इस साल 2 जून तक जापान में इस बीमारी के मामले 977 हो गए हैं, जबकि पिछले साल यह मामले 941 थे। आपको बता दें कि यह संस्था साल 1999 से इस बीमारी का निरीक्षण कर रही है। संक्रमण के बढ़ते मामले और मृत्यु दर अधिकह होने के कारण यह बीमारी बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। आइए जानते हैं इस बीमारी के लक्षण (STSS Symptoms) और कैसे इस बीमारी के संक्रमण से बचा जा सकता है।

स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम के लक्षण

इस बीमारी के सबसे आम लक्षण हैं सूजन और बच्चों में गले में खर्राश, जिसे स्ट्रीप थ्रोट भी कहा जाता है। इनके अलावा, इस बीमारी की वजह से हाथ-पैरों में दर्द, बुखार, ब्लड प्रेशर कम होना, सूजन, सांस लेने में तकलीफ, नेक्रोसिस (टिश्यूज का मरना), सूजन, ऑर्गन फेलियर और मृत्यु भी हो सकती है। यह बीमारी बेहद तेजी से फैलती है। पैरों से घुटनों तक पहुंचने में इसे बस कुछ ही घंटों का समय लगता है और सही इलाज न मिलने पर अगले 48 घंटों में मौत भी हो सकती है।इम्युनिटी कमजोर होने के कारण इस बीमारी का अधिक खतरा 50 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों में है। इसलिए इसके लक्षण नजर आते ही डॉक्टर से संपर्क करना बेहद जरूरी है, क्योंकि यह बीमारी व्यक्ति को ज्यादा समय नहीं देती है।

कैसे कर सकते हैं बचाव?

स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम एक बैक्टीरिया की वजह से होने वाली बीमारी है। इसलिए इस बीमारी से बचाव के लिए हाइजीन का खास ध्यान रखना जरूरी है। बचाव के लिए बाहर से आने के बाद हाथ-पैरों को साबुन से कम से कम दो मिनट तक धोएं। ऐसे ही शौच से आने के बाद हाथों को जरूर धोएं। इसके अलावा, खाना खाने से पहले, खाना बनाने से पहले भी हाथ धोना जरूरी है। अपने चेहरे को गंदे हाथों से न छूएं, खासकर आंख, नाक या मुंह। त्वचा पर कोई घाव हो, तो तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाएं और स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम के कोई भी लक्षण नजर आएं, तो भी बिना देर किए डॉक्टर से जरूर मिलें।

फिर आतंकी हमले, कायम हो शांति का उजाला

यह आशंका सच साबित हो रही है कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने पर कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ेंगी एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद फिर से फन उठाने लगेगा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है। फिर भी लगातार हुए आतंकी हमले चिंता तो बढ़ा ही रहे हैं। एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना गंभीर हैं, चिन्ताजनक है। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे।

मैंने चुनाव से पूर्व अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है।जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं।तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोष लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। गठबंधन की केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ आतंक से अमन-चैन तक लाने के चले आ रहे मिशन को सफल करने का, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का, विकास के कार्यक्रमों को गति देने का एवं कश्मीर के लोगों पर आयी मुस्कान को कायम रखने का। बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। अब गठबंधन सरकार में भी वे अपने इस जादू को दिखाये।इन आतंकी हमलों ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि कश्मीर की जनता क्यों राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रही है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए। कश्मीरियों में अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं। अब जरूरत है खुफिया तंत्र को दूसरी तरह की चुनौतियों का सामना करने को तैयार एवं सक्षम किया जाये। घाटी में हालात सुधरने के केंद्र सरकार के दावों की सत्यता इसी से परखी जाएगी कि घाटी में अल्पसंख्यक पंडित और प्रवासी कामगार खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। वास्तव में देखा जाये तो असली लड़ाई कश्मीर में बन्दूक और सन्दूक की है, आतंकवाद और लोकतंत्र की है, अलगावावाद और एकता की है, पाकिस्तान और भारत की है। शांति का अग्रदूत बन रहा भारत एक बार फिर युद्ध के जंग की बजाय शांति प्रयासों एवं कूटनीति से पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाये, यह अपेक्षित है।किस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है, आर्थिक बदहाली में कटोरा लेकर दुनिया घूम आया, अब कोई मदद को तैयार नहीं, फिर भी उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। कश्मीर सदैव उनकी प्राथमिक सूची में रहा। पाकिस्तान जानता है कि सही क्या है पर उसकी उसमें वृत्ति नहीं है, पाकिस्तान जानता है कि गलत क्या है पर उससे उसकी निवृत्ति नहीं है। कश्मीर को अशांत करने का कोई मौका वह खोना नहीं चाहता। आज के दौर में उठने वाले सवालों में ज्यादातर का जवाब गठबंधन की मोदी सरकार को ही देना है, उसे सटीक जबाव देकर आतंकियों के मनसूंबों को ढ़ेर करना होगा, पडोसी देश की गर्दन को एक बार फिर मरोड़ना होगा।

संपादकीय

संघ-भाजपा की नूरा कुश्ती

भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच इन दिनों जो कुछ होता दिख रहा है वह केवल आंखों का धोखा है। जैसे नूरा कुश्ती या डब्ल्यूडब्ल्यूएफ में होता है, पहलवान बड़े ही सुनियोजित व परस्पर सहमति के तहत एक दूसरे पर आक्रमण करते हैं। मारने वाला जानता है कि वह नकली मार है और बचाव करने वाला भी जानता है कि वह जो कुछ कर रहा है खुद के लिये पैसे जुटाने तथा दर्शकों के मनोरंजन के लिये कर रहा है। फर्क इतना सा है कि नूरा कुश्ती मनोरंजन के लिये है जबकि संघ-भाजपा की यह छद्म लड़ाई समाज के लिये उतनी ही घातक है, जितनी दोनों के अंतर्संबंध।

यह सर्वज्ञात है कि भाजपा संघ का राजनीतिक विंग है, उसका अनुषंगिक संगठन। तकरीबन 100 साल (1925) पहले स्थापित संघ ने अपनी विचारधारा को समाज के विभिन्न स्तरों पर फैलाने के लिये अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने के लिये जो सहयोगी संगठन बनाये, उनमें ही पहले जनसंघ बनाया जो कालांतर में भाजपा बना। वही आज सबसे शक्तिशाली आकार में सामने है। 2014 से 19 एवं 2019 से 2024 तक दो बार केन्द्र की सत्ता हासिल करने वाली भाजपा ने इस दौरान न केवल देश के ज्यादातर राज्यों में अपनी सरकारें बनाई वरन विपक्ष को भी बेहद कमजोर कर दिया। संविधान बदलने के लिये आवश्यक बड़ा बहुमत पाने से इस बार नाकाम रहना भाजपा की बड़ी हार मानी जाती है क्योंकि उसने न केवल लक्ष्य खोया वरन उसे आंध्रप्रदेश की तेलुगु देशम पार्टी तथा बिहार के जनता दल (यूनाइटेड) की मदद से अपनी सरकार बनानी पड़ी है। पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी व सरकार पर एकछत्र राज तो किया ही, यह पहली बार है कि कोई भाजपा नेता अपनी मातृसंस्था आरएसएस से भी बड़ा हो गया है।अगले साल अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरा करने के अवसर पर बड़ा जश्न मनाने की हसरत 2024 की पराजय के कारण ज़रूर फीकी पड़ गई होगी। इसी मलाल के चलते शायद कुछ ऐसी बातें सामने आई हैं जिन्हें देखकर लोगों ने मान लिया कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। इस दौरान कई ऐसे मौके आये जब संघ की भाषा भाजपा के चलाये नैरेटिव से या उनके नेताओं-कार्यकर्ताओं की सोच से अलग जाती दिखी। मसलन, महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर जब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गांधी को एक महान शख्सियत बतलाया और उनके भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में अभूतपूर्व योगदान को सराहा तो यह पार्टी व संघ के लाखों कार्यकर्ताओं-स्वयंसेवकों के लिये हैरत की बात बनकर आई क्योंकि अब तक तो उन्हें इनसे नफरत करना ही सिखाया गया था। बहुत से पुराने प्रसंगों को छोड़ दें तो हाल के चुनावों के दौरान जब यह लगने लगा था कि कांग्रेस व विपक्षी गठबन्धन इंडिया मजबूत टक्कर दे रहा है और लग रहा था कि भाजपा इस बार सरकार नहीं बना पायेगी, तो भागवत समेत कई बड़े नेताओं ने यह कहना शुरू किया कि भाजपा व एनडीए (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) सरकार बनाती है तो संविधान नहीं बदलने जा रही। जनता में एक बड़ा डर यह था कि बहुमत से जीतने पर भाजपा-एनडीए आरक्षण समाप्त कर देंगे। होने वाले चुनावी नुकसान को भांपते हुए ही भागवत ने कहना शुरू किया कि जब तक समाज में भेदभाव मौजूद है वे आरक्षण के पक्ष में हैं। भाजपा नेताओं को तो और साफ ऐलान करना पड़ा कि न संविधान बदला जायेगा और न ही आरक्षण खत्म होगा।

बात तो वहां से उठी थी जब भाजपा के ही कई लोगों ने सार्वजनिक बयान दिये थे कि भाजपा को 370 और एनडीए को 400 सीटें इसलिये चाहिये क्योंकि संविधान बदलना है। ऐसे लोगों में अनंत हेगड़े, लल्लू सिंह, ज्योति मिर्धा, अरूण गोविल आदि थे। सवाल यह है कि भाजपा व उसके जरिये संघ की मंशा संविधान बदलने की थी ही नहीं तो इन्हें अपने बयान वापस लेने के लिये क्यों नहीं कहा गया या उनके खिलाफ पार्टी ने कार्रवाई क्यों नहीं की? दोनों के बीच रिश्तों में तब और नया मोड़ आया जब भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कह दिया था कि %अब भाजपा बड़ा दल बन गया है और उसे संघ की जरूरत नहीं रह गई है। उन्होंने ऐसा तब कहा था जब उनसे पूछा गया था कि इस बार के चुनाव में संघ के कार्यकर्ता भाजपा प्रत्याशियों की मदद करते नहीं दिख रहे हैं। भागवत भी कहते रहे कि संघ व भाजपा दो अलग संस्थाएं हैं। हालांकि दोनों की बातों पर कोई भरोसा करने को तैयार नहीं क्योंकि सभी जानते हैं कि दोनों का एक दूसरे के बिना काम नहीं चल सकता। संघ अब वैसा संगठन नहीं रहा जिसका थोड़े में गुज़ारा होता हो। उसकी बढ़ती ज़रूरतें तो सत्ता के जरिये ही पूरी हो सकती हैं।सदाशयता का नया अध्याय खोलते हुए भागवत कहते हैं कि इस चुनाव में मर्यादाओं का पालन नहीं हुआ।उन्होंने राजनीति में विपक्षी दलों को विरोधी% नहीं, प्रतिपक्षी मानने पर बल दिया जो किसी भी मसले का दूसरा पहलू बतलाते हैं।सवाल यह है कि जब मोदी व भाजपा कांग्रेस मुक्त भारत तथा विपक्ष मुक्त भारत का नारा बुलन्द कर रहे थे तब भागवत चुप क्यों थे? सभी जानते हैं .

ग्रामीण भारत के संकट को नजरअंदाज करना प्रधानमंत्री मोदी को महंगा पड़ा

ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बेरोजगारी में लगातार वृद्धि हो रही है, जो 302लाख लोगों तक पहुंच गई है। एनसीएईआर के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में मनरेगा के तहत काम की मांग में 48.8 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई। सरकार ने मनरेगा के लिए समुचित खर्च नहीं किया, जबकि कर प्रवाह, विशेष रूप से जीएसटी, अत्यधिक मजबूत रहा है।ग्रामीण भारत ने भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा में 240 सीटों तक सीमित कर दिया। अगर %एनडीए सहयोगी% न होते, तो नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री भी नहीं बन पाते। भाजपा अब संसद में साधारण बहुमत के लिए अपने सहयोगियों पर निर्भर है। भाजपा ने 2024 में अपने एक तिहाई ग्रामीण संसदीय क्षेत्रों को खो दिया, जो तीव्र ग्रामीण संकट को दर्शाता है। एमएसपी, अग्निवीर और उच्च बेरोजगारी, इन सभी ने भाजपा के चुनावी संकट में योगदान दिया॥जपा ने 2024 के चुनाव में 126 सीटें ही बरकरार रखीं, जबकि उसने17वीं लोकसभा चुनाव 2019 में 251 ग्रामीण सीटें जीती थीं। लेकिन भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 221 ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण लोकसभा क्षेत्रों में जीत हासिल की। इनमें से ज़्यादातर सीटें उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान से आई हैं। दूसरी ओर इंडिया ब्लॉक ने 2024 के चुनाव में 157 ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की।नयी-नवेली एनडीए सरकार को ग्रामीण संकट से जुड़े मुद्दों पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। किसान समुदाय इतनी मुश्किल में है कि वह राहत का इंतज़ार नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगली तिमाही के पीएम किसान सम्मान निधि का भुगतान जारी करके किसानों के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता का बड़ा प्रदर्शन किया है। लेकिन इस डीबीटी (डायरेक्टटू बैंक ट्रांसफर) में कुछ खास नहीं है।17वीं किस्त का भुगतान अप्रैल के अंत में किया जाना चाहिए था, लेकिन आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण ऐसा नहीं हो सका और पूरे चुनाव अभियान के दौरान, ग्रामीण असंतोष उबलता रहा। किसानों को लाभकारी कृषि मूल्य नहीं मिल रहे थे, ग्रामीण बेरोज़गारी बहुत ज़्यादा थी, एक दशक से मज़दूरी में स्थिरता थी और खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ रही थीं। लाखों किसानों सहित आम जनता को नुकसान उठाना पड़ा। स्वाभाविक रूप से, मोदी सरकार को दोषी ठहराया गया और हाल के चुनावों में उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी।

पिछले डेढ़ दशक में ग्रामीण संकट बढ़ा है। उर्वरकों, बीजों, डीजल और कीटनाशकों की ऊंची कीमतों के कारण कृषि में उत्पादन की लागत लगभग तीन गुना बढ़ गई है। ये सभी कृषि अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक हैं। हालांकि सरकार समय-समय पर विभिन्न फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा करती रही है, लेकिन किसान संकट में हैं और अपनी फसल को बाजारों में बेचने में असमर्थ हैं।

आर्थिक दृष्टि से, दो प्रकार की आय होती है। एक सामान्य (नॉमिनल) और दूसरी वास्तविक। जबकि नाममात्र आय (मुद्रा के संदर्भ में) में एमएसपी के साथ थोड़ी वृद्धि देखी गई, %वास्तविक% आय में गिरावट आई। वास्तविक आय उपभोग किये गये खाद्य और घरेलू औद्योगिक वस्तुओं की क्रय शक्ति (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) से जुड़ी हुई है। अनुमानों के अनुसार, पिछले 15 वर्षों में वास्तविक आय में 60प्रतिशत की कमी आई है, जिसका मुख्य कारण बाजारों में कृषि और औद्योगिक वस्तुओं के बीच मूल्य असमानता है। इस मूल्य असंतुलन के परिणामस्वरूप देश में कुल अनुमानित 42 लाख करोड़ रुपये के कुल कृषि उपज में से लगभग 28 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण हुआ है।

सुपरमार्केट में उपभोक्ता द्वारा कृषि उत्पादों की प्रत्येक रुपये की खरीद पर किसान को मात्र 26 से 30 पैसे मिलते हैं। अधिशेष अनाज व्यापारी, मिल मालिक और कॉर्पोरेट घराने जेब में डाल लेते हैं। किसानों को मिलने वाली %वास्तविक आय% उनके परिवारों का भरण-पोषण करने में असमर्थ है, जिससे ग्रामीण संकट पैदा होता है। कृषि क्षेत्र का निराशाजनक प्रदर्शन औसत कृषि विकास में मंदी से परिलक्षित होता है। किसानों की आय दोगुनी करने का मोदी सरकार का वायदा केवल बातें ही थीं।ग्रामीण संकट पर नीति निर्माताओं का पर्याप्त ध्यान नहीं गया है। ग्रामीण परिवारों को रोजगार और सहायता प्रदान करने के बजाय, केंद्र सरकार ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए बजट आवंटन में कटौती की है। उदाहरण के लिए, पिछले 2-3 वर्षों में मनरेगा के लिए आवंटन में लगातार कमी आ रही है। अप्रैल में मनरेगा के तहत काम की मांग में 48.8प्रतिशत की वृद्धि हुई।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बेरोजगारी में लगातार वृद्धि हो रही है, जो 302लाख लोगों तक पहुंच गई है। एनसीएईआर के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में मनरेगा के तहत काम की मांग में 48.8 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई। सरकार ने मनरेगा के लिए समुचित खर्च नहीं किया, जबकि कर प्रवाह, विशेष रूप से जीएसटी, अत्यधिक मजबूत रहा है।

भारत की अंतरिम जीडीपी वित्त वर्ष 2024 में 8.2 प्रतिशत बढ़ी, जिसका श्रेय विनिर्माण और खनन क्षेत्रों को जाता है। हालांकि, जीडीपी और सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2024 में घटकर 1.4 प्रतिशत रह गई है। औसत कृषि वृद्धि आमतौर पर 3 प्रतिशत पर होती है। 2023-24 में यह केवल 1.4 प्रतिशत थी। इसके साथ ही उच्च खाद्य मुद्रास्फीति भी थी। फरवरी-अप्रैल में औसत खाद्य मुद्रा स्फीति 8.6 प्रतिशत थी। खपत और ग्रामीण मांग में गिरावट न केवल घरेलू वस्तुओं की गिरावट में बल्कि ग्रामीण बाजारों में ट्रैक्टरों और मोटर साइकिलों की बिक्री में गिरावट में भी दिखाई दे रही थी।सतही उपायों का सहारा लेने के बजाय, मोदी की एनडीए सरकार को ग्रामीण संकट को कम करने के लिए तत्काल उपाय करने चाहिए- एकमुश्त कृषि ऋण माफी जारी करें; सिफारिशों के अनुसार फसल एमएसपी की गणना एम एस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार करें; तथा सभी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करने के लिए एक कानून लायें; देश में लगभग 13 करोड़ ग्रामीण गरीब पीडीएस के तहत सस्ते राशन से वंचित हैं और प्रवासी श्रमिकों सहित गरीबों का एक वर्ग अदृश्य है उन्हें तत्काल सहायता पहुंचाई जाये; उर्वरकों और कृषि उपकरणों सहित कृषि इनपुट की खरीद पर जीएसटी हटाएं; सभी तालुकात मुख्यालयों में अनाज और कोल्ड स्टोरेज गोदामों का निर्माण करें; फसल क्षति के 30 दिनों के भीतर किसानों के बैंक खातों में सीधे फसल बीमा मुआवज़ा दें; फसल बीमा को विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को सौंपें;अग्निवीर को खत्म करें और मनरेगा के लिए धन को दोगुना करें। इसके साथ ही स्थानीय सिंचाई और जल निकासी चैनलों की मरम्मत करें, तथा ग्रामीण अस्पतालों, स्कूलों और सड़कों का निर्माण करें।

टैकिकार्डिया को न करें नजरअंदाज

हृदयगति के प्रति मिनट 100 से अधिक होने की स्थिति टैकिकार्डिया कहलाती है। हृदय सामान्यतः प्रति मिनट 60 से 100 बार धड़कता है और कलाई, गला या अन्यत्र महसूस होने वाली नाड़ी की दर निलय (हृदय के दोनों निचले प्रकोष्ठ) के संकुचन के दर के समान होती है।

टैकिकार्डिया उत्तेजना, बुखार, तीव्र गति से खून बह जाने या कठिन व्यायामों के कारण शरीर के द्वारा होनेवाली सामान्य प्रतिक्रिया हो सकती है। यह कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी हो सकती है, जैसे-थायरॉयड हार्मोन का असामान्य रूप से उच्च स्तर, जिसे हायपर थायरॉयडिज्म कहते हैं। कुछ लोगों में, टैकिकार्डिया कार्डियक एरिथ्मिया (हृदय की विकृति के कारण हृदयगति के लय या रिदम में असामान्यता), कोरोनरी आर्टरी रोग या हृदय के वॉल्व में असामान्यता के कारण हो सकता है। यह फेफड़े की समस्याओं, जैसे-न्यूमोनिया या फेफड़े की किसी धमनी में खून के थक्के के कारण भी हो सकता है। दूसरे मामलों में, टैकिकार्डिया कुछ खाद्य और पेय पदार्थों का साइड इफैक्ट भी हो सकता है, जैसे-कॉफी, चाय, शराब या चॉकलेट, तंबाकू या कुछ दवाएं।

टैकिकार्डिया का पूर्वानुमान

अगर टैकिकार्डिया बुखार, खून अधिक बह जाने, हायपरथायरॉयडिज्म, किसी दवा या आहार के कारण हो तो इसका कोई दीर्घकालीन बुरा प्रभाव नहीं होता। हृदय या फेफड़ों की समस्या से जुड़े कई प्रकार के टैकिकार्डिया दवाओं, शल्यक्रिया या इलाज के दूसरे तकनीकों से ठीक हो जाते हैं।

टैकिकार्डिया के लक्षण

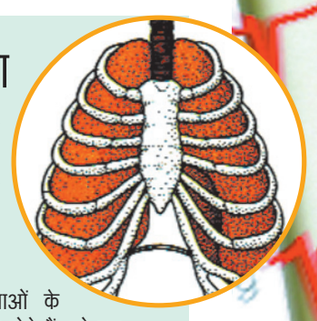

- चक्कर आना, सोचने-समझने में परेशानी और अचेत पड़ना
- थकान(असामान्य रूप से थकावट महसूस होना)
- धड़कन महसूस होना या पालपिटेशन
- सांस लेने में कठिनाई

अगर टैकिकार्डिया स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हो तो कुछ अन्य लक्षण भी दृष्टिगत होते हैं, जो उस बीमारी से संबंधित होते हैं। उदाहरण के लिए हायपरथायरॉयडिज्म में नर्वसनेस, अनिद्रा, पसीना आना, हल्का कंपन और थायरॉयड के उच्च स्तर से जुड़े अन्य लक्षण भी प्रकट होते हैं। हृदय या फेफड़े की किसी बीमारी के कारण टैकिकार्डिया होने पर इसके साथ छाती में दर्द या सांस लेने में परेशानी और लाइटहेडनेस की समस्या हो सकती है।

कार्डियक एरिथ्मिया

इसका उपचार एरिथ्मिया के कारणों पर निर्भर करता है। कुछ लोगों में गले की मसाज से समस्या का निदान हो जाता है। अन्य लोगों को दवाओं, डिजिटेलिस (लेनोक्सिन), बीटा-ब्लॉकर्स, कैल्शियम चैनल ब्लाकर्स, क्वीनीडीन (कार्डियोक्वीन या दूसरी दवाएं) या फ्लेकैनाइड (टैंबोकोर) की आवश्यकता पड़ती है। कुछ लोगों को मात्र रेडियोफ्रिक्वेंसी कैथेटर अ'ब्लेशन से फायदा होता है। इस प्रक्रिया में हृदय के उन असामान्य ऊतकों को नष्ट कर दिया जाता है जो टैकिकार्डिया को उत्प्रेरित करते हैं। कुछ अन्य रोगियों का इलाज इलेक्ट्रोकार्डियोवर्सन के द्वारा किया जा सकता है। इलेक्ट्रोकार्डियोवर्सन ऐसी प्रक्रिया है जिसमें नियत समय तक हृदय को विद्युत का झटका दिया जाता है, ताकि यह सामान्य स्थिति को फिर से प्राप्त कर सके।

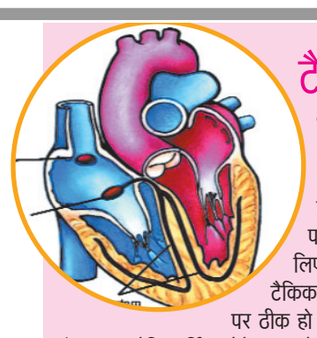

टैकिकार्डिया की संभावित अवधि

टैकिकार्डिया कितने समय तक रहता है, यह उसके कारण पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए बुखार आने के कारण टैकिकार्डिया होने पर यह बुखार उतरने पर ठीक हो जाता है। खून अधिक बह जाने के कारण टैकिकार्डिया होने पर नसों में खून या तरल चढ़ाने पर यह ठीक होता है। हायपर थायरॉयडिज्म या एड्रिनल ग्रंथियों के ट्यूमर की स्थिति का उपचार होने पर जब ये ठीक हो जाते हैं तो इनके कारण होनेवाला टैकिकार्डिया भी ठीक हो जाता है। आहार या दवाओं के कारण उत्पन्न टैकिकार्डिया से जल्दी ही निजात मिल जाती है (वास्तव में कुछ ही घंटों में, जब टैकिकार्डिया को उत्प्रेरित करने वाले रसायन शरीर से यूरीन में होकर निकल जाते हैं या इनका उपापचय हो जाता है)। हृदय रोगों के कारण होने वाला टैकिकार्डिया लंबे समय तक रह सकता है।

फेफड़े की बीमारियां

अगर टैकिकार्डिया फेफड़े में खून के थक्कों के होने के कारण होती है तो ऐसी दवाएं दी जाती हैं जिससे थक्के घुल जाएं और आगे थक्के बनने से रोका जा सके। न्यूमोनिया या ऐसी अन्य परिस्थितियों में इस प्रकार का इलाज किया जाता है। जिससे बीमारी जल्दी ठीक हो जाती है।

टैकिकार्डिया की चिकित्सा

टैकिकार्डिया के इलाज के लिए इसके कारणों का निदान आवश्यक है।

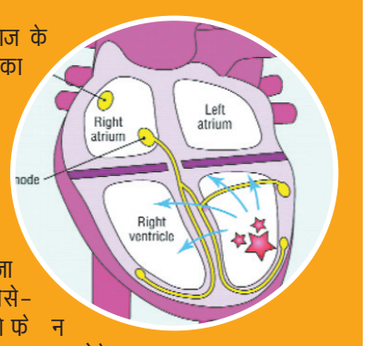

- **ज्वर** : ज्वर या बुखार से संबंधित टैकिकार्डिया के उपचार के लिए बुखार कम करने वाली दवाएं ली जा सकती हैं, जैसे-एसिटामिनोफेन (टायलिनोल) या आइब्यूप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य)। अगर बुखार बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण हुआ हो तो एंटी बायोटिक्स भी लेना आवश्यक है।
- **ब्लड लॉस** : इसके उपचार के लिए रोगी को सबसे पहले खून या इंट्रावेनस फ्लूइड चढ़ाना पड़ता है। इसके बाद रक्तस्राव के स्थान को खोजकर उसे बंद किया जा सकता है या शल्यचिकित्सा के द्वारा इसे ठीक किया जा सकता है।
- **हायपरथायरॉयडिज्म**: इसके उपचार के लिए एंटीथायरॉयड दवाएं, जैसे-प्रोपाइलथायोयूरासिल (प्रोपाइल-थायरासिल) या मेथिमाजोल (टैपाजोल) दी जाती हैं। वैकल्पिक चिकित्सा में रेडियोएक्टिव आयोडीन का उपयोग शामिल है, जो रेडीएशन के द्वारा थायरॉयड को नष्ट कर देता है या शल्यक्रिया के द्वारा थायरॉयड ग्रंथि के किसी हिस्से को हटाना, जिसे सबटोटल थायरॉयडेक्टोमी कहते हैं, को भी आजमाया जा सकता है।
- **कोरोनरी धमनी के रोग** : कोरोनरी धमनी रोग को ठीक करने के लिए दवाओं (नाइट्रेट, बीटा ब्लॉकर्स, कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स और एस्पिरीन), कोरोनरी धमनी की बायपास सर्जरी या बैलून एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता पड़ सकती है।

हृदय के वॉल्व की असामान्यताएं

वॉल्व की गंभीर असामान्यताओं के निदान के लिए इन्हें शल्यक्रिया के द्वारा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।

नवजात स्वास्थ्य के पांच टिप्स

नवजात को स्वस्थ व रोगमुक्त रखने के लिए नवजात की देखभाल आवश्यक हो जाती है। ऐसे में शिशु का सम्पूर्ण स्वास्थ्य उसके जन्म से 28 दिन के बीच निर्धारित होता है। अगर आपका बच्चा अस्वस्थ है वो उसे चिकित्सक के परामर्श अनुसार नियो नेटल केयर में रखें। स्वस्थ बच्चों में भी कुछ बातों का खास ख्याल रखने की आवश्यकता होती है।

शिशु को स्तनपान कराना

मां के दूध को नवजात के लिए सर्वोत्तम माना जाता है क्योंलकि इसमें कोल्सिटम नामक एक पदार्थ होता है। यह पदार्थ बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है।

शिशु का रोना

नवजात का रोना हमेशा चिंता की बात नहीं होती। ज्यादातर बच्चे भूख लगने पर या बिस्तर गीला करने पर रोते हैं। बच्चे के रोने पर इन बातों का ध्यान दें। अगर बच्चा लगातार रोता रहता है, तो उसे चिकित्सक को दिखाएं।

बच्चे को ढ़कना

नवजात शिशु के शरीर को हमेशा ढ़ककर रखना चाहिए क्यों कि छोटे बच्चोंक का शरीर बाहरी तापमान के अनुसार स्वरयं को नहीं ढाल पाता।

बच्चे की मालिश

छोटे बच्चों की मालिश करने से उनकी हड्डियां मजबूत बनती हैं और यह मालिश बेहद आवश्यक है। बच्चों की मालिश के लिए बच्चों वाले तेल का ही प्रयोग करें।

बच्चे के लिए फोटोथैरेपी

बच्चे को कुछ देर धूप में ले जाने की प्रकिया को फोटोथैरेपी कहते हैं। नवजात को कुछ समय के लिए कपड़े में ढ़ककर ही धूप भी दिखाएं।

वैरीकोज वेन्स से रहें सावधान

हमारे पैरों की नसों में जब भयंकर दर्द होता है अथवा एड़ियों और पिंडलियों में जोर का दर्द होने लगता है इसे वैरीकोज वेन्स कहते हैं। यह बीमारी जल्दी ठीक नहीं होती। अगर आप इन समस्याओ से परेशान हैं तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेकर उपचार करा सकते हैं।

जब त्वचा की सतह के नीचे की नसें क्षतिग्रस्त होकर उसमें सूजन और बहुत ज्यादा खून भरता है, तब उसे अपस्फित नसें कहते हैं। नसें ऐसी रक्त वाहिका है, जो दिल में खून वापस ले जाती हैं। धमनियां रक्त को दिल से दूर शरीर के बाकी हिस्सों में पहुंचाती हैं। अपस्फित नसें सबसे अधिक पैरों में होती हैं। 50 फीसदी मामलों में ये हालत वंशानुगत होती हैं। अन्य मामलों में गर्भावस्था में रक्त के दबाव में परिवर्तन या मोटापे से संबंधित होकर यह खून को दिल में वापस प्रवाहित करने में रुकावट लाती हैं और नसों में खून के रुकने की प्रवृत्ति बढ़ती है। इससे बीमारी तेजी से बढ़ती जाती है।

नसों में खून की रुकावट

इसके अलावा लगातार कई घंटों तक खड़े रहने से भी यह समस्या उत्पन्न होती है। जैसे नौकरानी, वेटर, नर्सों, युवा बच्चों के साथ माताओं के नसों को ज्यादा समय तक गुरुत्वाकर्षण के खिलाफ काम करने को मजबूर किया जाता है, जिससे दबाव संबंधित शिरा और वाल्व क्षति का खतरा बढ़ सकता है। इलास्टिक बंध और घुटने तक ऊंचे मोजों से भी अपस्फित नसों का खतरा बढ़ सकता है। यदि उसका तंग इलास्टिक पैरों के रक्त प्रवाह को धीमा करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 15 फीसदी वयस्कों में अपस्फित नसें होती हैं और ये पुरुषों की तुलना में 2 से 3 गुना अधिक महिलाओं में पाई जाती हैं। हालांकि अपस्फित नसों को अक्सर पैरों में देखा जाता है। वे गर्भावस्था के दौरान या बवासीर के रूप में गुदा के आसपास भी हो सकती हैं। अपस्फित नसें

पहले से रक्त के थक्के एक या दोनों पैरों की गहरी नसों में क्षति के साथ जुड़ा हो सकता है। जब हम ज्यादा देर तक काम करते रहते हैं तो भी नसों पर दबाव पड़ता है। जब ऐसा होता है, तब नसें प्रभावी ढंग से रक्त को दिल में वापस स्थानांतरित करने की क्षमता खो देती हैं। जिसके कारण पैर में सूजन और त्वचा पर घाव हो सकते हैं।

बीमारी की संभावित अवधि

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन लक्षण आते और जाते रह सकते हैं। यदि आप गर्भवती हैं और अपस्फीत नसों के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो प्रसव के बाद के लक्षणों में सुधार होगा। हालांकि, ये शायद पूरी तरह से ठीक नहीं होगी और आप भविष्य के गर्भधारण के दौरान लक्षण वापस आ सकते हैं।

वैरीकोज वेन्स का पूर्वानुमान

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन उनके लक्षण अक्सर पैर को ऊपर उठाकर रखकर और उपचारात्मक मोजे के साथ नियंत्रित किया जा सकता है। सर्जिकल प्रक्रियाओं से अपस्फीत नसों को स्थायी रूप से हटा सकते हैं, लेकिन वे निशान छोड़ जाते हैं और नए अपस्फीत नसों को बनाने से रोक नहीं सकते हैं।

चिकित्सा

अपस्फीत नसों के हल्के लक्षणों पर ज्यादातर लोगों पर किए जाने वाले उपचारों में शामिल हैं-

- पैर को दिन में कई बार ऊपर उठाने से
- योग्य दबाव के मोजे पहनें
- त्वचा के करीब की अपस्फीत नसों के लिए त्वचा विशेषज्ञ सेलेरोथेरेपी का सुझाव देंगे। जिसमें एक बेचैन करने वाला रसायन का इंजेक्शन प्रभावित नस में देंगे, जिससे नस क्षतिग्रस्त होकर बंद होगी। सेलेरोथेरेपी से इलाज की गई नस का बहुत ज्यादा टूटने का खतरा हो सकता है, जिससे त्वचा अल्सर हो सकता है।
- नसों में गंभीर रुकावट के साथ लोगों में विशेष रूप से घनास्त्रता या त्वचा अल्सर की बार-बार समस्या से लोगों को नसों को अनावृत्त या बाधंने की प्रक्रिया आवश्यक हो सकती है। इस सर्जरी में असामान्य नस को बांधकर और त्वचा में छोटी कटौती से शरीर से बाहर खींच लिया जाता है। दूसरी प्रकार की एक सर्जरी जिसको एंबुलेटरी फ्लेबेक्टॉमी कहते हैं, इसमें भी त्वचा पर छोटे चीरों के माध्यम से नसों को हटाते हैं, लेकिन यह कम आक्रामक है, पुरानी अनावृत्त और बांधने की प्रक्रिया से।

वैरीकोज वेन्स का निदान

आपके डॉक्टर आपके लक्षण और अपस्फित नसों के परिवार में इतिहास के बारे में पूछेंगे या वह आपकी जीवन शैली, विशेष रूप आप कितने समय खड़े रहते हैं, ये पूछेंगे। महिलाओं में चिकित्सक गर्भावस्था के इतिहास और मोजे या स्टॉकिंग्स पहनने पर इलास्टिक से पैर पर जकड़न के बारे में पूछेंगे। डॉक्टर एक सरल शारीरिक परीक्षा के साथ अपस्फीत नसों का निदान कर सकते हैं।

डॉक्टर को कब संपर्क करें

अपने चिकित्सक को फोन करें, जब भी आप को दर्द, सूजन, त्वचा अल्सर या पैर के किसी क्षेत्र में अस्पष्टीकृत संवेदना लगे तो आप डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। एक नई सूजन विशेष रूप से सिर्फ एक पैर में, खून के थक्के के कारण जिस पर तत्काल उपचार की आवश्यकता है। यदि आपको अपस्फित नसें हैं, तो डॉक्टर को तुरंत फोन करें। अगर अपस्फित नस के पास एक अल्सर या दर्दनाक काले और नीले क्षेत्र विकसित है। यदि आपने एक अपस्फित नस की त्वचा को काटा है और आपको खून के बहाव को नियंत्रित करने में मुश्किल हो रही है तो आप डॉक्टर के पास जाकर इलाज करा सकते हैं।

रोग के लक्षण

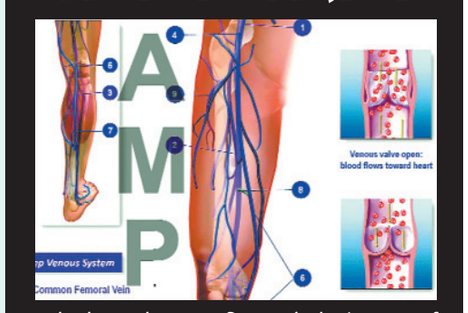

पैर में आमतौर पर अपस्फित नसें पैर के अंदर पाई जाती हैं, एड़ियों में और पिंडली के पीछे भी नसों का दबाव भड़ता है। प्रभावित नसें नीली, सूजी हुई, ऐंठन युक्त या मरोड़ी दिखती हैं। कुछ लोगों में अपस्फित नसों के कारण कोई भी लक्षण नहीं दिखते।

- पैरों में एक सुस्त दर्द
- दबाव या पैरों में भारीपन
- पैर और एड़ियों में सूजन
- क्षतिग्रस्त नसों के त्वचा के पास खुजली

लंबे समय की रुकावट से नसों का रक्त प्रवाह धीमा होने से स्थानीयकृत त्वचा में परिवर्तन और अधिक गंभीर मामलों में सूखापन एक खरोंच या भूरा रंग और घाव हो सकते हैं। धीमी गति से रक्त के प्रवाह भी प्रभावित होकर नसों के अंदर रक्त थक्का हो सकता है। इस हालत को घनास्त्रता कहते हैं। सामान्यतः अपस्फित नसों के लक्षण दिन के अंत में और बदतर हो सकते हैं, विशेष रूप से लंबे समय तक खड़े रहने के अवधि बाद यह समस्या उत्पन्न होती है। कुछ औरतों को उनके लक्षण माहवारी से पहले दिनों के दौरान और गर्भावस्था के दौरान अधिक दिखते हैं।

दिन में यदि थकान रहती हैं तो... इन वजहों पर करें गौर

क्या हर समय जम्हाई लेना, सोना और आलस करना आपकी हॉबी में शुमार हो चुका है? लगता है आप हमेशा थके रहने वाले लोगों में शामिल हो चुके हैं. हमारी भाग-दौड़ वाली दिनचर्या हमें काफी थका देती है. ऐसे में हमें दिनभर टेंशन रहती है. यही टेंशन हमारे घर तक चली आती है और हम रात को ठीक ढंग से सो भी नहीं पाते. ऐसे में हमें सुबह थकान और नींद का अनुभव होता है? अगर हां तो आयुर्वेद के पास इसका जवाब भी है और निदान भी है. यह आपको बता सकता है कि आपको दिन भर इतनी नींद क्यो आती है और आपके शरीर में ऐसी कौन सी प्रॉब्लम हो रही हैं, जिसके कारण ऐसा हो रहा है. रात में बार-बार टूटती है नींद, तो हो सकती है बड़ी बीमारी अगर आपने इस समस्या पर अभी ध्यान नहीं दिया तो आगे चल कर यह नींद और थकान कई अन्य समस्याएं पैदा कर सकती है जैसे, सिरदर्द, शारीरिक दर्द, किसी चीज में मन न लगना, काम या पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित न कर पाना, पेट की खराबी, बोरियत और तनाव या डिप्रेशन आदि. इसके कई कारण हो सकते हैं कि आपको पूरे दिन में थकान या नींद लगती है. हो सकता है कि आपके अंदर शारीरिक बदलाव हो रहे हों या फिर दिमागी तनाव हो. जानें ऐसा क्यों होता है :

सोने का अनुचित समय : रात की नींद ठीक तरह से पूरी करनी चाहिए. आपको छह से सात घंटे तक बिना डिस्टर्ब हुए सोना चाहिए. सोने के तीन या चार घंटे पहले चाय या कॉफी न पिएं, तनाव से दूर रहें = अवसाद, क्रोध आदि जैसी चीजें नींद के पैटर्न पर बहुत प्रभाव डालती हैं। ये आपको थका देती हैं, जिससे रात को आप ठीक प्रकार से नहीं सो पाते.

शारीरिक नकारात्मक फोर्स : कई लोग शुरू से ही आलसी होते हैं और उनके जीवन का नजरिया हमेशा ही नकारात्मक होता है. ऐसे लोगों को अपने रूटीन में योगा, ध्यान और पूजा को शामिल करना चाहिए जिससे उनके जीवन में सकारात्मकता आ सके, रात्रिभोज भरपेट न करें = कुछ लोगों का सोचना है कि यदि वे रात में पेट भर कर खाएंगे तो उन्हें अच्छी नींद आएगी मगर ऐसा नहीं होता है. रात को पेट थोड़ा खाली रख कर ही सोना चाहिए नहीं तो वह ठीक से पच नहीं पाएगा.

दिनभर फ्रेश रहने के लिए क्या करें : अगर दिन में बहुत नींद आ रही है तो आधे घंटे की झपकी ले सकते हैं. अपच की वजह से आपको नींद और थकान महसूस हो सकती है. ऐसे में अपने आहार में अदरक और काली मिर्च को जगह दें. आप चाहें तो बिना दूध वाली अदरक की चाय पी सकते हैं. नियमित व्यायाम करें, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़े तो आप फ्रेश रहें.

अच्छी तरह सोने के लिए क्या करें : अपने कमरे की खिड़कियां और दरवाजे हमेशा खुले रखें, जिससे फ्रेश हवा और रोशनी आए. इससे आप हमेशा ऊर्जा से भरे रहेंगे. कुर्सी पर हमेशा सीधे और अलर्ट बैठें. योगा और प्रणायाम करें. इससे आप एनर्जी से भर उठेंगे. प्रोषण युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें. फलों को अधिक शामिल करें. जूस आदि पिएं. सुबह की सैर करें. जिम में वर्कआउट करें. इन सभी को अपनाएंगे तो हमेशा फिट एंड फाइन रहेंगे.

बच्चों को ऐसे बचाएं डेंगू से ध्यान रखने योग्य बातें

ये तो आप जानते ही हैं डेंगू एडिस इजिप्टी मच्छर के काटने से होने वाला वायरल इंफेक्शन है। इस इंफेक्शन के शरीर में फैलने से फीवर होने लगता है और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ने लगते हैं। पिछले कुछ सालों में डेंगू ने बहुत तेजी से अपने पैर पसारे हैं। डेंगू होने से ना सिर्फ गंभीर रूप से आप बीमार पड़ सकते हैं। बल्कि इससे जान तक जा सकती है।

एशियाई और लैटिन अमेरिकी देशों में बच्चों को इंफेक्शन पर डेंगू वायरल हो रहा है। बेशक अभी डेंगू का कोई ठोस इलाज मौजूद नहीं है लेकिन सही समय पर इसका इलाज और इससे बचाव ही एकमात्र उपाय है। बच्चों को डेंगू के इंफेक्शन से बचाने के लिए हम यहां कुछ उपाय सुझा रहे हैं।

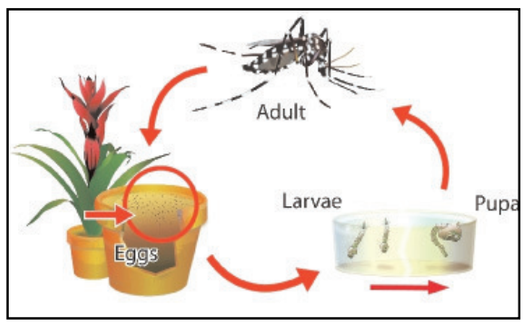

डेंगू वायरस सिर्फ व्यस्कों को ही नहीं बल्कि बच्चों को भी खासा प्रभावित करता है।

दरअसल बच्चे बेहद संवेदनशील होते हैं, ऐसे में बच्चों को डेंगू से बचाने के लिए बच्चों की एक्स्ट्रा केयर करना बेहद जरूरी है।

बच्चों की एक्स्ट्रा केयर ऐसे करें : बच्चों को डेंगू से बचाने के लिए मानसून के मौसम में घर या घर के आसपास पानी जमा ना होने दें क्योंकि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता हैं। बच्चों को पूरी बाजू के कपड़े पहनाकर रखें। साथ ही ट्राउजर भी ऐसे पहनाएं जिससे बच्चे के पैर पूरी तरह ढके रहें। इतना ही नहीं, बच्चे को मौजे भी पहनाकर रखें। बच्चों को डेंगू के प्रभाव से बचाने के लिए हल्के रंग के कपड़े पहनाएं क्योंकि मच्छर ज्यादातर गहरे रंगों की ओर आकर्षित होते है। सिट्रोनेल ऑयल बेस्ड क्रीम और स्प्रे का इस्तेमाल करें या फिर हर्बल मच्छर निरोधक का उपयोग करें। जब बच्चा सो रहा हो तो उसके आसपास मॉस्किटो नेट लगाएं। यदि बच्चे के कमरे में खिड़कियां है तो खिड़कियों पर जाल लगवाएं जिससे मच्छर अंदर ना आ पाएं।

एयरकंडीशन होने से भी मच्छर नहीं आते : बच्चे को डेंगू प्रभावित जगहों पर ना लेकर जाएं। बच्चे को गंदगी वाली जगहों से दूर रखें यदि बच्चे को कहीं बाहर डस्ट में लेकर भी जा रहे हैं तो फेसमास्क पहनाएं। बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, ऐसे में डेंगू के रोगियों से बच्चों को दूर रखें। अगर कुछ दिनों के लिए घर बंद करके जा रहे हैं तो घर की नालियां, टॉयलेट जैसी जगहों को ढककर जाएं। घर में जगह-जगह मॉस्कीटो रिपेलेन्ट लगाएं। एंटीमॉस्कीटो क्रीम भी लगा सकते हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें: - यदि बच्चा 2 साल से छोटा है तो बच्चे को डीट मॉस्किटो क्रीम लगाने या स्प्रे करने से बचना चाहिए। - यदि बच्चा 3 साल से छोटा है तो उसे नीलगिरी का तेल लगाने से बचें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ह्रुचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

चार व्यक्तियों को अदालत में पेश किया गया. इल्जाम था कि वे पार्क में बैठे जुआ खेल रहे थे. जज ने बारी-बारी से उनसे पूछा. पहले ने कहा, मै उस दिन यहां था ही नहीं. सबूत के तौर पर अपने ट्रैवल एजेंट से रेल टिकट की रसीद दे सकता हूं.

दूसरा बोला - 'उस दिन मैं घर पर बुखार में पड़ा था. डॉक्टर का सर्टीफिकेट पेश कर सकता हूं.'

तीसरे का जवाब था, 'मैने आज तक कभी जुआ नहीं खेला, ताश को हाथ तक नहीं लगाया.'

चौथा चुपचाप खडा रहा.

उससे पूछा, और तुम भी जुआ नहीं खेल रहे थे?

वह बोला, जी मैं अकेला जुआ कैसे खेल सकता हूं.

☺ ☺ ☺

दूध वाला- बीबी जी, कल से दूध पचास पैसे महंगा हो जायेगा.

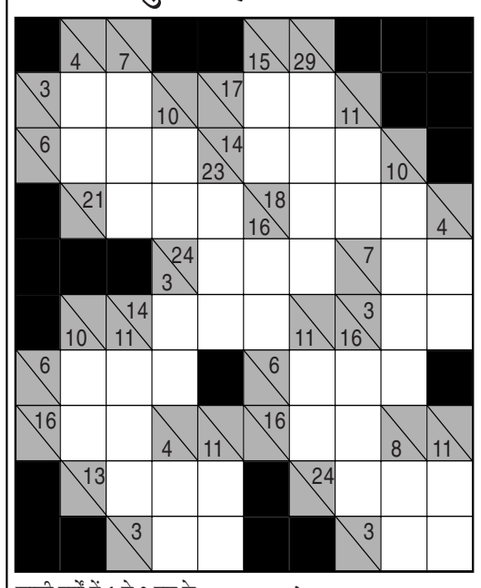

महिला - क्यों, दूध के दाम क्यों बढ़ा रहे हो?

दूध वाला - क्योंकि मुझे भी अब पानी का बिल भरना पड़ता है.

☺ ☺ ☺

शराबी (अजय से) - शराब से ज्यादा नुकसान तो पानी ने पहुंचाया है.

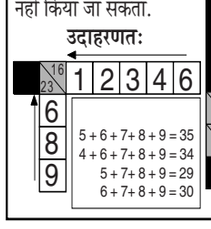

अजय - नहीं , आप गलत कह रहे हैं.

शराबी- क्यों भाई साहब, क्या पिछले साल बाढ़ से हजारों लोग नहीं मरे थे क्या?

काकुरो पहेली - 4088

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

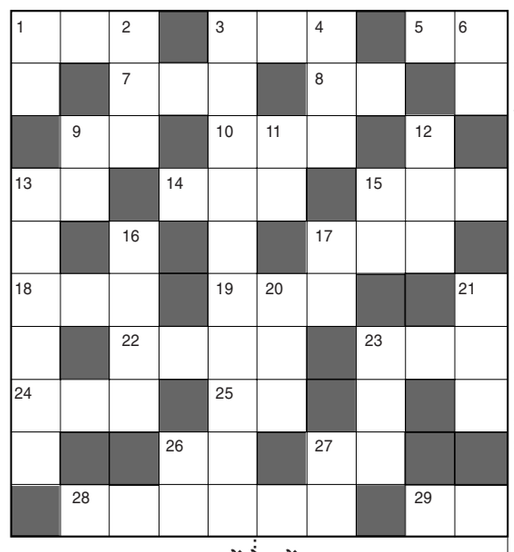

उदाहरणत:

16 / 23	1	2	3	4	6
6					
8					
9					

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो 4087 का हल

फिल्म वर्ग पहेली-4088

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4087

सं	न्या	सी		ह	मे	शा		खौ	फ
ध्या		मा	सू	म		र	क्षा		र्ज
	रो		र		सौ	दा		त्रि	
ना	जा	य	ज		त		श्री	दे	वी
ग		की		जा	न	म		व	
म	हा	न		गृ		द	म		मा
णि			प्र	ति	का	र		ज	या
	फ	र	हा		लि			मा	
गँ	की		र	जि	या	सु	ल्ता	न	
	रा	खी		स्म		र		त	ब्बू

सूडोकु -4088

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4087 हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली -4088

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी -2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली 4087 का हल

	य	ती	म	खा	ना		म	हा	वी	र
क	क्ष		हा		ना	ह	क		र	म
हा		ना	न	सें	स		र	मा		जा
नी	र	व	ता		सु	र		न	म	न
का		खे		अ	र	क्त			सी	
र	वा	ना	हो	ना		पा	ल	न	हा	र
	ह			चा	ह	त		का		च
का	न	न		र	म		ब	र	सा	ना
म		र	ज		स	का	र	ना		का
धा	र		खि	ला	फ		स		भो	र
म	स	ख	रा		र	म		ता	जो	गी

एकेटीयू के खाते से साइबर अपराधियों ने पार कर दिए 120 करोड़ रुपये, सात गिरफ्तार, 119 करोड़ बरामद

एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ एकेटीयू विश्वविद्यालय के खाते से साइबर अपराधियों ने 120 करोड़ रुपये की रकम पार कर दी। पूरी रकम एक ट्रस्ट के खाते में ट्रांसफर की गई। साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज की गई। टीम ने यूपी और गुजरात से सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रेस वार्ता कर वारदात का खुलासा करेगी। साइबर क्राइम थाने में एकेटीयू की तरफ से 12 जून को एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिसमें बताया गया था विवि के यूनियन बैंक खाते से 120 करोड़ रुपये पार किए गए हैं। तफ्तीश में सामने आया कि गुजरात की एक ट्रस्ट के खाते में ये पूरी रकम ट्रांसफर की गई है। तीन टीमों ने मिलकर सूरत से मास्टरमाइंड को दबोचा और फिर एक के बाद एक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। 119 करोड़ रुपये की रिकवरी भी की। अपराधी सिर्फ एक करोड़ रुपये ही खर्च कर पाए थे।

प्रमोद सावंत ने प्रदेशवासियों को दी गोवा क्रांति दिवस की शुभकामनाएं

पणजी। मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत सुबह गोवा क्रांति दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन आजाद मैदान में किया गया। उन्होंने प्रदेश के सभी लोगों को गोवा क्रांति दिवस की शुभकामनाएं देते हुए डॉ. राममनोहर लोहिया के योगदान का स्मरण किया। उन्होंने एक्स हैंडल में लिखा है, ' यह दिन मातृभूमि के लिए गोवावासियों की एकता और भावना का प्रतीक है। मैं इस आंदोलन के नेता स्वर्गीय डॉ. राम मनोहर लोहिया और इस संघर्ष का हिस्सा बने क्रांतिकारियों को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।'

नुमाइश चौराहा का एक करोड़ सात लाख बहत्तर हजार रुपये से होगा सुंदरीकरण

हरदोई। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो नुमाइश चौराहे का सुंदरीकरण हो जाएगा। उप्र राज्य पर्यटन विकास निगम ने नुमाइश चौराहा के सुंदरीकरण के लिए टेंडर आदि की प्रक्रिया शुरु कराई है। शहर के ऐतिहासिक नुमाइश मेला मैदान के पास ही चौराहा होने से इसका नाम नुमाइश चौराहा पड़ा है। वैसे तो नुमाइश चौराहा पर पहले अधिक चौड़ाई में फव्वारा लगा था। साल 2020 में तत्कालीन डीएम ने इसके फव्वारा की चौड़ाई को यातायात के दबाव के लिए लिहाज से कम करा दिया था। यहां पर अभी भी फव्वारा और जलपरी की प्रतिमा लगी हुई हैं। उप्र राज्य पर्यटन विकास निगम ने पर्यटन विकास के लिए उद्देश्य नुमाइश चौराहा के सुंदरीकरण के लिए स्वीकृति और राशि भी जारी की है। 13 मार्च को शासन ने 1,07,72,000 रुपये की स्वीकृति के साथ ही 75,000 रुपये जारी किए। 16 मार्च को लोकसभा चुनाव की अधिसूचना प्रभावी हो गई। अधिसूचना के कारण काम तो दूर प्रक्रिया भी शुरु नहीं हो सकी थी। अब पर्यटन निगम ने अब काम कराए जाने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरु की है। बताया गया कि नुमाइश चौराहा के सुंदरीकरण के साथ ही यहां पर महापुरुष की प्रतिमा भी लगवाया जाना है प्रस्तावित है। पर्यटन अधिकारी दीपांकर चौधरी ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया शुरु की गई है। टेंडर होते ही काम शुरु कराया जाएगा।

नाना पटोले ने पार्टी कार्यकर्ता से धुलवाए पैर, भाजपा ने वीडियो शेयर कर कसा तंज

नई दिल्ली । महाराष्ट्र में कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नाना पटोले का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कांग्रेस नेता पार्टी के कार्यकर्ता से अपने पैर पानी से साफ करवाते हुए नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र के अकोला जिले के वाडेगांव में नाना पटोले के पैर कीचड़ में धंस गया था। इसके बाद कार्यकर्ता ने पानी से उनका पांव धोया।

वीडियो में देखा जा सकता है कि नाना पटोले अपनी गाड़ी में बैठे हुए हैं और कार्यकर्ता उनका पैर धोते हुए दिख रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद नाना पटोले भाजपा और सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गए हैं। महाराष्ट्र भाजपा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता नाना पटोले का वीडियो शेयर किया है। भाजपा ने एक्स पर लिखा, 'कांग्रेस ने लोगों को हमेशा पैरों की धूल समझा है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के पैर कीचड़ में सन गए तो उन्होंने एक कार्यकर्ता से पैर धोने को कहा। अगर सत्ता उनके हाथ में चली गई तो गरीबों का यही हाल होगा... यह वीडियो प्रमाण है।' बता दें कि इससे पहले नाना पटोले ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि वह (सीएम योगी) अपने आप को संत बताते हैं और भगवा कपड़े पहनते हैं। सीता जी को जब रावण चुराने आया था तब वह भी भगवा कपड़ा पहन कर आया था। भगवा पहनकर गलत नीतियों का समर्थन करना गलत है इसके अलावा नाना पटोले ने राम मंदिर को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। नाना पटोले ने लोकसभा चुनाव के बीच कहा था कि केंद्र में हमारी सरकार आएगी, तो राम मंदिर का शुद्धीकरण किया जाएगा।

यूपी में गर्मी से हाहाकार: आगरा में 46.3 डिग्री पहुंचा पारा, तीन युवकों की मौत

एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश में गर्मी चरम पर है, तो वहीं आगरा में 46.3 डिग्री तापमान और लू के थपेड़ों से हाल बेहाल रहा। भीषण गर्मी में तीन युवकों की मौत हो गई, तो वहीं चार सैलानियों की तबीयत स्मारकों में खराब हो गई। आगरा किला में दो और ताजमहल पर दो सैलानियों को प्राथमिक उपचार दिया गया।

गर्मी में लू के थपेड़े जानलेवा हो गए हैं। लू से तीन युवकों की मौत हो गई। ताजगंज क्षेत्र के नगला तल्फी में रामलखन (30) और तोरा में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास एक युवक का शव मिला है। केंद्रीय हिंदी संस्थान रोड पर इंदल ने दम तोड़ दिया। वह इंदौर का रहने वाला था। मजदूरी करता था। प्रभारी निरीक्षक ताजगंज ने बताया कि नगला तल्फी में रामलखन का शव एकता चौकी, टीवी टावर के पास मिला। तोरा में बैंक के पास मिले शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। दोनों की मृत्यु गर्मी से हुई है। दोनों मजदूर

थे।

लू से चार सैलानियों की बिगड़ी तबीयत

ताजमहल में ईद की नमाज के बाद आई प्रिया की तबीयत खराब हो गई। वह लू के कारण पश्चिमी गेट की ओर गिर गईं। उनकी तरह ही विशाखापत्तनम से आए श्रीभल्ल वीरभद्रास्वामी को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कर्मचारी डिस्पेंसरी ले गए, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। आगरा किला में बनी डिस्पेंसरी में जितेंद्र यादव और सुमित सौन को उपचार दिया गया। एएसआई की 'मे आई हेल्प यू' टीम ने उन्हें दीवान-ए-आम परिसर में लू से तबीयत बिगड़ने पर ओआरएस का पाउडर दिया और डिस्पेंसरी लेकर पहुंचे।

लू की वजह से बदल दिया रास्ता

ताजमहल में गर्मी के कारण पर्यटकों के बेहोश होकर गिरने के मामलों के बाद गाइड और फोटोग्राफर पर्यटकों को म्यूजियम की ओर से लेकर जा रहे हैं। रॉयल गेट से प्रवेश के बाद पर्यटक नहरों के किनारे पाथवे से ही ताज के मुख्य गुंबद तक जाते थे। अब ज्यादातर पर्यटकों ने रास्ता बदल दिया है। ताजमहल में नहर के दोनों ओर दो पाथवे और हैं, जो पेड़ों से घिरे हैं। यहां घने पेड़ों की छांव है। बीच वाले और म्यूजियम से सटे पाथवे से पर्यटकों ने तेज धूप में निकलना शुरू कर दिया है। मुख्य गुंबद को देखकर लौटने वाले भी अब नक्कारखाने की ओर से लौट रहे हैं।

कंचनजंघा दुर्घटना मामले में जीआरपी ने दर्ज किया लापरवाही का केस

एजेंसी

कोलकाता। कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना को लेकर न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन (एनजेपी) के रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एक यात्री ने यह शिकायत दर्ज कराई है। सोमवार रात जीआरपी को लिखित शिकायत दी गई, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया।

सुबह फांसीदेवा में एक मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी। जिसके चलते एक्सप्रेस के पिछले हिस्से की बोगियां पटरी से उतर गई। हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। कई अन्य घायल हो गये हैं। उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इन सभी का इलाज जारी है।घायल यात्रियों में से एक ने रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। लापरवाही, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उस शिकायत के आधार पर जांच करेगी। घटना की जांच रेलवे पुलिस के साथ-साथ रेलवे भी करेगा। जांच पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य सुरक्षा आयुक्त जनक कुमार गर्ग की देखरेख में होगी। यह जांच प्रक्रिया बुधवार यानी 19 जून से शुरू होगी। उत्तर पूर्व रेलवे ने कहा कि अगर आम जनता को दुर्घटना के बारे में कोई जानकारी है तो वे इसकी सूचना जांच आयोग को दे सकते हैं। आयोग न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पर एडीआरएम (अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक) के कार्यालय में बैठेगा। इसके अलावा रेलवे ने यह भी कहा कि इस हादसे से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी सीधे सुरक्षा आयुक्त को पत्र भेज कर दी जा सकती है।

दिल्ली में नीट पर बवाल, आम आदमी पार्टी का जंतर-मंतर पर हल्ला बोल

एजेंसी

अयोध्या। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट के पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली समेत देशभर में प्रदर्शन हो रहा है। छात्रों की मांग है कि नीट का एग्जाम दोबारा से कराया जाए। वहीं दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भी केंद्र के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

आम आदमी पार्टी ने अपने ऑफिशियल एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया है कि नीट एग्जाम में हुए घोटाले के खिलाफ जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी का हल्ला बोल शुरू हो चुका है। आप ने कहा कि देश के भविष्य युवाओं के साथ अन्याय बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

आज सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर दायर

याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से कई तीखे सवाल किए। कोर्ट ने कहा कि अगर नीट परीक्षा में 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई है तो उससे निपटा जाना चाहिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और इस मामले में जवाब दाखिल करने को कहा है।

कंचनजंगा एक्सप्रेस हादसा: ट्रैक की मरम्मत के बाद अप एवं डाउन लाइन शुरू

एजेंसी

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के कटिहार डिवीजन के रंगापानी और चत्तरहाट स्टेशनों के बीच ट्रेन हादसे वाले ट्रैक की मरम्मत के लिए पूसीरे के अभियंता एवं कर्मचारी 24 घंटे काम कर रहे हैं। पूसीरे के सीपीआरओ सव्यसाची डे ने बताया है कि आज सुबह 07:30 बजे डाउन लाइन को बहाल कर दिया गया। ट्रेनों का परिचालन धीरे-धीरे एक लाइन से शुरू हो गया है। अप लाइन को बीती रात में ही खोल दिया गया था।

उल्लेखनीय है कि सुबह अगरतला-सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस (43174 डाउन) को पूसीरे के कटिहार डिवीजन के रंगापानी और चत्तरहाट स्टेशनों के बीच कंटेनर लदी एक मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी थी। इस हादसे में सात यात्री, दो रेल कर्मी समेत 9

लोगों की मौत हो गई, जबकि, 41 यात्री घायल हो गए। इनमें नौ की हालत गंभीर थी। सीपीआरओ ने बताया है कि अप लाइन (न्यू जलपाईगुड़ी की ओर जाने वाली ट्रेनें) को बीती रात 17.40 बजे तक बहाल कर दिया गया था। डाउन लाइन आज सुबह 07:30 बजे बहाल हो गई है। ट्रैक की मरम्मत के बाद इस सेक्शन में पहली मालगाड़ी चलाई गई। सारे परीक्षण पूरे होने के बाद यहां से यात्री ट्रेनों की सेवा को बहाल करने की कोशिश की जा रही है।

हादसे से सबक...हाईवे पर रात के समय यात्री और पर्यटक वाहनों के संचालन पर लगेगी रोक

एजेंसी

देहरादून। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रैंतोली में हुए टेंपो-ट्रैवलर हादसे के बाद प्रशासन और पुलिस जिले में व्यवस्थित यातायात के लिए कार्ययोजना बनाने में जुट गए हैं। रात के समय जिले में यात्री व पर्यटक वाहनों का संचालन पर रोग लगाने की तैयारी की जा रही है। साथ ही दिन के समय जनपद में पहुंचने वाले बाहरी व स्थानीय वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग पर कितनी गति में दौड़ रहे हैं, इसके लिए परिवहन विभाग स्पीड मीटर लगाएगा।

बेतरतीव वाहनों के संचालन पर रोक लगाने और आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन व पुलिस रात्रि के समय हाईवे पर वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की तैयारी में हैं। ऋषिकेश-बदरीनाथ व रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर डेंजर जोन और स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए वाहनों को रात के समय रुद्रप्रयाग से आगे नहीं

जाने दिया जाएगा। पुलिस के अनुसार, इस दिशा में प्रशासन के प्रारंभिक चरण की बातचीत हो चुकी है। जल्द ही योजना को अमलीजामा पहनाते हुए समय तय किया जाएगा। व्यवस्था को कारगर बनाने के लिए खांकरा, नगरासू, चिरबटिया में बैरियर स्थापित कर सीसीटीवी कैमरा से लैस कर सीधे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जोड़ा जाएगा। इन दोनों कार्यालयों से जिले की सीमाओं और हाईवे पर संचालित यातायात की मॉनीटरिंग की जाएगी। दूसरी तरफ परिवहन विभाग भी जिले में दौड़ रहे वाहनों की गति की मापन की तैयारी कर रहा है। तेज रफ्तार पर नियंत्रण के लिए स्पीड मीटर लगाने के लिए विभगीय स्तर पर कार्ययोजना बनानी जा रही है। वाहनों पर रिकार्डिंग कैमरा से छोटी-बड़ी दुर्घटना के कारणों की पूरी जानकारी मिल सकेगी। रैंतोली में हुए टेंपो-ट्रैवलर हादसे के बाद प्रशासन इस दिशा में भी सोच रहा है कि, जिले में आने वाले निजी व सरकारी यात्री व पर्यटक वाहनों पर रिकार्डिंग कैमरा अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए। ऐसे में वाहन के पूरे सफर के बारे में जहां जानकारी मिलेगी। वहीं, अगर दुर्घटना होती है तो उसके कारणों की प्रत्यक्ष जानकारी मिल सकेगी।

शिवराज सिंह ने विधायक पद से दिया इस्तीफा, कहा- आज मैं बहुत भावुक हूं

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की विदिशा लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने और केंद्र में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह जानकारी उन्होंने स्वयं सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। वे पिछले साल मप्र में हुए विधानसभा चुनाव में बुधनी विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे। शिवराज सिंह चौहान ने देर शाम एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि आज मैं बहुत भावुक हूं। मैंने मध्यप्रदेश विधानसभा की सदस्यता से त्याग-पत्र दिया है। मैं बुधनी से विधायक था। बुधनी विधानसभा क्षेत्र की जनता मेरे रोम-रोम में रमती है। मेरी हर सांस में बसती है। मैंने बुधनी से ही अपने सार्वजनिक जीवन का प्रारंभ किया था। बचपन से ही आंदोलन और फिर जनता का प्यार लगातार मिलता चला गया। उन्होंने आगे कहा कि इसी

बुधनी विधानसभा क्षेत्र से मैं छह बार विधायक रहा। मैं पिछला विधानसभा चुनाव यहां से रिकॉर्ड वोटों से जीता था। लोकसभा चुनाव में भी मुझे यहां की जनता ने रिकॉर्ड जीत दिलाई। जनता की सेवा मैंने पूरे मन से की है। जनता की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है। जनता के इस प्यार पर मेरा पूरा जीवन न्यौछावर है। मैं जनता की सेवा में लगा रहूंगा।

जम्मू कश्मीर: रक्षा प्रमुख जनरल अनिल चौहान ने कहा- जंगलों में छुपे आतंकियों का ढूंढ कर करें सफाया

एजेंसी

जम्मू । जम्मू संभाग में पिछले सप्ताह चार दिन में चार आतंकी हमलों के बाद यहां पहुंचे ऑफ आर्मी स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों से कहा है कि जंगलों में छुपकर बैठे आतंकियों को बाहर निकाल कर खत्म करें। दहशतगर्दों को जंगलों से निकलकर बाहर कोई हरकत करने का मौका न दें। इसमें ध्यान रखें कि अपना कोई नुकसान न हो। सीडीएस ने उत्तरी कमान मुख्यालय उधमपुर और व्हाइट नाइट कोर का दौरा हाल में हुए आतंकी हमलों को लेकर सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने सेनाओं के सभी विंग के बीच तालमेल, एकजुटता और एकीकरण पर अधिकारियों को संबोधित किया।

सीडीएस ने उत्तरी कमान में संचालन में उनकी व्यावसायिकता और एकजुटता के लिए सेना और वायु सेना के सभी रैंकों की सराहना की। इस दौरान 29 जून से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा की तैयारियों पर भी चर्चा की। उन्होंने सेना के जवानों

और अफसरों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। जनरल चौहान ने नगरोटा में 16 कोर मुख्यालय में सुरक्षा स्थिति और सुरक्षा बलों की परिचालन तैयारियों की भी समीक्षा की। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर और जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) सहित सेना के शीर्ष कमांडरों ने तैयारियों की जानकारी दी। जम्मू क्षेत्र में बढ़ते आतंकी हमले हुए थे। इनमें 9 यात्रियों की मौत और एक सीआरपीएफ जवान बलिदान हो गया था। सात अन्य जवान घायल हुए थे। कठुआ जिले में मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए थे। 11 जून को आतंकियों ने भद्रवाह के छत्रगलां में राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की संयुक्त चौकी पर गोलीबारी की, जबकि 12 जून को डोडा के गंदोह में एक गश्त दल पर हमला किया था। इसमें एक पुलिसकर्मी सहित सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे।

दो दिन पहले शाह ने की थी सुरक्षा समीक्षा बैठक

दो दिन पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की थी। इसके बाद सीडीएस का दौरा अहम माना जा रहा है। सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को पूरी ताकत के साथ आतंकियों का सफाया करने के लिए कहा गया है। आतंकवाद से मजबूती से निपटने की रणनीति तैयार करने पर जोर दिया गया।

पिछले सप्ताह हो चुके चार आतंकी हमले

बताते चलें कि पिछले सप्ताह चार दिनों के भीतर रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर

एसीएम ने टिकट काउंटर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये

एजेंसी

सहरसा। समस्तीपुर मंडल के एसीएम के सहरसा आगमन पर सभी रेल खंड पर टिकट चेकिंग व्यवस्था बढ़ा दी गई है। जयनगर से मनिहारी जाने वाली जानकी एक्सप्रेस में जंक्शन पर एसीएम आरके सिन्हा और समस्तीपुर डीसीआई राजेश रंजन श्रीवास्तव ने स्पेशल चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के तहत महिला कोच दिव्यांग कोच और एसएलआर कोच में अवैध रूप से यात्रा करने वाले यात्रियों में हडकंप मच गया, जिसके बाद गरीब रथ इंटरसिटी एक्सप्रेस जनहित एक्सप्रेस में भी चेकिंग अभियान चलाया गया। जंक्शन पर मजदूर यात्रियों को भीड़ को देखते हुए एससीएम आरके सिन्हा और डीसीआई राजेश रंजन श्रीवास्तव साहित्य अन्य रेल अधिकारियों ने टिकट काउंटर का निरीक्षण किया। साथ ही भीड़ को देखते हुए सभी टिकट काउंटर खोलने का निर्देश जारी किया गया है। इसके अलावा लगातार अनाउंसमेंट करने का भी निर्देश जारी किया गया है। वहीं यात्रियों को फुट ओवर ब्रिज पर नहीं बैठने की सलाह दी गई है।

प्लेटफार्म बदलने के दौरान फुट ओवर ब्रिज का प्रयोग करने का भी यात्रियों को सलाह दी गई है। वही अनाउंसमेंट के जरिए भी यात्रियों को इस बारे में सूचना देने के लिए निर्देश जारी किया गया है। रेल अधिकारियों ने गर्मी को देखते हुए यात्रियों के पीने का पानी और वाटर कूलर का भी निरीक्षण किया।हालांकि भीड़ को देखते हुए शनिवार को ही रेल अधिकारियों द्वारा सहरसा से अमृतसर के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

नदी में डूबने से अधेड़ की मौत

पूर्णिया। मोहनपुर थाना क्षेत्र के लालगंज गांव के एक अधेड़ की मौत नदी में डूबने से हो गई । वह अपने खेत को देखकर जब घर लौट रहे थे। नदी किनारे जैसे ही पहुंचे उनका पैर फिसल गया तथा उनकी डूबकर मौत हो गई । ग्रामीण सह वार्ड सदस्य प्रेम कुमार एवं सामाजिक कार्यकर्ता मो मुजाहिर आलम ने बताया कि गांव के अर्जुन राय जिनकी उम्र 55 थी। बिंदटोली के सामने अपने खेत देखने नदी पार गए थे ।

उसी समय उन्हें शौच लगा । वे नदी किनारे चले आए तथा शौच करने के बाद जैसे ही नदी के पानी के पास गए उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए । तैरना नहीं जानने के कारण वे डूब गए । संयोग से उनका भाई भी दूर था, जो उन्हें डूबता देख उन्हें बचाने दौडे, परंतु वे नदी के गहरे पानी में चले गए । उन्होंने शोर मचाया । मौके पर स्थानीय लोग नाव आदि लेकर दौडे तथा किसी प्रकार उन्हें पानी से निकाला तथा अंझरी ले गए ।

सैर पर निकले सीएम धामी, खुद बनाई अदरक की चाय, लोगों की समस्याएं भी सुनी

एजेंसी

नैनीताल। नैनीताल प्रवास पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मॉर्निंग वॉक के दौरान आम लोगों से मुलाकात की। चाय की दुकान पर रुककर खुद अपने हाथ से अदरक कूटकर चाय बनाने में सहयोग किया। इसी बीच मैदान में खेल रहे खिलाड़ियों के पास जाकर उन्होंने उनकी समस्याएं पूछी और अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बीपी पाण्डेय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया और मरीजों से मुलाकात की। उनकी कुशलक्षेम पूछी और अस्पताल प्रबंधन को स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार के निर्देश दिए।

मॉर्निंग वॉक के दौरान आम लोगों से मिलना, उनकी समस्याओं को पूछना और सरकार के कामकाज का फीडबैक लेना मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दिनचर्या का एक हिस्सा रहा है। वह देहरादून में हों या फिर राज्यों के भ्रमण पर, हमेशा सुबह की सैर करते हैं और आम लोगों से रूबरू होते हैं।

मंगलवार की सुबह धामी नैनीताल में मॉर्निंग वॉक पर निकले। चाय की दुकान पर खड़े लोगों से उन्होंने बातचीत की। उनसे पूछा कि उत्तराखंड में सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में और क्या कदम उठाए जा सकते हैं। बातचीत के दौरान ही धामी ने चाय के लिए खुद अदरक कूटा। मुख्यमंत्री की सादगी और सहजता को देखकर स्थानीय लोग अचंभित रह गए। इसके बाद मुख्यमंत्री की नजर पास में स्थित खेल के मैदान में पड़ी, जहां युवा खेल रहे थे। धामी खिलाड़ियों के बीच पहुंचे, उन्होंने खेल और सुविधाओं से संबंधित दिक्कतें पूछीं।

मौके पर ही अधिकारियों से बात की और खिलाड़ियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को कहा। बाद में मुख्यमंत्री बी.डी. पांडेय अस्पताल पहुचें। उन्होंने वार्ड में जाकर मरीजों से मुलाकात की। अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।

वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।

बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।

किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

- खाली टॉयलेट पेपर रोल
- खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस
- प्लास्टिक कप्स
- दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स
- बबल रैप
- पेपर बैग
- किचन स्पोंज

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।

जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्योफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।

इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद हैं जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.

इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है.

कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.

रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या

इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

समाधान

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।

मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुनः विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।

महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहा के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।

महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।

महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।

सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।

तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।

महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अतः इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।

ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।

उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।

राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।

महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।

कैसा समाधान मंत्री जी?

महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।

महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?

महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।

किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!

महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।

राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुनः विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।

महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफ़सोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।

जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।

जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।

तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

पावो नूरमी गेम्स 2024: नीरज चोपड़ा ओलंपिक की तैयारी फिर से शुरू करने के लिए तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। चोट से उबरने के लिए थोड़े समय के ब्रेक पर जाने के बाद ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मंगलवार को यहां पावो नूरमी खेलों में कई बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी करेंगे। 26 वर्षीय सुपरस्टार, जो इस स्पर्धा में एकमात्र भारतीय हैं, का मुकाबला जर्मनी के किशोर खिलाड़ी मैक्स डेहिंग से होगा, जो प्रतिष्ठित 90 मीटर क्लब के सबसे युवा सदस्य हैं, जिसमें चोपड़ा प्रवेश करना चाहते हैं। 19 वर्षीय खिलाड़ी को चोपड़ा के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है, जब वह पेरिस में टोक्यो खेलों में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करेंगे। स्थानीय पसंदीदा ओलिवर हेलैंडर, जिन्होंने 2022 के एक दिवसीय प्रतियोगिता में भारतीय को हराया था, भी वहां होंगे। भारतीय ने 2022 में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था, जो उस समय उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ था। चोपड़ा ने उसी वर्ष डायमंड लीग के स्टॉकहोम चरण में उस अंक को 89.94 मीटर तक सुधारा।

सुपर-8 से पहले भारतीय टीम की बढ़ी चिंता, विस्फोटक बल्लेबाज के हाथ में लगी चोट

बारबाडोस। दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव चोटिल हो गए। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उनके हाथ में चोट लग गई जिसने टीम इंडिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। दरअसल, बीते दिन भारतीय टीम ने बारबाडोस के ब्रिजटाउन में प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत की। इस दौरान स्टार बल्लेबाज को नेट पर बल्लेबाजी करते समय हाथ पर चोट लग गई जिसके बाद फिजियो पहुंचे और उन्हें प्राथमिक इलाज दिया। इसके बाद स्टार खिलाड़ी ने एक बार फिर बल्लेबाजी की।

न्यूयॉर्क में भारत ने खेले तीन मैच

भारत गुरुवार को बारबाडोस में अपने पहले सुपर 8 मैच में अफगानिस्तान से भिड़ेगा। यह 2007 के चैंपियन के लिए कैरिबिया में पहला मैच होगा। दरअसल, टीम ने ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच अमेरिका में खेले थे। भारत ने न्यूयॉर्क में तीन मैच खेले जबकि शनिवार को फ्लोरिडा में कनाडा के खिलाफ उनका आखिरी मैच बारिश के कारण धुल गया, जिसकी वजह से भारत को अपनी प्लेइंग 11 के साथ प्रयोग करने का मौका नहीं मिला।

पूरन ने एक ओवर में 36 रन बनाकर की युवराज सिंह की बराबरी

ग्रॉस आईलेट। वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के बीच मंगलवार को ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला खेला गया। इस मैच में वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन ने विस्फोटक प्रदर्शन किया। उन्होंने विरोधी टीम के खिलाफ 98 रनों की दमदार पारी खेली। हालांकि, वह शतक बनाने से चूक गए। वह नर्वस 90 का शिकार हो गए। इसके अलावा उन्होंने एक ओवर में 36 रन बनाकर युवराज सिंह की बराबरी कर ली है। टी20 विश्व कप 2024 का 40वां मैच डैरन सैमी राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में निकोलस पूरन की 98 रनों की दमदार पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 218 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम 16.2 ओवर में 114 रनों पर ऑलआउट हो गई। इब्राहिम जादरान (38) के अलावा उनका कोई बल्लेबाज नहीं चला। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने यह मुकाबला 104 रन से जीत लिया। इस टूर्नामेंट में अफगानिस्तान को पहली शिकस्त मिली।

ट्रंप के साथ अपने संबंध सार्वजनिक करने से बचती दिखीं सेरेना, कहा- मैंने कई राष्ट्रपतियों से बातचीत की

ट्रंप के साथ अपने संबंध सार्वजनिक करने से बचती दिखीं सेरेना, कहा- मैंने कई राष्ट्रपतियों से बातचीत की

वाशिंगटन। टेनिस सुपरस्टार सेरेना विलियम्स इन दिनों इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि उनका नाम लगातार अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कॉल सूची में है। जब सेरेना से ट्रंप के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा गया तो वह रक्षात्मक हो गईं और उन्होंने अपने संबंधों को सार्वजनिक करने से इन्कार कर दिया। सेरेना एक साक्षात्कार में शामिल हुईं। इस दौरान रिपोर्टर ने सेरेना से संभावित रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा। हालांकि विलियम्स ने सवाल को ठीक से नहीं लिया। तुरंत जवाब देते हुए कहा, मेरा मतलब है, क्या यह साक्षात्कार इसी बारे में है? सेरेना के पूछने के बाद भी रिपोर्ट अपने सवाल पर कायम रहा। उसने जिज्ञासा व्यक्त करते हुए कहा, जब किसी को राष्ट्रपति से बात करने का मौका मिलता है।

यूरो 2024 : फ्रांस के कप्तान एमबाप्पे की नाक टूटी,अगले मैचों में खेलने पर संदेह

एजेंसी

डसेलडोर्फ। यूरो 2024 के ग्रुप चरण में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बावजूद, डिडिएर डेसचैम्प्स और उनकी फ्रांसीसी टीम चिंता में डूबी हुई है, क्योंकि उनके स्टार खिलाड़ी और कप्तान किलियन एमबाप्पे चोटिल होकर मैच से बाहर चले गए, जिससे संभावित रूप से आगामी खेलों में उनकी भागीदारी प्रभावित हो सकती है।

फ्रांस ने ग्रुप डी के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रिया पर 1-0 से जीत हासिल की, पहले हाफ में एमबाप्पे के क्रॉस से ऑस्ट्रियाई डिफेंडर मैक्सिमिलियन वोबर ने आत्मघाती गोल किया, जो मैच का विजयी गोल साबित हुआ। एमबाप्पे दूसरे हाफ में ऑस्ट्रियाई डिफेंडर केविन डैनसो से टकरा गए। टेलीविजन फुटेज में उनकी नाक चोटिल दिख रही थी और उनकी जर्सी खून से सनी हुई थी। डेसचैम्प्स ने मैच के बाद के साक्षात्कार में संवाददाताओं से कहा कि एमबाप्पे की नाक में गंभीर चोट लगी है।

फ्रांसीसी मीडिया की शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, सोमवार रात एमबाप्पे की नाक की सर्जरी नहीं हुई थी। हालांकि, अगले मैचों के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में रिपोर्ट अलग-अलग हैं। कुछ आउटलेट्स ने सुझाव दिया कि वह शेष दो ग्रुप स्टेज मैचों को मिस करेंगे और नॉकआउट चरणों के लिए वापस लौटेंगे, जबकि अन्य ने बताया कि नीदरलैंड के खिलाफ अगले गेम को मिस करने की पुष्टि हो गई है, पोलैंड के खिलाफ अंतिम ग्रुप गेम के लिए उनकी स्थिति अभी भी अनिश्चित है।फ्रांस की टीम 21 जून को अपने दूसरे ग्रुप स्टेज मैच में नीदरलैंड का सामना करेगी।

पेरिस ओलंपिक टीम में यदि मैं चुना गया तो यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व की बात होगी: जरमनप्रीत सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के लिए 106 मैच खेलने वाले डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने ब्रेडा में 2018 पुरुष हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में पदार्पण किया, जहां भारत दूसरे स्थान पर रहा। तब से, उन्होंने देश के लिए कई पुरस्कार अर्जित किए हैं, जिसमें मस्कट, ओमान में 2018 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण जीतना और बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतना शामिल है। जरमनप्रीत ने 2023 में हांग्जो में एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीम के साथ स्वर्ण पदक भी जीता। 27 वर्षीय खिलाड़ी हाल ही में एंटवर्प और लंदन में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में शानदार प्रदर्शन करके लौटे हैं, जहाँ उन्हें 24 मई को भारत और बेल्जियम के बीच हुए मैच में अपना 100वाँ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का सम्मान मिला था। 1 जून को जब भारत ने जर्मनी को 3-0 से हराया था, तब उन्हें प्लेयर ऑफ़ द मैच भी चुना गया था, जिसमें उनके दाहिने फ़्लैंक पर लगातार खतरे और गुरजंत सिंह को गोल करने में मदद करने वाले एक शानदार असिस्ट के अलावा उनके अथक रक्षात्मक कर्तव्यों का भी योगदान था। अपने हालिया प्रदर्शनों पर जरमनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, एंटवर्प और लंदन में एफआएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 के मैच एक अच्छा अनुभव रहे। हमें अलग-अलग टीमों के खिलाफ़ खुद को परखने का मौका मिला, जो अलग-अलग संरचनाओं का इस्तेमाल करती हैं। इन मैचों ने हमें अपने खेल में सुधार के क्षेत्रों को पहचानने में मदद की, साथ ही हमारी ताकत की पुष्टि भी की।

मकाबी तेल अवीव ने लगातार दूसरी बार जीता इजरायली लीग का खिताब

एजेंसी

यरूशलम। यूरोलीग टीम मैकाबी तेल अवीव ने लगातार दूसरी और कुल मिलाकर 57वीं बार इजरायली सुपर लीग बास्केटबॉल चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। बेस्ट-ऑफ-थ्री प्लेऑफ फाइनल सीरीज के तीसरे और निर्णायक डर्बी गेम में घरेलू मैदान पर मैकाबी ने हापोएल तेल अवीव को 82-74 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

दक्षिण तेल अवीव के मेनोरा मिवताचिम एरिना में 11,000 प्रशंसकों के सामने हापोएल ने मजबूत टीम डिफेंस प्रदर्शन की बदौलत पहले क्वार्टर के अंत में 24-21 से बढ़त हासिल की। मैकाबी ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में रोमन सोरकिन की अगुआई में 11-0 की बढ़त के साथ जवाब दिया। हालांकि, टॉमर गिनाट और टायलर एनिस ने रेड्स को वापस खेल में ला दिया, जिससे हाफटाइम तक उनका अंतर 38-39 हो गया। जेवियर मुनफोर्ड और गिनाट के अंकों ने हापोएल को 27वें मिनट में 54-48 की बढ़त दिलाने में मदद की, लेकिन सोरकिन के योगदान ने मैकाबी को तीसरे क्वार्टर के अंत में अंतर को 54-55 तक कम कर दिया। क्यूबा के पावर फॉरवर्ड जैसल रिवेरो द्वारा अंतिम क्वार्टर में बनाए गए महत्वपूर्ण अंकों ने मैकाबी को जीत और खिताब दिलाया। मैकाबी के लिए सोरकिन शीर्ष स्कोरर रहे, जिन्होंने 19 अंक और 9 रिबाउंड किया। रिवेरो ने 16 अंक और 8 रिबाउंड जोड़े। एनिस ने हापोएल के लिए सर्वोच्च 17 अंक बनाए।

यूरो कप के बाद स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन के कलाई की होगी सर्जरी

एजेंसी

बर्लिन। स्पेन के अंतरराष्ट्रीय गोलकीपर उनाई साइमन ने बताया कि यूरो 2024 के अंत में उनकी कलाई की चोट का ऑपरेशन होगा। एथलेटिक बिलबाओ के लिए खेलने वाले साइमन ने बताया कि कई महीने पहले एक घरेलू दुर्घटना में उन्हें चोट लगी थी। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि इस समस्या के कारण उन्हें लगातार दर्द होता है, लेकिन यह उन्हें खेलने या प्रशिक्षण से नहीं रोकता है।

हाल ही में अपना 27वां जन्मदिन मनाने वाले गोलकीपर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया, यूरोपीय चैम्पियनशिप समाप्त होने पर मैं ऑपरेशन करवाऊंगा और फिर हम देखेंगे कि मैं कितने समय तक खेल से बाहर रहता हूं। साइमन, जिन्होंने इस समस्या के बावजूद पिछले सीज़न में ला लीगा में सर्वश्रेष्ठ गोलकीपिंग रिकॉर्ड के लिए 'ज़मोरा' पुरस्कार जीता था, ने कहा, मैंने इस पर ज्यादा विचार नहीं किया है, और हमने इस सीज़न के दौरान देखा है कि इसने मुझे प्रभावित नहीं किया है। अगला ला लीगा सीज़न अगस्त के मध्य में शुरू होगा, और अगर साइमन अनफिट होते हैं, तो जूलन एगिरेज़ाबाला को ला लीगा में शुरुआत करने का मौका मिलेगा। एगिरेज़ाबाला पहली पसंद थे क्योंकि एथलेटिक बिलबाओ ने पिछले सीज़न में 40 साल में पहली बार कोपा डेल रे जीता था और हाल ही में उनका अनुबंध जून 2027 तक बढ़ा दिया था।

टी-20 विश्व कप में एक स्पेल में चार मेडन ओवर फेंकने वाले पहले गेंदबाज बने लॉकी फर्ग्यूसन

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक स्पेल में चार मेडन ओवर फेंकने वाले दूसरे और पुरुष टी-20 विश्व कप के पहले गेंदबाज बन गए हैं।

उन्होंने टी20 विश्व कप 2024 में न्यूजीलैंड के आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ अपने 4 ओवर में बिना कोई रन दिये 3 विकेट लिए। यह टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड का आखिरी मैच भी है, क्योंकि वे अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज से हार के बाद बाहर हो गए थे। यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र अन्य गेंदबाज कनाडा के साद बिन जफर हैं, जिन्होंने 2021 में कूलिज में टी20 विश्व कप अमेरिका क्षेत्र क्वालीफायर मैच में पनामा के खिलाफ अपने 4 ओवर में बिना कोई रन दिये 2 विकेट लिये थे। मैच की बात करें तो इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) की टीम 19.4 ओवर में केवल 78 रनों पर सिमट गई। पीएनजी के लिए चार्ल्स अमिनी ने सर्वाधिक 17 रन बनाए।

न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्यूसन ने अपने 4 ओवर के स्पैल में बिना कोई रन दिये 3 विकेट हासिल किये। उनके अलावा ट्रेंट बोल्ट, टिम साउदी और ईश सोढ़ी ने 2-2 और मिशेल सेंटनर ने 1 विकेट लिया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम ने 12.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 79 रन बनाकर मैच जीत लिया।

न्यूजीलैंड के लिए डेवोन कॉन्वे ने 35, कप्तान केन विलियमसन ने नाबाद 18 और डेरिल मिचेल ने नाबाद 19 रन बनाए। पीएनजी के लिए काबुआ मोरिआ ने 2 और सेमो कामिया ने 1 विकेट लिया।

> 'टी20 विश्व कप 2024 में न्यूजीलैंड के आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ अपने 4 ओवर में बिना कोई रन दिये 3 विकेट लिए।'

टी-20 विश्व कप: राहुल द्रविड़ ने की कनाडाई टीम की तारीफ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने फ्लोरिडा में भारत के आखिरी टी-20 विश्व कप लीग मैच के गीले आउटफील्ड के कारण रद्द होने के बादर कनाडा टीम की प्रशंसा की है।

भारतीय खिलाड़ी बारबाडोस में 20 जून को सुपर 8 के अपने पहले मुकाबले में अफगानिस्तान का सामना करने के लिए तैयार हैं।

बीसीसीआई ने ड्रेसिंग रूम में कनाडा के खिलाड़ियों और स्टाफ सदस्यों के साथ द्रविड़ की विशेष बातचीत का एक वीडियो साझा किया है। शनिवार को द्रविड़ को कनाडा के कोच पुबुदु दासनायके से हस्ताक्षरित जर्सी मिली। भारतीय मुख्य कोच ने टूर्नामेंट में उनके प्रयासों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा के रूप में उभरने के लिए कनाडाई टीम की सराहना की। द्रविड़ ने बीसीसीआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा,, दोस्तों, बहुत-बहुत धन्यवाद। निजी तौर पर, मैं आप लोगों द्वारा इस टूर्नामेंट में दिए गए शानदार योगदान को स्वीकार करना और उसकी सराहना करना चाहता हूँ। आप लोग ईमानदारी से हम सभी के लिए एक महान प्रेरणा हैं, जिन्होंने हमें दिखाया है कि हम वास्तव में इस खेल से प्यार करते हैं। इस टूर्नामेंट को खेलने, क्वालीफाई करने, यहाँ आने और इस टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए आप लोग जिस तरह के त्याग करने को तैयार हैं, उसके लिए बधाई हो। आप सभी ने अच्छा काम किया।

पेरिस 2024 ओलंपिक से हटीं ओन्स जाबेउर, आर्यना सबालेंका

एजेंसी

बर्लिन। विश्व की तीसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और वर्ल्ड रैंकिंग में 10वें नंबर पर काबिज ट्यूनीशिया की ओन्स जबेउर आगामी पेरिस ओलंपिक में हिस्सा नहीं लेंगी। मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता सबालेंका ने मीडिया डे पर डब्ल्यूटीए के हवाले से कहा कि उन्होंने खुद की देखभाल करने और हार्ड-कोर्ट गर्मियों के लिए तैयारी करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, खासकर पिछले कुछ महीनों में मैं जिन सभी संघर्षों से जूझ रही हूं, मुझे लगता है कि मुझे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। यह शेड्यूलिंग के लिए बहुत ज़्यादा है और मैंने अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने का फ़ैसला किया है। 1992 में बार्सिलोना के बाद पहली बार ओलंपिक टेनिस टूर्नामेंट क्ले पर आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों को उत्तरी अमेरिकी हार्ड कोर्ट पर लौटने से पहले ओलंपिक के लिए विंबलडन में घास से रोलांड गैरोस में क्ले पर जाना होगा। हार्ड कोर्ट गर्मियों में टोरंटो और सिनसिनाटी में लगातार डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट शामिल होंगे, इसके बाद साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम, यूएस ओपन होगा, जहां सबालेंका पिछले साल फाइनल में पहुंची थीं। सबालेंका ने कहा, मैं शारीरिक और स्वास्थ्य के लिहाज से यह सुनिश्चित करने के लिए थोड़ा आराम करना पसंद करती हूं कि मैं हार्ड कोर्ट के लिए तैयार हूं। और हार्ड कोर्ट सीजन में जाने से पहले मैं अच्छी तैयारी करूंगी। मुझे लगता है कि यह मेरे शरीर के लिए सुरक्षित और बेहतर है।

सबालेंका इस सप्ताह बर्लिन में दूसरी वरीयता प्राप्त हैं। वह रोलांड गैरोस के बाद से अपने पहले टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं, जहां उन्हें मीरा एंड्रीवा से क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद पेट की बीमारी हो गई थी। उन्होंने कहा, यह मेरे जीवन का कोर्ट पर सबसे बुरा अनुभव था। मैंने बीमार रहते हुए खेला है, मैंने चोटों के साथ खेला है, लेकिन जब आपको पेट में दर्द होता है और आपके पास खेलने के लिए कोई ऊर्जा नहीं होती है और आप ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में होते हैं, तो यह वास्तव में भयानक अनुभव होता है। लेकिन ऐसा ही होता है। मुझे लगता है कि मेरा शरीर बस थोड़ा आराम मांग रहा था। मैं मुश्किल महीनों के बाद आराम करने और ठीक होने के लिए कुछ दिन निकालने में कामयाब रही। जाबेउर ने भी यह घोषणा की है कि वह चोट के खिलाफ एहतियाती उपायों के लिए ओलंपिक से बाहर रहेंगी। जाबेउर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, पेरिस में ओलंपिक में भाग लेने के बारे में मेरी मेडिकल टीम के साथ परामर्श करने के बाद, हमने फैसला किया है कि सतह के त्वरित परिवर्तन और शरीर के अनुकूलन की आवश्यकता मेरे घुटने को जोखिम में डाल देगी और मेरे बाकी सीज़न को खतरे में डाल देगी।

टी-20 विश्व कप : बांग्लादेश ने नेपाल को हराया, नीदरलैंड्स बाहर; श्रीलंका ने जीत के साथ किया समापन

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका ने 2024 टी20 विश्व कप में अपने अभियान का अंत शानदार अंदाज में किया और ग्रोस आइलेट में नीदरलैंड पर 83 रन की शानदार जीत दर्ज की। इसका मतलब यह हुआ कि वे तीन अंक लेकर ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बाद तीसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने किंग्सटाउन में नेपाल को हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की कर ली थी।

श्रीलंका की जीत की नींव उसके बल्लेबाजों ने रखी और गेंदबाजों ने उसे शानदार तरीके से अंजाम दिया। नुवान तुषारा ने 24 रन देकर 3 विकेट चटकाए, लेकिन महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, दासुन शनाका और मथीशा पथिराना ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और नीदरलैंड की टीम 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 118 रन पर ढेर हो गई। लंका की ओर से चारिथ असलांका ने 21 गेंदों पर 46 रन की तूफानी पारी खेली, जिसके बाद कुसल मेंडिस (29 गेंदों पर 46 रन) और धनंजय डी सिल्वा (26 गेंदों पर 34 पर 30 रन) और हसरंगा (छह गेंदों पर 20 रन) ने जीत में अहम भूमिका निभाई और श्रीलंका इस टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा पार करने वाली दूसरी टीम बन गई।

माइकल लेविट के पावरप्ले में मजबूत प्रदर्शन के कारण नीदरलैंड्स ने कुछ समय के लिए असंभव लक्ष्य का पीछा किया, लेकिन पहला विकेट गिरने के बाद बाकी बल्लेबाजों ने कोई प्रतिरोध नहीं किया।

श्रीलंका का विविधतापूर्ण आक्रमण नीदरलैंड्स के लिए बहुत कठिन साबित हुआ और पूरी टीम 16.4 ओवर में 118 रनों पर सिमट गई। माइकल लेविट ने 23 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्के की बदौलत 31 रन बनाए। लेविट के अलावा कप्तान और विकेटकीपर स्कॉट एडवर्ड्स ने 24 गेंदों पर 2 चौके और 1 छक्के की बदौलत 31 रन बनाए।

बांग्लादेश ने नेपाल को रोमांचक मुकाबले में 21 रन से हराया

किंग्सटाउन में खेले गए एक अन्य मुकाबले में बांग्लादेश को नेपाल को 21 रन से हरा दिया। इस मुकाबले में नेपाल ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। बांग्लादेश की टीम 19.3 ओवर में केवल 106 रनों पर सिमट गई।

बांग्लादेश के लिए शाकिब अल हसन (17), महमुदुल्लाह (13), जाकेर अली (12), रिशाद हुसैन (13) और तस्कीन अहमद (नाबाद 12) ने छोटी-छोटी पारियां खेलीं।

नेपाल के लिए सोमपाल कामी, दीपेंद्र सिंह, कप्तान रोहित पौडल और संदीप लामिछाने ने 2-2 विकेट लिया।

जवाब में नेपाल की टीम एक समय 78 रनों पर 6 विकेट खोकर जीत के करीब पहुंच रही थी, लेकिन उसके बाकी के चार विकेट 85 रनों के ही कुल स्कोर पर गिर गए और पूरी टीम 19.2 ओवर में 85 रनों पर सिमट गई।

आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप: गनेमत, शीराज, अनंतजीत पदक की दौड़ में बरकरार

एजेंसी

लोनाटो डेल गार्डा। महिलाओं की स्कीट में गनेमत सेखों और पुरुषों की स्पर्धा में शीराज शेख और अनंतजीत सिंह नरुका, इटली के लोनाटो डेल गार्डा में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप शॉटगन में क्वालीफिकेशन के पांच में से चार राउंड पूरे होने के बाद पदक की दौड़ में बने हुए हैं।

गनेमत ने 25 और 23 राउंड के साथ दो दिन में कुल 95 (25,22,25,23) स्कोर किया, जिससे वह वर्तमान में नौवें स्थान पर हैं। यूएसए की डानिया जो विज्जी और स्वीडन की विक्टोरिया लार्सन 97-97 स्कोर के साथ शीर्ष दो स्थानों पर हैं। शीर्ष छह फाइनल में पहुंचेंगे। पुरुषों की स्कीट में, शीराज और अनंतजीत दोनों ने भी चार राउंड के बाद 97 का स्कोर बनाया है और हालांकि अंतिम दिन वे 19वें और 21वें स्थान पर हैं, लेकिन वे भी गति से सिर्फ दो हिट पीछे हैं। चिली के हेक्टर एंड्रेस फ्लोरेस बाराहोना के नेतृत्व में पांच निशानेबाजों ने अब तक लीडरबोर्ड के शीर्ष पर 99 का स्कोर बनाया है। शीराज ने अपने दो परफेक्ट राउंड के बाद आज 22 और 25 राउंड शूट किए, जबकि अनंतजीत 25 और 24 राउंड के साथ और भी सटीक रहे। प्रतिस्पर्धा कर रहे अन्य भारतीयों में, अनुभवी मैराज अहमद खान ने पुरुषों की स्कीट में 20 और 24 राउंड के साथ कुल 90 अंक हासिल किए, जिससे वह 87वें स्थान पर रहे। महेश्वरी चौहान और रियाजा ढिल्लों ने महिलाओं की स्कीट में 20, 25 और 20, 22 राउंड के साथ क्रमशः 89 और 88 अंक हासिल किए और इस समय वे दौड़ से बाहर दिख रही हैं।

कियारा आडवाणी

के एटीट्यूड को लेकर एयरहोस्टेस का इंटरनेट पर वीडियो हुआ वायरल, देखते ही यूजर्स बोले- हर किसी का...

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी (Kiara Advani) इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेज में से एक हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म सत्यप्रेम की कथा में देखा गया था। जो साल 2023 में रिलीज हुई थी दर्शकों ने इस फिल्म को काफी पसंद किया था। वहीं अब वह साउथ के सुपरस्टार राम चरण के साथ नजर आने वाली हैं, लेकिन फिल्म से पहले एक्ट्रेस को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कहा जा रहा है कि कियारा एक एटीट्यूड एक्ट्रेस है। आइए जाने क्या है ये पूरा मामला।

क्या एटीट्यूड वाली है कियारा आडवाणी ?

कियारा आडवाणी अकसर फ्लाइट में ट्रेवल करती रहती हैं। इस दौरान वह कई क्रू मेंबर्स से भी मिलती हैं। वहीं अब एक एयर होस्टेस का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कियारा को एटीट्यूड वाली एक्ट्रेस बता रही हैं।

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक यूट्यूब चैनल के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में एक केबिन क्रू ने खुलासा किया कि उनका और उनके सहयोगियों का एक्ट्रेस कियारा के साथ अच्छा अनुभव नहीं था। वह बहुत अधिक एटीट्यूड रखती हैं।

क्रू मेंबर ने कियारा को लेकर कही ये बात

सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें क्रू मेंबर बोलती नजर आ रही है कि, जब मेरे साथियों ने कियारा को काजू और बादाम दिए तो उन्होंने बहुत ही बेरहमी से इनकार कर दिया और उनसे अपने असिस्टेंट को बुलाने के लिए कहा ताकि वो उन्हें काजू दे सकें।

जाह्नवी-अनन्या की तारीफ की

इस इंटरव्यू में केबिन क्रू मेंबर ने कहा कि जान्हवी कपूर और अनन्या पांडे बहुत अच्छी हैं। जाह्नवी संग एक किस्सा शेयर करते हुए कहा है कि, जब क्रू ने उन्हें नींद से उठाया तो उन्होंने बिलकुल भी गुस्सा नहीं किया आया था।

गेम चेंजर समेत इन फिल्मों में दिखाई देंगी कियारा

कियारा आडवाणी के वर्कफ्रंट की बात करे तो जल्द राम चरण के साथ गेम चेंजर में नजर आएंगी। इसके अलावा रणवीर सिंह के साथ डॉन 3 में भी नजर आएंगी।

राधिका मर्चेंट

के प्री-वेडिंग गाउन में लिखी थी प्रेम कहानी, रिया कपूर ने फोटो शेयर कर किया खुलासा

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी जुलाई में दूल्हे राजा बनने जा रहे हैं। वह अपनी मंगेतर राधिका मर्चेंट से 12 जुलाई को शादी को सात फेरे लेने वाले हैं, हाल ही में इस कपल का प्री-वेडिंग फंक्शन देखने को मिला था, जो इटली में हुआ था। बता दें, ये इस कपल का दूसरा ग्रैंड प्री-वेडिंग फंक्शन था।फंक्शन खत्म हो चुका है, लेकिन सोशल मीडिया पर अब सेलिब्रेशन की फोटोज और वीडियो सामने आ रही हैं।

राधिका मर्चेंट की फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे हैं। रविवार को अनिल कपूर की बेटी रिया कपूर ने राधिका की कई फोटोज शेयर की।

राधिका मर्चेंट का प्री-वेडिंग लुक

रिया कपूर ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अंबानी परिवार की होने वाली छोटी बहू राधिका मर्चेंट की कई खूबसूरत फोटोज साझा की है और साथी की प्यारा सा कैप्शन भी लिखा है। इन तस्वीरों में राधिका ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। राधिका ने इस मौके पर यूं तो कई एक से बढ़कर एक ड्रेस कैरी की, लेकिन ये गाउन बेहद खास था।

राधिका के गाउन पर लिखा था लव लेटर

अनंत अंबानी होने दुल्हन के इस ब्लैक एंड ऑफ व्हाइट गाउन पर डिजाइनर रॉबर्ट वुन ने काफी मेहनत की थी। दरअसल, राधिका के इस गाउन पर उनका लव लेटर लिखा था, जो बेहद खास था। इसका खुलासा रिया ने फोटोज के कैप्शन में किया है, उन्होंने लिखा- प्रेम पत्र। दुल्हन द्वारा दूल्हे को लिखे गए पत्र को क्रिस्टल से जड़ित फ्रेंच शिफॉन की लंबाई पर दोबारा बनाना रॉबर्ट वुन।

क्रूज पर हुआ था सेलिब्रेशन

अनंत और राधिका के लिए दूसरी प्री वेडिंग पार्टी का आयोजन किया गया। इस बार क्रूज पर चार दिनों तक चला था। इस दौरान बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड के कई सितारे मौजूद रहे।

जहां हुई 'पंचायत 3'-'लापता लेडीज' की शूटिंग, कार्तिक आर्यन-तृप्ति डिमरी की ये बड़ी फिल्म वहीं होगी शूट

इस वक्त कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' थिएटर्स में लगी है. जनता उनकी एक्टिंग की तारीफ कर रही है. उनकी एक और बड़ी फिल्म 'भूल भुलैया 3' का शूट चालू है. कुछ दिन पहले कोलकाता से तस्वीरें आई थीं. बीच में 'चंदू चैंपियन' के प्रमोशन की वजह से 'भूल भुलैया 3' की शूटिंग रुकी थी. तृप्ति डिमरी भी वेकेशन पर थीं. अब शूटिंग फिर से चालू करने की बात कही जा रही है.

अब यहां होगा शूट

ऐसा कहा जा रहा है कि महीने के अंत से शूटिंग शुरू हो सकती है. पर ज्यादा संभावना है कि जून एंड की जगह शेड्यूल को जुलाई में शुरू किया जाए. कोलकाता और मुंबई में मैराथन शूट के बाद अब अनीस बज्मी फिल्म को मध्य प्रदेश लेकर जा रहे हैं. हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अब फिल्म की शूटिंग एमपी के ओरछा में होगी. वहां फिल्म में पुराने शहर और हवेलियों को एस्टैब्लिश करने में मदद मिलेगी. एमपी आजकल फिल्ममेकर्स की शूट के लिए नई पसंदीदा जगह बना हुआ है. यहीं पर 'पंचायत 3' की शूटिंग हुई थी. यहीं 'लापता लेडीज' भी शूट हुई है. अब 'भूल भुलैया 3' की शूटिंग भी जुलाई से शुरू होने जा रही है.

जुलाई भर होगी शूटिंग

कार्तिक और तृप्ति जून के अंत में फिल्म के नेक्स्ट शेड्यूल के लिए ओरछा जाएंगे. लोकेशन फिल्म को पुरानी वाइब देगी, जो कहानी की डिमांड है. जुलाई भर वहां टीम रहेगी. इसके बाद फिल्म का एक और शेड्यूल प्लान किया जाएगा. ये फिल्म का आखिरी शेड्यूल होगा. इसके बाद शूट रैप हो जाएगा.

'सिंघम अगेन' से होगी टक्कर

फिल्म को इसी साल दिवाली पर रिलीज करना है. इसकी टक्कर 'सिंघम अगेन' से होनी है. यदि फिल्म को टाइम पर रिलीज करना है, तो इसका पोस्ट प्रोडक्शन भी जल्द ही शुरू करना होगा. नहीं तो सिर्फ चार महीने में फिल्म पूरी करना एक बड़ा टास्क होगा. एडिट टेबल पर कुछ समय लगेगा. जुलाई के बाद फिल्म का एक और शूट शेड्यूल बाकी होगा. इसलिए अब मेकर्स को तेजी से काम करना होगा. 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक आर्यन के साथ तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं. विद्या बालन की इस फ्रेंचाइज में वापसी हो रही है. माधुरी दीक्षित का भी स्पेशल रोल होने की बात कही जा रही है. अनीस बज्मी फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं.

शाहरुख खान के बाद अब सलमान संग जमेगी एटली की जोड़ी, जवान से भी कुछ बड़ा करने की है प्लानिंग

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का चार्म दुनियाभर में देखने को मिलता है. उन्होंने अपने करियर में कई सारी सुपरहिट्स दी हैं. जितनी हिट्स उन्होंने अपने पिछले एक दशक में दी हैं उतनी शायद की किसी और एक्टर ने दी हों. लेकिन पिछले कुछ समय से उनकी फिल्में कोई खास कमाल नहीं दिखा पा रही हैं. या वैसा कलेक्शन नहीं कर पा रही हैं जैसा सलमान की फिल्में करती आई हैं. ऐसे में बॉलीवुड सुपरस्टार ने अब साउथ की तरफ अपना रुख कर लिया है. इसे लेकर पहले से ही खबरें आ रही थीं. ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान खान जल्द ही साउथ डायरेक्टर एटली के साथ हाथ मिला रहे हैं. दोनों के अपकमिंग प्रोजेक्ट पर अपडेट आया है.

सलमान खान और एटली के इस प्रोजेक्ट को सन पिच्चर्स प्रोड्यूस करेगा. दोनों स्टार को इस फिल्म के लिए मोटी रकम भी मिलेगी. अभी एटली इस फिल्म की स्क्रिप्ट लॉक करने में बिजी हैं. इस साल इस मूवी की शूटिंग नहीं होगी. साल 2025 में सलमान खान इस पर काम शुरू कर देंगे. अभी सलमान खान पहले से ही ए आर मुरुगुदोस की फिल्म सिकंदर की शूटिंग में बिजी हैं. ये मूवी ईद 2025 को रिलीज होगी. इस फिल्म की शूटिंग खत्म करने के बाद सलमान खान और एटली इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगे.

अगले साल शुरू होगी शूटिंग

पहले एटली साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ ये फिल्म करना चाहते थे. लेकिन अल्लू अर्जुन के पास पहले से ही कई कमिट्मेंट्स थे और इसलिए उन्होंने कोई सटीक जवाब इसपर नहीं दिया. ऐसे में एटली ने नई स्क्रिप्ट तैयार की और अब उन्होंने बॉलीवुड के सबसे दबंग स्टार संग हाथ मिला लिया है. अब ऐसे में धमाल तो मचेगा ही. साल 2023 में शाहरुख खान और एटली की फिल्म जवान आई थी. फिल्म ने ताबड़तोड़ कमाई की और हिंदी भाषा की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मूवी बन गई. फिल्म ने दुनियाभर में करीब 1150 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था.